HRA की राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 11] नई विस्ली, शनिवार, मार्च 17, 1979 (फाल्गुन 26, 1900) No. 11] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 17, 1979 (PHALGUNA 26, 1900)

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संस्था दो जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—बन्द 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक ा श्रायोग नई दिल्ली-110 d 11, दिनांक 14 फरवरी 1979

संवं 32014/1/79-प्रशाठ-I—संघ लोक सेवा प्रायोग के संवंग में स्थायी वैयक्तिक सहायक (कें से से स्टें से का ग्रेंड ग) तथा इस समय स्टेनोग्राफर ग्रेंड 1 के चयन ग्रेंड ग में स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री श्रोठ पीठ देवरा को राष्ट्रपति द्वारा 27-1-79 से 28-2-79 तक श्रथवा श्रागमी श्रादेण तक, जो भी पहले हो, उसी संवंग में श्रस्थायी श्रीर तदर्थ श्राधार में विरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (कें से से से कार्य पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियक्त किया जाता है।

श्री देवरा यह अवगत कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० म० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख में विलयन अथवा उक्त ग्रंड मेंबरिष्ठता क उनका कीई हक नहीं होगा ।

दिनांक 17 फरवरी 1979

मं० ए० 310142/78-प्रज्ञा-III — केन्द्रीय मिलवालय सेवा के महायक ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी श्रिधिकारियों को, जो मंघ लोक सेवा आयोग में उकत सेवा के श्रनुभाग श्रिध-कारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्यारत तथा इस मंबर्ग से 1--506GI/78 (2075)

संबद्ध अनुभाग श्रिष्ठिकारियों की चयन सूची में सम्मिलित हैं। राष्ट्रपति द्वारा प्रश्येक के नाम के सामने उल्लिखित तिथि से संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड नें मूल रूप से नियुक्त किया जाता है :—

1. श्रीबी०पी० शिम्पी 1-2-77 2. श्रीबी०एन० श्ररोड़ा 1-3-78	क॰ नाम सं०	स्थायीकरण की तिथि
४. अरबाव्यवस्थाः १-3-78		
	2. श्री बी० एन० ग्ररोड़ा	1-3-78
		अवर सचिव,

केन्द्रीय मतर्कता श्रायोग नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1979

(प्रशासन प्रभारी)

संघ लोक सेवा आयोग

मं ० 98 म्रार० सी ० टी ० 18- केन्द्रीय सतर्कता ग्रायुक्त एतव्हारा श्री एच० एस० राठीर, स्थाई सहायक को स्थानापन्न रूप से दिनांक 9-2-79 से 9-5-79 तक या श्रम्रिम आदेश तक जो भी पहले हो, श्रनुभाग श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

> भ्रार० के० णर्मा सचिव,

केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग

गृह मंद्रालय

नई दिल्ली 110001, दिनांक 22 फरवरी 1979

सं 0 14029/7/79-एन० ई०-2---राष्ट्रपति इस मंत्रालय की तारीख 1-5-1978 की अधिमूचना सं 0 III-14028/9/75-एन० ई०-भाग-1 के क्रम में उत्तरपूर्वी परिषद सचिवालय शिलांग में मलाहकार (पणु-पालन) के पद पर श्री एच० गुहा की नियुक्ति की श्रवधि की 30 जून, 1979 तक बढ़ाते हैं।

एम० एम० परमार ग्रवर सचिव

महानिदेशालय केरद्रीय रिजर्ट पुल्सि दल,

नई दिल्ली-110001, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं श्रो० दो-108/69-स्थापना—ले० धनंल टी० डी० राधाकृष्णन का पुर्नान्युक्ति का समय समाप्त होने पर उन्होंने कमाण्डेन्ट ग्रुप सेन्टर सी० ग्रार० पी० एफ०, पल्लीपुरम के पद का कार्यभार दिनांक 2 फरवरी 1979 के ग्रपराह्म से स्थाग दिया ।

सं० श्रो दो-289/69-स्थापना—श्री गणेश राम का पुर्नीनायुक्ति का समय समाप्त होने पर उन्होंने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कमाण्डेन्ट 3 बटालियन के पद का कार्यभार दिनांक 31-1-79 के भपराह्म से त्याग दिया।

> ए० के० बन्द्योपाध्याय सहायक निदेशक (प्रशासन)

(कार्मिक एंव प्रणासनिक सुघार विभाग) केन्द्रीय अनवेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1979

सं० पी०-30/65-प्रणामन-5—मारुति जांच घ्रायोग से प्रत्यावर्तित हो जाने पर, श्री पी० एस० महादैवन ने दिनांक 2 जनवरी, 1979 के पूर्वीह्म में पुलिस ग्रधीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विवेष पुलिस स्थापना के पद का कार्य भार सम्भाला ।

> रिपुदमन सिह् प्रशासन अधिकारी (लेखा) केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरी

नई दिल्ली, दिनांक 22 फरवरी 1979

सं० टी-1/73-प्रणासन-11—कार्मिक श्रीर प्रणासनिक सुधार विभाग के कार्यालय ज्ञापन संख्या 25013/7/77-ईस्ट (ए), दिनांक 26-8-77 के श्रनुसरण में केन्द्रीय सरकारी कर्मवारियों की स्वैच्छिक सेवा-निवृत्ति योजना के श्रधीन गृह मंत्रालय के केन्द्रीय सचिवालय श्राणुलिपिक सेवा संबर्ग के श्री टीकम दास सम्बदेवा, श्राणुलिपिक ग्रेड 'वी' को गृह मंत्रालय के दिनांक 29-1-79 के भादेण संख्या ए-38013/8/78-प्रशासन-1(ए) के द्वारा दिनांक 25-1-79 (ग्रपराह्न) से सेवा-निवृत्त किया जाता है।

श्री सचदेवा ने दिनांक 25-1-79 (ग्रपराह्म) को वरिष्ठ निजी महायक (ग्राशुलिपिक ग्रेड-बी) के पद का कार्यभार त्याग दिया ।

स० ए०-35018/6/78-प्रणासन-1---पुलिस उप-महानिरीक्षक, विषेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा , गुजरात राज्य
पुलिस के उप-निरीक्षक श्री एम० जे० शुक्ला को दिनांक 1-2-79
के पूर्वाह्म से अगले श्रादेण तक के लिए केन्द्रीय श्रन्थेषण ब्यरो
के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की श्रहमदाबाद शाखा
में श्रस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त
करते हैं।

जरनैल सिह् प्रशासनिक भ्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण क्यूरी

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 23 फरवरी 1979

सं० ई-1604/4/1/75-कार्मिक—प्रत्यावितित होने पर श्री एच० पी० मिह, ने 15 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्म से के० श्री० कु० ब० यूनिट, बी० एम० एल० बोकारो के महायक कमांडेंट के पद का कार्य भार छोड़ दिया ।

> नरेन्द्र प्रसाद सहायक महानिरीक्षक (कार्मिक) के० ग्री० सु०व० मुख्याल्य

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 फरवरी 1979

सं० 6/1/74-म० पं० (प्रशा०-)—इस्म कार्यालय की तारीख 8 फरवरी, 1977 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रगति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में महायक निदेशक (प्रोग्राम) श्री श्रार० एन० तलबार की उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर तबर्थ नियुक्ति की श्रवधि को 1 जनवरी, 1979 से 30 जून, 1979 तक छः महीनों के लिए श्रीर या जब तक पद नियमित तौर पर भरा जाए, जो भी पहले हो, महर्ष बढ़ाते हैं।

श्रीतलकारकामुख्यालय नई किल्ली में ही रहेगा।

सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री तनवार को सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी । सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर तवर्थ तौर पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में विरिष्ठता श्रीर किसी श्रन्य उच्च पद पर पदोश्रति के लिए नहीं गिनी जाएंगी । इस सबर्थ नियुक्ति के नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है ।

सं ा [| 5 | 77-प्रशा०-एक—इस कार्यालय की तारीख 4 दिसम्बर, 1978 की समसंख्यांक ग्राध्यूचना के भ्रमुश्रम में राष्ट्रपति, केरल में जनगणना कार्यालय में भ्रन्वेषक, श्री एस० जयशंकर की जसी कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियुक्ति को तारीख 1 जनवरी, 1979 से 31 मार्च, 1979 तक तीन मास की भ्रीर भ्रवधि के लिए या भ्रगले श्रीदेशों तक, जो भी समय कम हो, पूर्णतः भ्रस्थायी श्रीर तदर्थ श्राधार पर सहर्ष बढ़ाते हैं। उनका मुख्यालय विवेद्यम में ही रहेगा।

पी० पद्मनाभ, भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार कार्यालय, कर्नाटक बेंगलोर, दिनांक 1 फरवरी 1979

सं० स्था० I/ए० 4/78-79/778—महालेखाकार, इस कार्यालय के श्री एस० सारंगन, एक स्थायी अनुभाग अधिकारी को उसके वरिष्ठों के बिला प्रतिकूल प्रभाव डाले, ग्रगले आदेश जारी होने तक, लेखा ग्रधिकारी पद में, उस पद का कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक से केवल ग्रस्थायी रूप में पदोक्षत करते हैं।

यह पदोन्नत मन् 1978 के सर्वोच्च न्यायालय के लेख याचिका नं॰ 4367 के ग्रांतिम नतीजों के ग्राधीन रहते हैं।

दिनांक 16 फरवरी 1979

सं० स्था-1/ए-4/78-79/810—महालेखाकार, इस कार्या-लय के निम्न लिखित स्थायी श्रनुभाग श्रधिकारियों को उसके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, श्रगले भावेण जारी होने तक, लेखा श्रधिकारी पद में, उस पद का कार्य भार ग्रहण करने का विनांक सं केवल श्रस्थायी रूप में पदोन्नत करते हैं।

सर्वश्री:-

- হী০ एस০ ফুলে মুর্तি (1)
- 2. एम० सी० श्रीनिवासन्

ये पदोन्नत सन् 1978 के सर्वोच्च न्यायालय के लेख याचिका नं० 4367 के श्रंतिम ननीओं के श्रधीन रहते हैं।

> एम० ए० सीन्दरराजन्, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय, मध्य रेलवे बम्बई-1, दिनांक 24 फरवरी 1979

सं० ए० यू०/ब्रॅडमिन/मिस/कॉन्/1371—इस कार्यालय के श्रस्थायी लेखा परीक्षा ब्रधिकारी श्री एस०बी० सुक्रमिनयन को दिनांक 1-4-1978 में स्थायी रूप में लेखा परीक्षा श्रीधकारी के पद पर नियुक्त किया है ।

सं० ए० यू०/ग्रॅडिमन/मिस/कॉन/1371—इस कार्यालय के ग्रस्थायों लेखा परीक्षा ग्रधिकारी श्री एम० एन० राणा की दिनांक 1-4-1978 से स्थायी रूप से लेखा परीक्षा ग्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० यू०/ब्रॅडमिन/मिस/कॉन/1371—इस कार्यालय के अस्थायी लेखा परीक्षा श्रधिकारी श्री एम० श्रार० जोशी को दिनांक 1-8-1978 से स्थायी रूप से लेखा परीक्षा श्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० यू०/ब्रॅडमिन /मिस/कॉन/1371--- इस कार्यालय के अस्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी श्री जी० डी० भागवत को दिनांक 1-8-1978 से स्थायी रूप से लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है '

> भ्र० ना० विश्वास मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा मंत्रालय भारतीय श्राडंनेन्स फैक्टरियां सेवा महानिदेशालय, श्राडंनेन्स फैक्टरियां कसकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1979

मं० 7/79/जी—58 वर्ष की श्रायु प्राप्त कर, श्री टी० एफ० देकुन्हा, स्थानापन्न महायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) विनांक 31-12-78 (अपराह्म) से सेवा निवृत हुए।

> त्री० के० मेहता सहायक महानिदेशक, ग्रार्डनेन्स फॅक्टरियां

वाणिज्य, नागरिक भ्रापूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय (वाणिज्य विभाग)

> मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1979 श्रायात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/806/67-प्रणा० (राज०)/1527--सेवा निवृत्ति की म्रायु पूरी होने पर केन्द्रीय सिववालय सेवा के स्थायी मिधकारी भीर स्थानापन्न उप मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात, श्री भ्रार० पी० बसु ने 31 जनवरी, 1979 के दोपहर बाद से कार्यालय में भ्रपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

मं० 6/1006/73-प्रशा०/(राज०)/1538—सेवा निवर्तन की भ्रायु प्राप्त होने पर केन्द्रीय मिषवालय सेवा के भ्रनुभाग भ्रधिकारी वर्ग के अधिकारी श्री बी० एल० मत्होत्रा ने 31 जनवरी, 1979 के भ्रयराह्न से, इम कार्यालय में नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

विनोक 27 फरवरी 1979

सं० 6/1072/75-प्रशा० (राज०)/1778—सेवा निवृत्ति की भायु होने पर श्री सी० के० नायर ने 31 जनवरी, 1979 के भापराह्म से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, भ्रामात-नियंति के कार्यालय, बम्बई में नियंत्रक, भ्रामात-निर्यात के पद का कार्य-भार सींप विका ।

का० वें० शेषादि, मुख्य नियंक्षक, श्रायात-निर्यात

उद्योग मंद्रालय

वस्त्र प्रायुक्त का कार्याक्य

बम्बई-20, विनांक 17 फरवरी 1979

सं० 10(2)77-79/सी० एल० बी०-II---कपास नियंत्रण भावेश, 1955 के खंड 5(1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा वस्त्र भ्रायुक्त की भ्रधिसूचना सं० 10(1) 73-74/सी० एल० बी०-II, दिनांक 19 दिसम्बर, 1974 में निम्निश्चित श्रतिरिक्त संशोधन करता हुं भ्रथित्: —

- (1) जनत अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में :--
 - (1) ऋम संख्या 1 के सामने स्तंभ 3 में विद्यमान प्रविष्टि में "दो भास" इन गब्दों श्रौर चिह्न के स्थान पर "तीन मास" ये गब्द श्रौर चिह्न प्रतिस्थापित किए जाएंगे ।
 - (2) क्रम संख्या 2 के सामने स्तंभ 3 में विद्यमान, प्रविष्टि में "साढ़े तीन मास" इन शब्दों श्रीर चिक्क के स्थान पर "साढ़े चार मास" ये शब्द श्रीर चिक्क प्रतिस्थापित किए जाएंगे।
 - (3) कम संख्या 3 के सामने स्तंभ 3 में विद्यमान प्रविष्टि में "तीन मास" इन शब्दों श्रीर चिक्क के स्थान पर "चार मास" ये शब्द श्रीर चिक्क प्रतिस्थापित किए आएंगे।
- (2) अनुसूची के नीचे द्वितीय परन्तुक में "साहे चार मास" इन शब्दों के स्थान पर "छह मास" ये शब्द प्रति-स्थापित किए जाएंगे ।

गौरी शंकर भार्गव संयुक्त वस्त्र श्रायुक्त

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन धनुभाग-6)

नई जिल्ली, विनांक 21 फरवरी 1979

सं० प्र०-6/247(36)/2—स्थायी सहायक निरीक्षण मधिकारी (इंजी०) भीर निरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न निरीक्षण मधिकारी (इंजी०) (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-3) (ग्रुप ए) (इंजी०-शाखा) श्री जैंड० ए० सैयद

निवर्तमान श्रायुहोने पर दिनांक 31-1-79 के भ्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए ।

दिनांक 24 फरक्री 1979

सं० प्र०-6/247(322)—क्लकता निरीक्षक मण्डल में स्थायी निरीक्षण ग्रिधिकारी (इन्जी०) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-II (इन्जी०शाखा) ग्रीर स्थानापन्न उप निदेशक निरीक्षण (इन्जी०) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-2 (इन्जी०शाखा) श्री ए० एन० चटर्जी निवर्तमान ग्रायु (58 वर्ष) होने पर दिनांक 31-1-79 के ग्रपराह्म मे मरकारी सेवा से निवृत्त हो गए

पी० डी० सेठ उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात ग्रौर खान मंत्रालय खान विभाग भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर दिनांक 26 फरवरी 1979

मं० ए-19011(225) स्थापना—-राष्ट्रपति श्री एस० मी० तजूजा, वरिष्ठ तकतीकी महायक (ग्रयस्क प्रमाधन) को दिनांक 2-2-1979 के श्रपराह्म से स्थानापन्न रूप में भारतीय खान ब्यूरों में महायक ग्रयस्क प्रमाधन ग्रिधकारी के पद पर महर्ष नियुक्ति प्रदान की जाती हैं।

एस० बालागोपाल कार्यालय ग्रध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून दिनांक 20 फरवरी 1979

सं० सी०-5468/718-ए--श्रीयू० एस० श्रीवास्तव, जिन्हें महासर्वेक्षक कार्यालय में इस कार्यालय की श्रिधसूचना सं० सी०-5449/718-ए दिनांक 21 दिसम्बर, 1978 के श्रधीन 27-11-78 से 60 दिन के लिए स्थापना एवं लेखा श्रधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया था, की तदर्थ नियुक्ति की श्रवधि श्री जे० पी० शर्मा, स्थापना एवं लेखा-धिकारी, महासर्वेक्षक का कार्यालय के स्थान पर 26-1-79 से 2-2-79 तक श्राठ दिन के लिए श्रौर बढ़ाई जाती है, श्री जे० पी० शर्मा 19 जनवरी, 1979 से 2 फरवरी, 1979 तक 15 दिन की छुट्टी पर गए हैं।

के० एल० खोसला भेजर-जनरल महासर्वेक्षक का कार्यालय नियुक्ति प्राधिकारी

स्राकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1979

मं० 7(117)/63-एस०-1--महानिदेशक, स्राकाणवाणी, एतद्बारा श्री के० बी० राव, प्रमारण निष्पादक, श्राकाणवाणी,

जैपोर (उड़ीसा) को उसी केन्द्र में 2-2-1979 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करने हैं।

मं० 5(85)/67-एम०-I---महानिदेशक, म्राकाणवाणी एतब्द्वारा श्री के० एम० धर्मा, प्रमारण निष्पादक, म्राकाशवाणी, हैदराबाद को, म्राकाशवाणी विजयवाड़ा में 6-2-1979 से अगले म्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर ग्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 फरवरी 1979

पं० 6(96)/63-एस०-1---महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्हारा श्री राम स्वरूप, प्रसारण निष्पादक, विज्ञापन प्रमारण सेवा, आकाशवाणी, नई दिल्ली को उसी केन्द्र में 30-1-1979 में अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करने हैं।

मं० 6(110)/63-एम०-1--महानिदेणक, आकाणवाणी, एतद्दारा श्री पी० टी० मैथ्यू, प्रमारण निष्पादक, आकाशवाणी, विवेन्द्रम को उसी केन्द्र में 1-2-1979 में अगले आदेणों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 5 (111)/67-एस०-I---महानिदेशक, श्राकाणवाणी, एतद्हारा श्री पी० सी० अधिकारी, प्रसारण निष्पादक, त्राकाण-वाणी रत्नागिरी को उसी केन्द्र में 1-2-1979 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी तया तदर्थ रूप भें नियुक्त करते हैं।

मं० 5 (118)/67-एस०I---महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एस० वासुदेवन, प्रमारण निष्पादक, आकाशवाणी, विचुर को उसी केन्द्र में 1-2-1979 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० 5(120)/67-एस०-१--महानिदेशक, श्राकाणवाणी, एनद्द्वाराश्री जे० श्रार० मी० पैट्रो, प्रसारण निष्पादक, श्राकाण-वाणी, हैंदराबाद को उसी केन्द्र में 31-1-1979 से श्रामले श्रादेशों तह कार्यक्रप रिधादक के पर पर श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

हरि दत्त खेड़ा प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य मेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1979

सं० ए० 19019/3/77-के० स० स्वा० सेवा-I--डा० श्रीमती पद्मिती दास ते श्रपती बदली केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदराबाद से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में हो जाने के परिणामस्बहण 10 जनवरी, 1979 के पूर्वीह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना हैदराबाद में होस्योपैथिक

. फिजिनियन के पद का कार्यभार छोड़ दिया और 12 जनवरी 1979 के पूर्विह्स में दिल्ली में उसी पद का कार्यभार संभाल लिया है ।

> ण्न० एम० भाटिया उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1979

मं ० ए.० 38012/1/79-(एच० क्यू०)/प्रणामन-1--भारत सरकार बड़े खेद के साथ यह घोषणा करती है कि स्वास्थ्य सेवा महानिदेणालय में निदेणक, प्रणासन एवं सतर्कता के पद पर कार्य कर रहे थी रवीन्द्र नाथ सिन्हा का 15 दिसम्बर, 1978 को निधन हो गया है ।

दिनांक 23 फरवरी 1979

मं० ए० 12025/8/78/(ए० ग्राई० ग्राई० एच० पी० एच०) प्रशासन-र्--राष्ट्रपति ने ग्रिखल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकता के सहायक अनुसंधान अधिकारी (मनोविकार विज्ञानी) डा० देवज्ञत बनर्जी को 25 सितस्बर, 1978 के पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेणों तक उसी पंस्थान में मनोविकार विज्ञान के सहायक प्रोफेमर के पद पर श्रन्थाई ग्राधार पर नियुक्त किया है।

मं० ए० 12026/31/78(ग्रार० एम० एम० एच०) प्रणासन-1--एवास्थ्य गैवा महानिदेशक ने डा० राम मनोहर लोहिया श्रम्पताल नई दिल्ली के चिकित्मा मामाजिक कार्यकर्ती श्री एम० लाल को 16 जनवरी 1979 के पूर्वाह्म में ग्रागामी ग्रादेगों तक उमी ग्रपनाल में चिकित्मा समाजपरक सेवा (मेडिको-मोगल सविम) ग्राधकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला उप निदेशक प्रशासन (सं० एवं प्र०)

केन्द्रीय मरकार स्वास्थ्य योजना नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी 1979

मं० 7/119/78-के० म० स्वा० यो० स्था०-4—केन्द्रीय निवित्त सेवा (अस्थायी सेवायों) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उप नियम (1) के अनुसरण में इसके द्वारा श्री रमेणचन्द्र शर्मा, ट्रैसर को नोटिस दिया जाता है कि इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाणित होने की तारीख से एक माह की अविध की समाप्ति पर उनकी सेवायों समाप्त कर दी जायोंगी डा० वि० ख० जोतवानी

उप निदेशक

कृषि एवं मिचाई मंत्रालय ग्रामीण विकास विभाग ्रीविपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० ए०-19023/54/78-प्र०-III---इस निदेणालय में उप विरुठ विपणन प्रधिकारी (वर्ग 1) के पद पर पदोक्सति होने पर

श्री जी० एस० निरंजन ने दिनांक 20-1-79 के श्रपराह्म में बम्बई में विषणन ग्रधिकारी का कार्यभार छोड़ दिया ।

दिनांक 23 फरवरी 1979

सं० ए० 19023/3/78-प्र०-III—इस निदेशालय में उप वरिष्ट विपणन ग्रिधकारी (वर्ग 1) के पद पर पदोन्निति होने पर श्री एम० बी० के० राव ने दिनांक 30-12-78 (भ्रपराह्न) में महास में विपणन ग्रिधकारी का कार्यभार छोड़ दिया।

> बी० एल० मनिहार निदेशक, प्रणासन **कृते** कृषि विषणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय एवं भण्डार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 17 फरवरी 1979

सं० डी० पी० एम०/21/1(3)/78/ संस्थापन/5746— इस निदेणालय की अधिसूचना संख्या डी० पी० एम०/41(2)/77-प्रशासन/26153 दिनांक 10/13-10-78 के उपरांत, निदेणक, ऋय एवं भण्डार, परमाणु ऊर्जी विभाग, ऋय निदेणालय के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक (कनिष्ठ भंडार सहायक) तथा स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी श्री वसंत यणवंत गोखल को महायक भंडार प्रधिकारी पद पर २० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन ऋम में दिनाक 30-11-78 अपराह्म से 25-1-79 पूर्वाह्म तक तदर्थ रूप से तथा 25-1-79 पूर्वाह्म से अप्रिम आदेण तक नियमित रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एम०/21/1(3)/78-संस्थापन/5756— निदेणाल्य के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक (किनिष्ठ भंडार सहा-यक) तथा स्थानापन्न भंडारी श्रेणी उत्तम ताबाजी सत्पृष्टे को सहायक भंडार प्रधिकारी पद पर २० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के नेतन क्रम में दिनांक 25-1-79 पूर्वाह्म से श्राग्रम श्रादेण तक नियमित रूप से इसी निदेशाल्य में नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस०/21/1(3)/78-संस्थापन/5786--निदेशक, ऋय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, इस निदेशालय के स्थानापन्न भंडारी श्री कन्बा पांडुरंग दोथफोडे को महायक भंडार ग्रिधकारी पद पर ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतन ऋम में दिनांक 25-1-79 पूर्वाह्म से ग्रिप्रिम ग्रादेश तक नियमित रूप से इसी ही निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ सहायक कार्मिक अधिकारी **क्ते** प्रशासन ग्रधिकारी बम्बई-400001, दिनांक 17 फरवरी 1979

सं० डी० पी० एस०/21/1(3)/78-संस्थापना/5734— इस निदेशालय की अधिसूचना सम संख्यक दिनांक 13-10-78 के उपरांत, निदेशाल, ऋगएवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, इस निदेशालय के निम्नलिखित मंडारियों को सहामक भंडार अधिकारी पव पर ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन ऋग में 24-1-1979 पूर्वाह्म तक नदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

- (1) श्री मिहिरचंद्र राय
- (2) श्री मुलियापुरथ राज्

बी० जी० कुलकर्णी सहायक कार्मिक ग्रधिकारी

नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना नरोरा, दिनांक 8 फरवरी 1979

सं० एन० ए० पी० पी०/प्रणा०-1(104)/79-एस०/ 1522—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में अन्तरण होने पर, स्थानापन्न महायक कार्मिक अधिकारी श्री कें ब्रार० सी० पिल्ले ने 31 जनवरी, 1979 कें पूर्विह्म में अपने पद का कार्य छोड़ दिया ।

> एस**० कृष्णन** प्रणासनिक श्रधिकारी

ग्रन्तरिक्ष विभाग भारतीय ग्रन्तरिक्ष ग्रनुसंधान संगठन ग्रंतरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380053, दिनाक 4 फर्बरी 1979

सं० ग्रार० एस० ए०/ग्रो० य०/10/79—ग्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक ने श्री ग्राशुनोष एस० विवेदी को इंजीनियर एस० बी० के पद पर ग्रस्थायी रूप में श्रन्तरिक्ष विभाग, भारतीय श्रन्तरिक्ष ग्रनुसंधान संगठन के श्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र में 1 मार्च, 1978 पूर्वाह्म से 31 श्रगस्त, 1979 तक की ग्रवधि के लिए नियुक्त किया है।

> एस० जी० नायर प्रधान, कार्मिक भीर सामान्य प्रशासन

विक्रम साराभाई श्रंतरिक्ष केन्द्र तिरुवनंतपूरम, दिनांक 17 फरवरी 1979

सं० बी० एस० एस० सी०/स्थापना/एन० टी० एफ०/79— निदेणक बी० एस० एस० सी०, श्रंतरिक्ष विभाग के विक्रम भाराभाई श्रंतरिक्ष केन्द्र तिरुवनंतपुरम में निम्नलिखित श्रधिकारियों को, वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पद पर रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के ग्रेड में, उनके नामों

	के सामने दिए गए तारीखों से स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश नियुक्त करते हैं:				
कैं० सं०	नाम	पदनाम	प्रभाग/ परियोजना	नियुक्ति की तारीख	
1	2	3	4	5	
1.	श्री ए० एस० शंकरनारायणन	वैशानिक/ इंजीनियर एस० बी०	एस० टी० स्नार०	30-9-78 (श्रपराह्म)	
2.	श्री ग्रार० विष्वनाथन उण्णित्तान .	17	ए फ० ध्रा र० पी०	1-4-78	

राजन बी० जार्ज प्रशासन श्रधिकारी **कृते** निदेशक, बी० एस० एस० सी०

महानिदेणक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 21 फरवरी 1979

सं० ए० 12034/4/79-ई० ए०---निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर श्री ए० सी० रायजादा, सहायक विमान क्षेत्र ग्रिधि-कारी, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली, विनांक 31 जनवरी, 1979 ग्रापराह्म से सरकारी सेवा से निकृत हो गए हैं।

> हरबंस लाल कोहली निदेणक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1979

सं० ए० 32014/2/77-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 31-3-78 की अधिसूचना सं० ए० 32014/2/77-ई० सी० के कम सं० 3 श्रीर 4 का संशोधन करते हुए निस्न प्रकार पढ़ा जाए:—

ऋ० मं०	नाम	मौजूदा तैनाती रटेणन	किस स्टेशन पर हैनात किया	कार्यभार संभालने की तारीख
1	2	3	4	5
3. %	ो संसपाल सिंह	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम	वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली ।	18-2-78 (पूर्वाह्न)

1	1)	3	4	5
4. প্রী	ष्याम लाल	वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नर्ष्ट दिल्ली।	त्रैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग गयरपोर्ट, नई दिल्ली ।	8-2-78 (पूर्वाह्न)

दिनांक 23 फरवरी 1979

सं० ए० 38012/1/79- ई० सी०--निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने पर, सरकारी सेवा से निवृत होने पर श्री जी० एस० करनानी, सहायक संचार श्रिधकारी, नियंत्रक संचार का कार्यालय, वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली ने दिनांक 31-1-79 (श्रपराह्म) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया ।

> सत्य देव णमा उपनिदेशक प्रणामन

नई चिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० ए० 35018/1/79-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री जे०बी० श्रार० पी० राव, सहायक विमानकेल श्रिधकारी, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास, का दिनांक 31 जनवरी, 1979 (ग्रपराह्म) से सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्वीकार कर निया है।

> वि० वि० जौहरी सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संघार सेवा

बम्बई, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 1/357/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा स्विचन सम्ह. बम्बई के तकनीकी महायक, श्री वी० वी० वरदन को निम्नलिखित ग्रविधयों के लिए मुख्य-कार्यालय/स्विचन समूह में बिल्कुल तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से महायक ग्रिभयंता के पद पर नियुक्त करते हैं:—

			से	तक
(1)			2-1-78	18-2-78
(2)	•	•	17-4-78	17-6-78

दिनांक 20 फरवरी 1979

मं 10/1/78-स्था० (8)—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्रारा श्री बी० एस० कुलकर्नी को 23 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्र से आगामी ब्रादेशों तक श्रावीं शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक श्रीभयंता के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री कुलकर्णी को उनके मूल विभाग नामशः बंगलूर टेली-फोन, बंगलूर में उनके स्वयं के श्रनुरोध पर वापस भेजने पर 30 दिसम्बर, 1978 को दोपहर बाद विदेण संचार मेवा में मुक्त किया गया ।

संव 1/473/79-स्था०—-विदेण संचार सेवा के महा-निदेणक एतदबारा श्री श्रानंद कुमार को पहली जनवरी, 1979 के पूर्वीह्न से श्रीर श्रागामी श्रादेणों तक स्विचन समृह, बम्बई. में श्रस्थायी एप से सहायक श्रभियंता के पद पर नियुक्त करसे हैं।

सं 1/474/79-स्था०—विदेण संचार मेवा के महा-निदेणक एतद्वारा श्री बी० एन० मनोहर को 26 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्म मे ग्रौर ग्रागामी ग्रादेणों तक स्विचन समूह, बम्बई में ग्रस्थायी स्प से महायक ग्रिथ्यंता के पद गर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 फरवरी 1979

सं० 1/439/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक, श्री डी० पी० नासकर को श्रल्पकालिक रिक्त स्थान पर 20-7-78 से 1-11-78 (दोनों दिनों समेत) तक की श्रवधि के लिए उसा शाखा में स्थानापन क्ष्प से उप परियात श्रवंधक नियकत करते हैं।

दिननांक 22 फरवरी 1979

सं० 1/409/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेणक एतद्द्वारा श्री बी० रामकृष्ण राध की 29 मितम्बर, 1978 के पूर्वाह्म से श्रीर श्राणामी श्रादेशों पतक स्विचन समूह, बम्बई में श्रस्थायी रूप से सहायक श्रभियंता के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 1/476/79-स्था०—िविदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा श्री पी० विश्वनाथ को पहली जनवरी, 1979 के पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रावेशों पक स्विचन समृह, बम्बई में ग्रस्थायी रूप से सहायक ग्रभियंता के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 1/471/79-स्था०—विदेशं संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा श्री एस० वेलुस्वामी को 28 श्रक्तूबर, 1978 के पूर्वाह्न से श्रीर श्रागामी श्रादेशों तक स्विचन समृह, बम्बई में श्रस्थायी रूप से सहायक श्रभियंता के पद पर नियुक्त करते हैं।

मं० 1/475/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा श्री विनोद कुमार मिश्र को 2 जनवरी, 1979 के पूर्विह्म से और आगामी आदेशों तक स्विचन समूह, बम्बई में अस्थायी म्प से महायक श्रीमयंता के पद पर नियुक्त करने हैं।

> ी० के० गोविंद नायर निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन एवं सीमा-शुस्क समाहतीलय पटना, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० 11(7)2-स्था०/79/2199—भारत सरकार विस्त मंदालय (राजस्य विभाग), नई दिल्ली के श्रादेण मंद्या 141/78 दिनांक 2-9-78, जो एफ नं० ए-22012/20/78 ए० डी०-धि हारा निर्गत की गई है कि श्रनुसरण में श्री के० के० श्रीवास्तय परिवीकाधीन को ग्राई० ए० एस० इत्यादि 1975 के परीक्षा के श्राधार पर भारतीय सीमा-शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवा ग्रुप कि के रूप में नियुक्त किया गया, उक्त श्रादेशानुसार इन्होंने केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा-शुल्क समाहलंखिय, पटना में दिनांक 13-11-78 को पूर्वाह्न में ग्राधीक्षक, ग्रुप किया।

डी० के० सरकार समाहर्सा केन्द्रीय उत्पाद, पटना

मद्रास, दिनांक 21 द्वरवरी 1979 सीमाणुल्क: स्थापना

सं० 1—श्री आर० विश्वनाथन की सेवा निवृत्ति के कारण उस स्थायी रिक्ति पर श्रस्थायी मूह्य निरूपक श्री एस० नागराजन की जो श्रथ स्थानापन्न सहायक समाहर्ता है) मूल्य निरूपक के रूप में दिनांक 10-2-72 से पुष्टि की जाती है।

सं० 2—दिनांक 20-4-69 के मंत्रालय के पन्न सं० एफ० 2/44/68 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री पी० ग्री० तामम की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-10-68 से पुष्टि की जाती है।

सं० 3--प्रधान मूल्यनिरूपक के पद पर श्री एम० सी० कोवंडरामन की पुष्टि के कारण जो स्थायी रिक्ति है, उस पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री मीर इनायत्तुल्ला की पुष्टि मूल्य-निरूपक के रूप में दिनांक 21-2-71 से की जाती है।

सं० 4--श्री ई० एस० नारायणन की सेवा निवृत्ति के कारण उस स्थायी रिक्ति पर अस्थायी मूल्यनिरूपक श्री पी० जी० नायक की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 21-2-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 5—प्रधान मूल्यनिरूपक के पद पर श्री बी० एम० के० नायर की पुष्टि के कारण जो स्थायी रिक्ति है, उस पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री डी० रामचन्द्रन की दुष्टि मूल्य-निरूपक के रूप में दिनांक 21-2-71 से की जानी है।

सं० 6—-श्री टी० रत्ताकर राव की मेवा निवृत्ति के कारण उस स्थायो रिक्ति पर ग्रस्थायी मूल्यनिरूपक श्री डी० एम० परंजपी की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 26-7-71 संपुष्टि की जाती है।

मं० 7—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो ग्रस्थायी पद स्थायी किया गया है, उभ पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री ए० एस० सुन्धरराजन की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 28-11-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 8—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्न सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री जैम्स हाडडे की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 9—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्न सं० एफ ए 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री एस शोपालन की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 3-12-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 10—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्न सं० एफ ए ए 11012/15-71 के म्रनुसार जो ग्रस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री के वी० कुन्हिक् प्रणान की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 11—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय पत्न सं० एफि० ए० 11012/15/71 के ग्रनुसार जो ग्रस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री पी० वी० दामोदरण नायर की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पूष्टि की जाती है।

सं० 12—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्न सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी पद किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री राम मोहन राव की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 13—विनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्न सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री सी० एन० चन्द्रन की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 14—-दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्न सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री ए० वेदकृष्णन की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 15—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्न सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री के० सी० मेनन की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 16—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्न सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थान।पन्न मूल्यनिरूपक श्री के० आर० 7-506GI/78

दास की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 17—दिनांक 26-11-71 के मंद्रालय के पन्न सं० एफ० ए० 11012/15/71 के स्रनुसार जो ग्रस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री ग्रार० शंकरन की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 30-8-74 से पुष्टि की जाती है।

सं० 18—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्न सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री एस० मुख्या राव की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 19—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्न सं० एफ० ए० 11012/15/71 के प्रनुसार जो ग्रस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री मदसूधन प्रसाद की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 7-5-75 से पुष्टि की जाती है।

सं० 20—दिनांक 26-11-71 के मंद्रालय के पन्न सं० एफ०ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री सी० पद्मनाबन की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 21—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्न सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री के० के० कपूर की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 23-8-74 से पुष्टि की जाती है।

सं० 22—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्न सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री डी० कण्णन की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पुष्टि की जाती है।

ए० सी० सल्डाना सीमाशुल्क समाहर्ता

िनिरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निर्देशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शृत्क नई दिल्ली-1, दिनांक फरवरी 1979

सं० 1/79—श्री डी० एल० खोलकुटे ने, जो पहलें केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बम्बर्ड में सहायक समाहर्ती के पद पर कार्य कर रहे थे, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के दिनांक 24-11-78 के ब्रादेश सं० 189 (फा० सं० ए०-22012/19/78-प्रशा०-II) के ब्रनुसार दिनांक 1-1-1979 के (पूर्वाह्न) से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्साद गुल्क के बम्बर्ड स्थित पश्चिमी प्रादेशिक यूनिट में

स्थानान्तरित होने पर निरीक्षण अधिकारी (सीमा तथा केन्द्रीय जत्पाद गलक) यूप 'क' का कार्यभार संभान निया है :

2. श्री दी० सी० टी० नरामा राजू ने. जो पहले केन्द्रीय उत्पादन णुक्क ममाहर्तालय हैदराबाद में केन्द्रीय उन्त्पाद शृक्क ग्रधीक्षक ग्रुप 'ख' के पद पर कार्य कर रहे थे, निदेशालय के दिनांक 6-11-1978 के श्रादेण फा० सं० 1041/17/78 के श्रनुसार निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुक्क स्थित मध्य प्रादेशिक यूनिट हैदराबाद में स्थानान्तरित होने पर दिनांक 20-11-78 के (श्रपराह्न) से निरीक्षण अधिकारी (सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद गुक्क) ग्रुप 'ख' का कार्यभार मंभाल लिया है ।

एम० वी० एन० राव निरीक्षण निदेशक

नौवहन ग्रौर परिवहन मंत्रालय नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400038, दिनांक 26 फरवरी 1979 (वाणिज्य नौबहन)

मं० 6(7)/सी० ग्रार० ए०/78—नौवहन महानिदेशक, बम्बई एतद्दारा श्रीमती जी०सारदा रामकृष्ण को तारीख 24 जनवरी 1979 पूर्वाह्म से ग्रगले श्रादेशों तक नाविक नियोजन कार्यालय, कलकत्ता में स्थानापन्न सहायक निदेशक के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० एम० सिधु नौवहन उप महानिदेशक

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 22 फरवरी 1979

ऋम अधिकारी का नाम सं०	वर्तेमान पदनाम
 1. श्री एस० के० लाहिड़ी	. कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन), युनिट नं० 8, श्रायकर विभाग, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड कलकत्ता ।
2. श्रीबी० के० चावला	. कार्यपालक इंजीनियर, (बियुत) केन्द्रीय विद्युत मंडल, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली ।

सं० 23/2/77-ई०सी०-2—कें० लो० नि० वि० के निम्न लिखित प्रधिकारी वार्धक्य की प्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31 जनवरी, 1979 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त हो गए हैं :---

प्रधिकारी का नाम	वर्तमान पदनास
1. श्रीवी० श्रार० वैण .	निर्माण महानिदेशक, निर्माण महानिदेशालय के० लो० नि० वि०, निर्माण भवन, नई दिल्ली ।
2 श्रीटी०पी० बसु	. मुख्य इंजीनियर (विद्युत) कें० लो० नि० वि०, नई दिल्ली ।
3ः श्री सी० दास गुप्ता	. कार्यपालक इंजीनियर (सिविल), सतकर्ता एकक, के० कार्यालय, कें० लो० नि० वि०, नई दिल्ली ।
4 श्रीएम०एम०रायचौक्षरी	. कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन), यूनिट नं० 6, घायकर विभाग, (सी० बी०डी० टी०), कलकत्ता ।
5. श्री डी० ग्रार० खन्ना	. कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत), केन्द्रीय विद्युत भंडार मंडल कें०लो० नि० वि०, नई दिल्ली ।
6. श्री डी० सी० गोयल	. कार्यपालक इंजीनियर इलाहाबाघ ।
7. श्री बी० श्रार० महाजन	. कार्यपालक इंजीनियर (मृल्यन), नई दिल्ली ।
	सु० सु० प्रकाण राव प्रशासन उपनिदेशक कृते निर्माण महानिदेशक

संपदा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1979

सं० ए० 200/1/2/79-प्रणा० "ख"—श्री बी० पी० ब्रग्नवाल, ग्रधीक्षक (विधिक) विधि, त्याय ग्रीर कंपनी कार्य मंत्रालय (विधि कार्य विभाग) जो साथ-साथ संपवा निदेशालय में संपदा सहायक निदेशाक (मुकदमेबाजी) का पद भी संभाले हुए थे, ने 5 फरवरी, 1979 (पूर्वाह्न) से संपदा निदेशालय में उक्त पद रिक्त कर दिया है।

2. श्री महेश प्रकाश, श्रधीक्षक (विधिक) को 5 फरवरी, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले श्रावेशों तक संपदा निदेशालय, निर्माण और आवास मंत्रालय में संपदा सहायक निदेशक (मुकदमेबाजी) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

> प्रताप श्रग्रवाल संपद्या उप निदेशक (का०)

दक्षिण पूर्व रेलवे

कलकत्ता-43, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० पी०/जी०/14 डी०/2/कान्फ०/पार्ट-II—लेखा विभाग के श्री एन० एल० राय, द्वितीय श्रेणी के श्रधिकारी का पुष्टीकरण इस रेलवे पर उसी विभाग में सहायक लेखा श्रधिकारी (द्वितीय श्रेणी) के रूप में दिनांक 1 माच, 1977 से किया जा रहा है।

जे० एस० डी० डेविड महाप्र*धन*धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्यं मंत्रालय

(कम्पनी कार्यविभाग) कम्पनीलॉबोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर इन्डस्ट्रियल एजेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में '

बंगलीर दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 418/560/78—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर इन्डस्ट्रियल एजेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके अतिकृष कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी :

पी० टी० गजवानी कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मेरिलांड फाइनान्सियर्स एण्ड चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 1852/560/78—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मेरि लांड फाइनान्सियर्स एण्ड चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशासन किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी म्रधिनियम, 1956 म्रौर वेस्ट कोस्ट फारेस्ट ट्रस्ट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 1271/560/78--कम्पनी म्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के भ्रनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से क्षीन मास के भ्रवसान पर वेस्ट कोस्ट फारेस्ट ट्रस्ट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टार से काट दिया जाएगा भीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर प्रिस्टेज श्रीन कार्क प्राइवेट लिमिटेड के विषय में । बंगलीर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 2230/560/77—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्वारा यह सुचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर प्रिस्टेज कौन कार्क प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 क्रीर ई० जी० पॉल इलेक्ट्रा-निक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। बंगलौर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 2231/560/77—कप्पर्न अितियम, 1956 की धार 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतवृद्धारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इ० जी० पॉल इलेक्ट्रानिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दाशत न किया गया जो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 श्रीरहोटल सरीष प्राइवेट लिमिडटे के विषय में । बंगलीर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 2365/560/77——कम्पनी श्रिधिनियम. 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के क्षनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से सीन मास के श्रवसान पर होटल सरीथ प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर सघम एजेन्सीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 2495/560/77—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के धनुसरण में एतद्श्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर संघम एजेंसीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकल कारण दिशान न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी मधिनियम, 1956 मौर युनीक टूल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, विनांक 19 फरवरी 1979

सं० 2775/560/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर युनीक टूल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित निकया गया तो रिजस्टर से काट विया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 और माट कोनस इंजीनियरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में । बंगलीर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 2933/560/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मार्च के अवसान पर माट कोनस इन्जीनियरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 भ्रौर कनरा श्रग्नो इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलीर, दिनांक 24 फरवरी 1979

सं० 3053/560/78—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर कनरा श्रग्नो इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर टिपटूर मित्र वृन्द ट्रेडिंग एण्ड चिट फंडस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 24 फरवरी 1979

सं० 1945/560-78—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर टिपटूर मित्र वृन्द ट्रेडिंग एण्ड चिट फण्डस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर डी० बी० एम० पत्प प्रोडक्सएण्ड इन्डस्ट्रीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 24 फरवरी 1979

सं० 2487/560/78—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर डी० बी० एम० पल्प प्रोडक्ट्स एण्ड इन्स्डट्रीज प्राइक्ट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजम्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 ग्रौर पद्मा केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, दिनांक 24 फरवरी 1979

मं० 2565/560/77—कस्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन भास के श्रवसान पर पद्मा केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कस्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 ग्रीर विनायका श्राटोमोबाइल्स, प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 24 फरवरी 1979

सं० 2672/560/78—कम्पनी श्रिधिन्यम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जानी है कि इस तारीख से तीन सास के अवसान पर विनायका आटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड, का नाम इसके प्रतिकूल काँरण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर वी जाएगी।

कस्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर सत्या श्राइल एकट्राकसन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, दिनांक 24 फरवरी 1979

सं० 2682/560/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्ग्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सत्या आइल एकट्राकसन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशात निकया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 स्रौर भ्ररुणोदया चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

वंगलौर, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं ॰ 1770/560/78--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर श्रक्णोदया चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पानी ग्राधिनियम, 1956 ग्रौर ईन्डाइ प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० 2211/560/78—कम्पनी प्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुमरण में एतव्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के अवसान पर ईन्डाड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रीधनियम, 1956 श्रौर एस० एन० हाट काईल स्प्रिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में । बंगलौर, विनांक 26 फरवरी 1979

सं० 2666/560/78—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एम० एन० हाट काईल स्थिग्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएंगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएंगी।

कस्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर ग्रलटसन मेटल इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० 1763/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारी ख से तीन मास के अवसान पर अलटसन मेटल इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत्ल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर चामराज नगरफुगर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० 1596/560/78—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर च।मराज नगर फुगर प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशित न किया गया तो रिजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पानी अधिनियम, 1956 ग्रीरप्रेमकुमारी चिट फल्डम एंड ट्रेडिंग कम्पानी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० 2328/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतव्हारा यह सूचना दी जानी है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर प्रेमकुमारी चिट फन्डस एंड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर बालार साहित्य मंडल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। बंगलौर, दिनांक 26 फरवरी 1979

मं० 1056/560/78—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतब्द्धारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के श्रवसान पर बालार माहित्य मंडल प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया नो रिजस्टर मे काट दिया जाएगा और उनन कम्पनी विविद्ति कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर श्री गायत्री चिट फन्डस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। वंगलीर, दिनांक 26 फरवरी 1979

मं 1647/560/78—-कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्शारा यह मूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर श्री गायत्री चिट फन्डस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रितिकूल कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पुलिक्कल ट्रेंडिंग एण्ड चिट फंडस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। बंगलौर, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० 1962/560/78—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एनद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवशान पर पुलिककल ट्रेडिंग एण्ड जिट फंडस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकल कारण दिणत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर श्ररुल जिट फंडस प्राईबेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० 1993/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अरुल चिट फंडस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिया न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर प्रैमेक्स मोटर कम्पनी लिमिटेड के विषय में । बंगलौर, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० 1764/560/78—कम्पनी प्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर प्रैमेक्स मोटर कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवानी, कम्पनियों का रजिस्ट्रार (कर्नाटका)

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 ग्रौर एसेन्सियल कोल एण्ड मिनरल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 1634/3209-एल० सी०—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एसद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि एसेन्सियल कोल एण्ड मिनरल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर उत्तराखण्ड टूरिस्ट रोडवेज लिमिटेड के विषय में ।

कानपुर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 1636/2877-एल०सी०---कम्पनी म्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के भ्रनुसरण में एतद्कारा यह सूचना दी जाती है कि उत्तराखण्ड ट्रिस्ट रोडवेज लि-मिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भ्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 श्रौर हिन्द फार्म्स एण्ड डेयरीज लिमिटेड (लिक्ष्वी) के विषय में।

कानपुर, विनांक 21 फरवरी 1979

सं० 1897/1590—एल० सी०—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदबारा सूचना दी जाती है कि हिन्द फार्म्स एण्ड डेयरीज लि० (इन लिक्वी०) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर व्यापार सहायक बैंक लि॰ (इन लिक्वी॰) के विषय में ।

कानपुर, दिनांक 21 फरवरी 1979

सं० 1898/48-एल० सी०—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि व्यापार सहायक बैंक लि० (इन लिक्की०) का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित कर दी गई है।

एस० नारायनन् रजिस्ट्रार श्राफ कम्पनीज यू० पी०, कानपुर

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रपार मणीनरी मैनुफैक्चरिंग कारपोरेणन लिमिटेड (समापन अन्तर्गत) के विषय में ।

कलकसा, दिनांक 21 फरवरी 1979

सं० 25538(लिक्व/एच)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के श्रनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि झादरणीय उच्च न्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 19 सितम्बर, 1977 के श्रादेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का श्रादेश दिया है शौर राजकीय समापक, उच्च न्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

ग्रार० के० भट्टाचार्य, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल, कलकत्ता

कम्पनी अधिनियम, 1956 व मै० यूनाइटिड पैकर्स प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर के विषय में ।

ग्वालियर, दिनांक 22 फरवरी 1979

सं० 1081/रा०/7713—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत, एतद्बारा, सूचना दी जाती है कि म० यूनाइटिड पैकर्स प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर, का नाम, इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन माह की समाप्ति पर, यदि इसके विश्व कोई कारण न वर्शीया गया तो,

रजिस्टर से काट दिया जाएगा, एवं वाणित कम्पनी समाप्त हो जाएगी ।

कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 व मैं० मूंदड़ा मेल्स प्राइवेट लिमिटेड, देवाम के विषय में। श्वालियर, दिनांक 22 फरवरी 1979

सं० 1082/रा०/7716—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रन्तर्गत, एतद्बारा सूचना दी जाती है कि मैं० मूंदड़ा सेल्स प्राइवेट लिमिटेड, देवास का नाम, इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन माह की ममाप्ति पर, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा, एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जाएगी ।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना, कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 श्रीर श्रस्विति होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में । मद्राम, दिनांक 23 फरवरी 1979

सं० 6021/560/77—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रवसान पर अस्वित होटेल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्यत न किया गया नो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

> के० पञ्चापकेशन, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर पाडिचेरी युनाइटेड फाइनांसियल ट्रेडिंग कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

पांडिचेरी, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० 42—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि पांडिचेरी युनाइटेड फाइनांसियल ट्रेडिंग कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से हटा दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी भंग हो गई है।

एस० म्रार० वी० वी० सत्यनारायना कम्पनियों का रजिस्ट्रार पांडि**चे**री प्रइष्य झाई० टी० एन० एस०ल-

आयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर <mark>आयुक्त (</mark>निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-JI, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी. 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/ज्न-43/3895/78-79/6333—श्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० 14/10939-40, 10947-10951 (नया) है तथा जो मन्दिर मार्ग, डोरीबाला, शादीपुरा, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (धन्तरित्रियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय श्री बाबत उक्त प्रिश्चित्यम के भ्रधीय कर देंग के प्रश्वरक के द्यायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय यायकर भ्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रिधिनयम या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विया गया था या किया जाना चाहिए या छिपान में सुविधा के लिए;

द्वतः भव, उक्त अधिनियम की खारा 269-ग के धनुसरणे में, में, उक्त धिधिनियम की धारा 269 की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्यात :---

- (1) श्री सुदर्शन कुमार, सुपुत्र श्री बिहारी लाल सचदेवा, निवासी 233, गली पोस्ट ग्राफिस, सदर बाजार, दिल्ली। (श्रन्सरक)
- (2) श्रीमती रनजीत कौर, पत्दी एस० रघबीर मिह

निवासी 101, माडल बस्ती, नई विल्ली तथा श्रोमनी गुरचरण कौर, पत्नी एस० जोगीन्द्र सिंह, निवासी 10108, रानी झोसी रोड, फिल्मिस्तान के सामने, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली। (प्रन्तरिती)

- (3) (वह ब्यक्ति जिसके ग्रिधमोग में सम्पत्ति है)
 - 1. श्री मलक चन्द्र सुभाष चन्द्र--जायदाद नं० 10951
 - 2. श्री रधबीर सिंह जोगीन्द्रिमिंह गुजरात टैन्ट हाउस---जायदाद नं० 10948
 - श्री रघबीर मिंह गोजीन्द्र सिंह गुजरात टैन्ट हाउस— जायदाद नं ० 10950-10939

श्रनधिकृत किरायेदारों की सूची

- 1. श्री राम लुभाया--जायदाद नं० 10939
- 2. श्री मोहन लाल-जायदाद नं० 10940
- 3. श्रीमती दिव।न देवी--जायदाद नं० 10947
- 4. श्री मलिक देवी--जायदाद नं० 10949
- 5. श्री हरी सिंह—-जायदाद नं० 10940

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना सम्वति के अर्गन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वता के राजगत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास निखित में किये जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुमंजिला बिल्डिंग जोकि 222 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बनी हुई है, जिसका नं॰ 14/10939-10940, 10947-10951 (नया) है, मन्दिर मार्ग, डोरीवाला, शीदीपुरा, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व : जायबाद नं० 15/10952 पश्चिम : जायबाद नं० 14/10941

उत्तर: गली दक्षिण: गली

> श्रार० बी० एल० श्रप्रवाल, मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

सारीख: 28-2-1979

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी, 1979

निर्देण सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यु०/II/जून-28/3887/78-79/6333---श्रतः ुमुझेग्र ग्रार० बी० एन० श्रग्रवाल आपकार ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- ६० से श्रिधक है

ध्रौर जिसकी मंख्या दुकान नं० 526 है तथा जो कटरा ध्रणफीं, चांदनी चौक, दिल्ली में स्थित (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रेजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रेजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है, प्रौर अन्तरक (ध्रम्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वावत अवस अधिनियम के भधीन कर देने के ग्रन्थरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय ब्रायकर ब्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनयम, या धन-कर ब्रिधिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वाराप्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविद्या के लिए;

प्रत: प्रव, उक्त घधिनियम, की घारा 269-ग के घनु-सरण में, में, उक्त श्रिवियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के ब्राघीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:—-3—506GI/78 (1) मैं० नाथूराम नारायण प्राईवेट लि०, रुस्तम विल्डिंग, स्ट्रीट, फोर्ट, वस्बई-1, श्री मदनलाल पोद्दार के द्वारा।

(म्रन्तरक)

(2) श्री सुनील कुमार जैन, सुपुत्र श्री मदनलाल जैन, निवासी 3073, प्रताप स्ट्रीट, गोलचा सिनेमा के पास, दरियागंज, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह मुक्ता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की धवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्व
 किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
 निकात में किए जा सकेंगे।

स्पक्की करण: -- इसमें प्रयुक्त शक्तें भीर पर्वो का, जा उक्त भिक्षितियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं। बड़ी प्रकें होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

जायदाद नं० 526, जिसका क्षेत्रफल 33 वर्ग गज है का (ग्राउण्ड पलोर, इलाका नं० 5, कटरा नागपुर, कटरा ग्रगकी, चांदनी चौक, दिल्ली में निम्न प्राकार से स्थित है:---

पूर्व : दीवार जायदाद नं० 529/12 व 527/23

पश्चिम : दीवार दूकान नं० 526

उत्तर : दुकान नं० 526 का 1/2 हिस्सा।

भ्रार्० बी० एल० म्रप्रवाल

मक्षम प्राधिकारी

महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-प

नारीख: 29-2-1970

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ(1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी, 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/II/जून-31/3890/ 78-79/6333—श्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'नवत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मुल्य 25,000/- रु० से मिश्रक है ग्रौर जिसकी सं० जी-36 है तथा जो ग्रोल्ड मार्किट, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबंद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता <mark>ग्र</mark>घि-कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 13-6-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृक्ष्य मे कम के दुश्यमाम प्रतिफल के सिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मध्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है और मन्तरक (अन्तरितियों) के बीच ऐसे (ग्रन्तरकों) बौर बन्तरिती धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है।---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

चतः सबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त स्विधिनयम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निय्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ;—

- (1) श्रीमती भगवान देवी, विधया पत्नी श्री गोविन्द लाल, निवामी डी-6/114, टिब्बिया कालेज, नर्श् दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री इन्द्रजीत वर्मा, सुपुत्र श्री चन्द्र लाल वर्मा, तथा श्री ए० के० वर्मा, सुपुत्र श्री इन्द्रजीत वर्मा, निवासी 16-बी/22, देव नगर, करौल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारोख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिशासरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रांथें होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुस् ची

सरकारी बनी हूई दुकान जिसका नं० जी-36 है, श्रोल्ड मार्किट वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व : दुकान नं० 36-एफ

पश्चिम : खुला उत्तर : लेन दक्षिण : खुला चौक

> न्नार० बी० एल० ग्रग्नवाल सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 28-2-1979

मोहरः

कार्यालय सहायक **भायकर भायुक्त (निरीक्षण)** श्रजन रेंज II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी, 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एवयु०/II/जून-62/3907/78-79/8333—श्रतः मुझे, श्रार० बी० एत० श्रग्रवाल धायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269—ख के घिनि सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- धपए से घिक है

ग्रीर जिसकी संख्या जे-12/15 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूत्री में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जून, 1978 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृक्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से ग्रिधक है भीर मन्तरक (प्रन्तरकों) भोर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्व पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कभी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रवीव:---

- (1) डा० के० के० नन्दा, निवासी एफ-9, सैक्टर-14, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री घार० एल० चोपड़ा तथा श्रीमती उथा चोपड़ा निवासी डी-17, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविष्ठ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास किखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्कीकरण: --इसम प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्स अभिनियम के भ्रष्टवाय 20-कम यथापरिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया भया है।

धनुसूची

मकान जिमका नं० 15, ब्लाक नं० जे-12 है और क्षेत्रफल 485 वर्ग गज है, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में है।

> ग्रार० वी० एल० ग्रग्नयाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-॥, दिल्ली, नई दिल्ली-1

सारीख: 28-2-1979

मोहरः

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्वेश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यु०/1/एम० श्रार०-111/ 500/जून-1 (24)/78-79/6343--ग्रतः मुझे अंगनी ग्रीझा ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है भीर जिसकी सं० ए०-3997 है तथा जो डिफन्म कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 8-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिमियम के भ्रिभी कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (का) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या ग्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधनियम, या घन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधितियम की भारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त भिधितियम, की धारा 269-घ की उपभारा (1) भिभीत तिम्तलिखित व्यक्तियों भर्षात्:---

- (1) श्री एम० मनीन्द्र सिंह, सुपुत्र एम० एकबाल सिंह निवासी सी-211, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली-1, इनके जनरल ग्रटारनी श्री इन्द्रजीन सिंह खुराना के द्वारा, सुपुत्र श्री एम० मोहद सिंह खुराना, निवासी सी-211, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री गुरबक्म गोबिन्द राम माणीवाला, सुपुत्र श्री गोबिन्द राम माणीवाला, निवासी ए-339, डिफन्स कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्म-बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक लीजहोल्ड प्ताट जिसके उपर ढाई मंजिला बिल्डिंग बनी हुई है और जिसाम क्षेत्रफल 217 वर्ग गज है तथा नंज ए-339 है, डिफन्स कालोनी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व : रोड पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : मकान नं० ए-400 दक्षिण : मकान नं० ए-398

> श्रंजनी श्रोक्षा, श्रक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

नारीखा: 28-2-1979

प्रकृप भाई • टी • एन • एस • ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1979

निदेण सं अर्डि ए० सी०/एक्पु०/1/एम० आर०-111/ 510/जून-11 (3)/78-79/6343—अतः मुझे, ग्रंजनी श्रोझा, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसे इसके पण्यास् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द से प्रधिक है

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो सामलका गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजर्ट्रीकरण श्रिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजर्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1903 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निभ्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी घाय की बाबत 'उक्त घोधनियम' के धधीन कर देने के घन्तरक के दायिका में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया खाना चाहिए था, छिपाने में सूंबिधा के लिए।

सतः भव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की कप-भ्रारा (1) के ग्रधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् ।——

(1) श्रीमती मन्तोय कुमारी जैन, पत्नी श्री (डा०) ज्ञान चन्द्र जैन, निवासी बी-3, ग्रीन पार्क एक्स-टेंगन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मोहनी देवी, पत्नी श्री बाबु लाल ग्रुप्ता, निवासी डब्ल्यु० जैंड०-241-बी०, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली-1। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो अन्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

भनुषुषो

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल किला नं० 9, खसरा नं० 13 (4-16), खमरा नं० 14 (4-16), खमरा नं० 17/1 (3-4), खमरा नं० 18/1 (3-8) है, सामलका गांव-तहसील महरौली, नई दिल्ली में है।

श्रंजनी श्रोझा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

नारीख: 28-2-1979

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

य्रर्जन रेंग-1, दिल्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1979

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० ग्रार०-111/
जून-11 (10)/515/78-79/6343.--ग्रतः मुझे, ग्रंजनी श्रोक्षा
धायकर धिधिनयम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के धिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- क्पए
से धिषक है

भ्रौर जिसकी सं० डो०-70 है तथा जो जिकेंस कालीनी, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रियीन तारीख 19-6-1978 को

का 16) के अधीन तारीख 19-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से घषिक है भीर अन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रश्वरण लिखित में वास्त्रविक कप से कियत नहीं विधा गया है :---

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिधिनियम; के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बवने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाद्विए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः मन, उक्त ग्रह्मिनयम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त ग्रह्मिनयम की धारा 269-म की उपघारा (1) के भ्रष्टीन; निम्निलिखित व्यक्तियों, भ्रष्टीत :---

- (1) श्री ब्रिगेडियर निर्मल कुमार मिल्ला, रिटायर्ड, सुपुल स्वर्गीय श्री उपेन्द्रा कुमार मिल्ला, निवासी 20, श्रपीटमेंट रायल होटल, मेर्स्ट (यू० पी०) (श्रन्तरक)
- (2) श्री राज पाल मल्होत्रा, सुपुत्र श्री ज्ञान चन्द, मल्होत्रा, नियासी डी-70, डिफोंस कालोनी, नई विल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भन्नेन के संबंध में कोई भो भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 48 दिन की शब्धिया सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शब्धि, जो भी शब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शिश्रिनयम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रष्ट होगा जो उस शब्दाय में दिया यया है।

अनुसूची

डेक् मंजिला जोकि 342 वर्ग गण क्षेत्रफल के प्लाट पर बतो हुई है, जिसका नं० डी-70 है, डिफोंस कालीनी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:——

पूर्व : मकान नं० डी-69

पक्ष्चिम : सङ्कजिसके सामने नाला है

उत्तर : सर्विस लेन दक्षिण : रिंगरोड

> ग्रंजनी श्रोझा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली.

तारीख: 28-2-1979

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/ एक्यु०1/**एस० आर-III**/ 508/जून-46/78-79/6343.--- श्रतः मुझे, श्रंजनी स्रोझा भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-

४० से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० एल-36 है तथा जो कालकाजी नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-6-1978 को

के उचित बाजारमृत्य से कम के पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए ग्रन्तरित प्रतिफल की गई है यह विश्वास करने काकारण थयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भाधक भन्तरक (भन्तरकों) मीर (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण लिखत में वास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भाध-नियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स्रा) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय, ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, याधनकर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भग, उक्त भविनियम की घारा 269-ग के भमुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथीत् :--

(1) श्री राज पाल, सुपुत्र श्री ज्ञान चन्द्र, निवासी डी-70, डिफेंग कालौनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जसबीर सिंह धान, सुगृत स्वर्गीय श्री जीवन सिंह धाम, निवासी: 16/2, कालकाजी, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के मम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 धिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दियागया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका नं० एल-36 है और क्षेत्रफल 380 वर्ग गज है, कालकाजी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :--

: लेन पूर्व पश्चिम : रोइ

उत्तर प्साट नं ० एल- 37

लेन दक्षिण :

> श्रंजनी श्रोझा, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण), ध्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-2-1979

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • -----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०-III/ 517/जून-11 (16)/78-79/6343—प्रतः मुझे, श्रंजनी श्रोक्षा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मियिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र • से मधिक है

मौर जिसकी सं० दुकान नं० 41 है तथा जो मस्जिद रोड, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (म्रोर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विल्ली में रिज़स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिज़स्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 21-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर यह कि धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण जिख्या में वास्तविक कर से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किशी पाप की वाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, ध्रीर/गा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या मन्य प्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनयम, या घनकर ग्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त प्रधिनियम' की घारा 269-व की उपधारा (1)के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों :--

- (1) श्री रतन लाल सुपुत श्री कान्गी राम, निवासी वी-340, जे० जे० कालोनी, हमतल, दिल्ली-1 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पियारा लाल तथा श्री हरीण चन्द्र बेदी मुगुत्र श्री महाराज किणन बेदी, निवासी 2/15, डबल स्टोरी, जंगपुरा एक्सटेंगन, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के भ्राजेंत के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रांत क सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की सम्बद्धिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृजना की तामील से 30 दिन की सब्धि, जी भी सब्धि बाद में समान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ब) इस सूचता के राजपा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य श्विका द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सर्कों।

हरक्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उक्त अधितियम के घ्रध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वहीं भर्य होगा जो उस भध्याय में दिवा गया है।

ग्रनुसूची

ंदुकान नं० 41 जिसका क्षेत्रफल 351 वर्ग फुट है, मस्जिद रोड, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली में है।

> श्रंजनी श्रोझा, मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखा : 28-2-1979

मोहरः

प्रकप माई• टी• एन• एस•---

भायकर मिमिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक भायकर श्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० श्रार०-III जून-11 (6)/513/78-79/6343—श्रतः मुझे श्रंजनी श्रोझा आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जोनापुर गांव, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्व रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17-6-1978 को

का 16) के अधीन तारीख 17-6-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पत्थह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिबात उद्देश्य से उन्त अन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप मे किया तहीं किया गया है:→-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के प्रायित्व में क्मी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐकी किसी भाय या किसी धन या भ्रव्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निए;

अतः घन, उन्त घधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त घधिनियम की धारा 269व की उपधारा के अधीन निनिज्ञित व्यक्तियों, अर्थातः— 4—50 6GI/78

- (1) श्री हरी गोपी चन्द, सुपुत्न श्री नन्दू तथा श्री यादू, सुपुत्र श्री जवाहर, निवासी जोनापुर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सरदारनी निलेप कौर, पत्नी श्री राजदेव सिंह, निवासी गोबिन्द सदन, गदाएपुर गांव, नई दिल्ली। (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अवन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से
 45 दिन की सबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की सबिध जो भी अविध बाद
 में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बढ़ किसी मन्य भ्यक्ति द्वारा, मधंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के शह्याय 20-क में परि-माषित हैं वही धर्म होगा, जो उस प्रस्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 18 बीगा तथा 13 ।बसवा है, मिन नं० 11, किला नं० 20-3 (1-4), 21/1 (1-4), मिन नं० 12, किला नं० 16/2 (2-16), 17 (4-10) 24 (4-3), 25 (4-16), जोनापुर गांव नई दिल्ली में है।

> श्रंजनी श्रोझा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 28-2-1979

भारत सरकार

कार्यालय, सद्घायक घायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-[, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० ग्रार०-Ш| जून-1 (11)/493/78-79/6343--ग्रतः मुझे श्रंजनी श्रोझा, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सजन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से ग्रधिक है

स्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो सुलतानपुर गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपा-बढ़ स्ननुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 5-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए प्रत्तिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्तह प्रतिशत स्थिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तम पामा गया मित्र तिकृत निम्तिविधात उद्देश्य से उच्त मन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरव से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिनियम के भिन्नी कर देने के धन्तरक के बागित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य घासिसयों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनियम या घन-कर घिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अब, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-भ की उपग्रन्स (1) प्रधीन निम्नलिखित क्ष्रितयों, प्रधीत :---

- (1) श्री णिय लाल, सुपुत्र श्री चानन राम, निवासी एम-7, मालविया नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री विजय कुमार, श्री सुरीन्द्र कुमार तथा नरीन्द्र कुमार, सुपुत्र श्री श्रोम प्रकाश. निवासी 1552, कोटलामुबारकपुर, नई दिल्ली तथा श्री जगदीश राय, सुपुत्र श्री लभा राम, श्रीमती सत्या देवी, पत्नी श्री जगदीश राय तथा श्री श्रोम प्रकाश, सुपुत्र श्री वाली राम, निवासी 1553, कोटला-मुबारकपुर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाद्वियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी था है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवड़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्यब्दोक्करण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
 घिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
 ६, वही भ्रषं होगा जो उस घष्ट्याय में दिया
 गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 बीवा तथा 1 बिसवा है, खसरा नं० 752 (4-16), 753 (3-6), 754 (6-19) है, सुलतानपुर गांव, तहसील महरीली, नई दिल्ली में है।

> अंजनी घ्रोझा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारी**व** : 28-2-1979

प्रकप भाई। टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर मिं विनयम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1, दिल्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० भार०-III-जून/512/78-79/6343--म्रातः मुझे भ्रजनी श्रोझा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से अधिक है श्रीर जिसकी संख्या ऋषि भूमि है तथा जो गदाएपुर गांव, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 19-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य. उसके दृश्यनान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है गोर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं क्तिया गया है:---

- (क) प्रश्तरण सं हुई किसी आय को बाबत, उक्त ग्रिष्ठिक नियम के ग्रधीन कर देने के अश्तरक के दायिख में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, भिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर भिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती ग्रहिल्या बाई बोहरा, पत्नी श्री बी० जे० बोहरा, निवासी 4. बीरमङ्कले स्ट्रीट केट-श्रीनेस ग्रानटेरीग्री, कनाजा। इनके जनरल ग्रटा-रनी श्री राय साहिब देवी दयाल वर्मा, सुपुन श्री हर भगवान दास वर्मा, निवासी 8, बेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-1।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नरीन्द्र सिंह तथा वरीन्द्र सिंह, सुपुत्र श्री जसवन्त सिंह, निवासी मकान नं 1096, गली नं 10, गोबिन्दपुरी, कालकाजी, नई दिल्ली। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष
 किसी धन्य अविक्त द्वारा घष्टोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 बीगा तथा 19 बिसवा है, और खसरा नं० 430 (0-4), 431 (0-4), 432 (4-16), 433 (4-16), 434 (4-16), 437 (0-3) है, गदाएपुर गांव, नई दिल्ली में है।

> श्रंजनी श्रोक्षा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 28-2-1979

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

भागकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1979

निदेश सं० ए० एस० म्रार० 78-79/117—यतः मुझे, जी० एल० गारू भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विभवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से मधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ख० नं० 502 सुल्तान है, जो पिण्ड रोड, अमृतसर में स्थित हैं) श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सितम्बर, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से श्रिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरम से हुई। केसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गतः भन्, उक्त भिवित्यम, की धारा 269-म ने धनुसरण में, मैं, उक्त भिवित्यम की धारा 269-न की उपघारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भर्यात्:— (1) श्री कल्याण सिंह सुत्र दयाल सिंह, मकान नं० 1482/13, चौक लक्ष्मनसर, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नरेन्दर सिंह पुन्न नथा सिंह, मकान नं० 3806 बजार नं० 2 कोट बाबा दीप सिंह, भ्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अक्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जमीन का टुकड़ा 12/23 स्कोयर गज, ख० नं० 502, मेन सुल्तान पिन्ड रोड, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2275, तारीख 19-9-78 जैमा कि रजिस्ट्री अधिकारी श्रमृतसर शहर में है।

> जी० एल० गारू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, श्रमृतसर

तारीख : 13-2-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

4170 07407

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रम्तभर, विनांक 16 फरवरी 1979

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/78-79/119---यतः, मुझे, जी० एन० गारू

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ में और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति हैं, जो सरकुलर रोड, ग्रार० श्रार० वाला कालेज, बटाला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बटाला में रजिस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जन, 1978 को

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त सकि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रम्य आस्ति शों को, जिन्हें कारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रय, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखन अपन्तियों, प्रयत्ः—— (1) श्री परदीप मिह पुत्र कुलदीप सिंह, वासी बटाला जिला गुरदासपुर।

(अन्तरकः)

(2) श्री मेहर चन्द पुत्र श्री बिशन दास, गांव बहादुर पुर राजिया, जिला हरघीवाल, तहसील बटाला, जिला भुरदासपुर।

(म्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तः सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करवा हूं।

उक्त सम्पत्ति के झजँन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय गया है।

भनुसूची

दो मंजिला मकान सरकुलर रोड, निकट ग्रार० श्रार० बाबा गरत्ज कालेज, बटाला, जैसा कि रिजस्ट्री विलेख नं० 2291 तारीख 15-6-78 ग्राफ रिजस्ट्री ग्रिधकारी बटाला में दर्ज है।

> जी० एल० गारू, सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्**त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 16-2-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०— भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 16 फरवरी 1979

निदेश सं० ए० एम० भ्रार०/78-79/120——यतः, मुझे, जी० एल'० गारू,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है।

श्रौर जिसकी सं० तीन दुकानें नं० 267, 268 श्रौर 269 हैं, जो कूपर रोड श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रतुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की विश्वास करने का कारण यस यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रश्वह प्रतिशत श्रधिक धन्तरक (धन्सरकों) भौर मन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने से ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसा किसी माय या किसी भन या अन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर भिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर भिष्ठिनयम, या धनकर भिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाम भन्तिरती क्षारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अग्रीम निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:— (1) श्री श्रशोक कुमार पुत्र श्री जानकी दास मेहरा निवासी बम्बई द्वारा श्रीमती राज कुमारी निवासी कूपर रोड, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती व्यास देवी पुत्नी श्री त्रलोचन राम पत्नी श्री राम वित्ता मार्फत राम दित्ता बम्बई-वट, कूपर रोड, श्रमृतसर। श्री कमलजीत सिंह पुत्नान श्री हरभजन सिंह, रीजेंट फोटोग्राफर, कूपर रोड, श्रमृतसर।

श्रीमती वीना कुमारी पुत्री कैंप्टेन हरी सिंह, पत्नी श्री सुखदेव मार्फेत ब्राइटवे ड्राई क्लीनर, कूपर रोड, ग्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में धौर कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिपोग में सम्पत्ति है)
- (4) यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करताहं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोह्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद तीन दुकानें जिनका नं० 267, 268 श्रौर 269 जो कि कूपर रोड श्रमृतसर जैसा कि रजिस्टर डीड नं० 831 नारीख 2-6-78 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर शहर में स्थित है।

जी० एल० गारू, आई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, श्रमृतसर

तारीखाः: 16-2-1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ग्रमृतसर, दिनांक 16 फरवरी 1979

निदेण सं० ए० एस० ग्रार०/78-79/118—-यतः, मुझे, जी० एल० गारू,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है,

भीर जिसकी सं० घ्लाट नं० 89 हैं, जो धवादी मन्त नगर, अनृत्यर में स्थित है (भीर इसमे उपावद्ध धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भनृत्यर णहर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बानार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत जक्त श्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने भें सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम, या धनकर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ मन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए।

धतः अस, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अमु-सरण में, मैं, उन्त प्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निविद्य न्यक्तियों प्रचित् :——!

- (1) श्री हरपाल मिह पुत्र मन्ता मिह, श्रबादी मन्त नगर, श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री निर्मेल सिंह पुत्र सन्ता सिंह, प्लाट नं० 89, अबादी सन्त नगर, श्रमृतसर।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नम्बर 2 में है, यदि कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) यदि कोई अन्य व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिमके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुची

एक मन्जिली बिल्झिंग जो सन्तनगर ध्रमृतसर में है जो रिजस्ट्री नं० 1120 दिनोक 27-6-78 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, ग्रमृससर शहर में है।

> जी० एल० गारू, श्राई० धार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, श्रमृतसर।

तारीख: 16-2-79

प्रह्म श्राई० टी० एन० एम०----

न्नायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रम्ससर

श्रमतसर, दिनांक 21 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० एस० भ्रार०/78-79/124---यतः मुझे, जी० एल० गारू,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भ्रधिक है

भीर जिसकी सं० जमीन 49 कनाल, 12 मरले है भीर जो पिंड जोजा शिशतरा तहसील गुरदासपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबब श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुरदासपुर में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुन, 1978

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पत्मह प्रतिशत से म्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के भ्रधीन कर वेने के शन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिर्धिनियम, या भन-कर श्रिधिनियम, या भन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्निविश्वित व्यक्तियों प्रवीत्:—

- (1) श्रीमती मुदिया कौर पुत्री कृद्र सिंह, जोजा शितरा तहसील गुरदासपुर (श्रन्तरक)
 - (2) श्री बकशीश सिंह पुत्न चतर सिंह जोजा शितरा, तहसील गुरदासपुर। (अन्तरिती)
 - (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 ग्रीर कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) यदि कोई ग्रादमी इस जमीन में रुचि रखता हो तो (यह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरच :--इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त श्रविक नियम, के श्रव्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्च होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 49 कनास, 12 मरले पिंड जोजा शितरा तहसील गुरदासपुर जैसा कि डीड नं० 2005 दिनांक 14-6-1978 को रजिस्ट्रीकर्ता तहसीलदार गुरदासपुर में है।

> जी० एस० गारू सक्षम भ्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख : 21-2-1979

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, लुधियाना ल्धियाना, दिनांक 9 फरवरी, 1979 निर्देश सं० एल**० डी० एच०/आर०/68/78-**79---मुझे, नत्थू राम,

म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से घधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल है तथा जो गांव नन्दपुर तहसील लुधियााना में स्थित है (प्रीर इसमे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय. लुधियाना में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1978 को

पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यनान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तण पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तर**क** लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिधिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में भुविधा के लिए ; भौर/या
- (क्र) ऐसी किसी प्राय या किसी प्रत या प्रत्य प्रास्तियो; को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1922 11) या उन्त प्रधिनियम या (1922 का धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए ;

भतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अगीन निम्नलिखित स्यक्तियों, ग्रर्यात्:--5---506GI/78

- (¹) श्री हरजीत सिंह व श्री प्रजमेर सिंह पुत्र श्री चनन वासी गांव नन्दपुर, तहसील लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- (2) मैंसर्ज सागर इंजीनियरिंग वर्कस, युनिट नं० 2, प्लाट नं० 419, इंडस्ट्रियल एरिया 'ए' लुधियाना द्वारा श्री किरपाल सिंह पुत्र श्री ग्रात्मा सिह। (भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण .---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत ग्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनस्**ची**

भूमि जिसका क्षत्रफल 4 कनाल है भ्रौर जो गांव नन्दपुर तहसील लुधियाना में स्थित है। (जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3017, जुलाई, 1978 में बर्ज है) ।

नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना

ृतारीख : 9 फरवरी, 1979

प्ररूप पाई० टी • एन • एस • ----

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निर्देश सं० एल डी एच/आर/75/78-79—यत:, मुझे, नत्थू राम,

आयकर् भिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कनाल 16 मरले है तथा जो गांव हीरां, तहमील व जिला लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जुलाई, 1978 की

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (भन्तरकों) और मन्तरित (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) झन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घा या भाग आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या घन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विश्वा जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्किम के लिए;

भतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवितः—

- (1) श्री प्रेम नाथ पुत्र श्री बुद्धी राम पुत्र श्री गजू मल, बासी गांव हीरां, तहसील लुधियाना। (श्रन्तरक)
- (2) श्री जन्गी लाल ग्रोमवाल पुत्र श्री विद्या सागर ग्रोसवाल, वासी 396/1 वी-19, घुमार मण्डी, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को या सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के घर्नन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

जनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राञ्जेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की मविध या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना क तामील से 30 दिन की मविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से िसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीब सें 45 विन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में दितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के बह्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उम श्रह्याव में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कनाल 19 मरले है और जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 3266, जुलाई, 1978 में दर्ज है।)

> नत्यू राम सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9 फरवरी, 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्नायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष(1) के ऋधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1979

निर्देण सं० एल० डी० एच०/ग्रार०/91/78-79—ग्रतः मुझे नत्यू राम ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से ग्राधिक है श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल है तथा जो गांव नन्दपुर, तह्सील लुधियाना में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुस्वी में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख नवम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्राव्यरित की गई है ग्रीर मझे यह विश्वास करने

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; भ्रौर/या
 - (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:—

- (1) श्री हरजीत सिंह व श्री ग्रजमेर सिंह पुत्रश्री चनन वासी गांव नन्दपुर. तहसील लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स सागर इंजीनियरिंग वर्तम, यूनिट नं० 2 प्लाट नं० 419, इंडस्ट्रियल एरिया 'ए' लुधियाना द्वारा श्री किर्याल सिंह पुत्न श्री श्रात्मा सिंह। (श्रन्तरिती)

को यर मूत्रना जारो करके पूर्वोस्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूवना के राजात्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क म परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल है और गांव नन्दपुर, सहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 5120-ए, नवम्बर, 1978 में दर्ज है।)

> नत्थू राम, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख : 9 फरवरी, 1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश सं० एव० डी० एच०/38/78-79---ग्रतः मुझे, नत्थु राम

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से भिक्षक है

न्नौर जिसकी संज जायदाद नंज वीज-19-909 है तथा जो देगोर नगर, राजपुरा रोज, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकर्मण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृयश्मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ध्रधि-नियम के ध्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रीवेनियम, या धन-कर ग्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उन्त धिवियम भी धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त धिधिनयम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्राप्ता निवाजित्वा व्यक्तियों, श्रवीत्:--

- (1) डा॰ प्रवचल सिह् पुत्र डा॰ रघबीर सिह् वासी वी-19-909, टैगोर नगर, राजपुरा रोड, लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुरेश झाबर पुत्र श्री राम निवास, मारफत झावर एक्परे क्लीनिक, टैग़ोर नगर, राजपुरा रोड, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ध्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मेंसे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साधीतरगः --इतमें प्रयुक्त सभ्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्र**न्**षूची

जायदाद नं० बो-19-909, टैग्नार नगर, राजपुरा रोड, लिधियाना।

(जायदाद जैमािक रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियान। के कार्यालय के विलेख संख्या 846, जून, 1978 में दर्ज है।)

> नत्थू राम सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

नारीख: 9 फरवरी, 1979

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

श्चर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश मं० एत० डी० एच०/44/78-79--ग्रत: मुझे, नत्थु राम,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जायेदाद नं० वी-19-909 है तथा जो दैगोर नगर, राजपुरा, रोड, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कल से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1978 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—

- (1) डा० भ्रवचल मिह पुत्र डा० रघबीर मिह नासी वी-19-909, टैगार नगर, राजपुरा रोड लिध-याना। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती जपा झावर पत्नी मुरंश झावर वासी मार्फत झावर एक्सरे क्लीनिक, टैग़ोर नगर, राजपुरा रोड़, लुधियाना ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न म प्रकाशन की से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्रनुसूची

जायेदाद नं० वी-19-909, टैगोर नगर, राजपुरा रोड, लुधियाना।

(जायेदाद जैमािक रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1114, जून, 1978 में दर्ज है)।

> नत्यू राम मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

नारीच : 9 फरवरी, 1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

249म (1) के अधीत सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश सं० एल० डी० एच०/46/78-79—-प्रतः मुझे, नत्थु राम

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम शिधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

श्रीर जिनकी संख्या भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 7 मरले है तथा जो गांव मांगट, तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरग ये हुई किता ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिविनियम के ग्रंधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (भ) ऐसी किया प्राय मा किसी बन या अन्य आहितया को जिन्हें भारतीय आयकर मिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खियाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त ग्रधिनियम को धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीन :-- (1) श्रीमती हरनाम कौर विश्ववा श्री करतार सिंह, गांव मांगट, तहमील लुधियाना।

(श्रन्तरक)

(2) श्री ज्ञान सिंह पुत्र श्री बन्ता सिंह, वासी गांव मोरांवाली तहसील गढ़शंकर, जिला होणियारपुर श्रव मार्फत श्री श्रमर सिंह पालीवाल (होणियार-पुर वाला) गांव मांगट, जिला लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त संगत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपदा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्मब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 7 मरले है और जो गाब मागड, तहपीत लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैमाकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1150, जून, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुभियाना

तारीखा: 9 फरवरी, 1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

अ। यकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के ग्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निर्देश सं० पी टी $\mathfrak{r}_0/51/78-79$ —यतः मुझे नत्थू राम

म्रायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बंधोन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से अधिक है

थौर जिनकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफत 32 कनाल है तथा जो गांव धलोड़ी तह्सील व जिला पंटियाला में स्थित है (श्रीर इयसे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1978

को पूर्वो ता संपत्ति के उजित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित ब जार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भिष्ठिक है और मन्तरक (मन्तरकों) मोर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्वत उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखन में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी घाय की बायत, उक्त घिष-नियम, के भ्रधीन कर बेने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/णा
- (ख) ऐसी किनी प्राय पा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विषा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधितियम की धारा 269-ग के श्रतुसरण में, में, उक्त भिधितियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित अमित्यों, प्रमीत्

- (1) श्रीमती दलीप कौर विधवा महाराना भूपिन्दर मिह वासी लाल बाग कोठी, पटियाला। (ग्रन्तरक)
- (2) सर्वश्री जगजीत सिंह व इन्स्रजीत सिंह पृत्न कैप्टन भजन सिंह बासी 23-बो, माडल टाउन, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्क किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्वों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 32 कनाल है ग्रौर जो गांव धलोड़ी तहसील व जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैपा कि रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के जिलेब सं० 1575, जून, 1978 में दर्ज है।)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

नारीख : 9 फरवरी, 1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1979

निर्देश सं० के० एन एन०/35/78-79—पतः, मुझे, नत्थू राम श्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं । सिनेमा, बिल्डिंग व भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 3 मरले है तथा जो गांव भटियां नजदीक खन्ना जिला लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यातय, खन्ना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जून 1978

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रीवित्यम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विष्ठा के जिए;

अतः भन, उक्त भिधिनिथम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हे अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधौत:--

- (1) श्री लच्छमन दास उर्फ लल्छू राम पुत्र चौधरी रामा मल वासी खन्ना, जिला लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- (2) मैंसर्ज नटराज इंटरप्राइज, जी० टी० रोड, खन्ना, जिला लुधियाना। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीफरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिनेमा बिल्डिंग व भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 3 मरले है ग्रीर जो गांव भाटियां, नजदीक खन्ना, जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, खन्ना के कार्यालय के विलेख संख्या 860, जून, 1978 में दर्ज है।)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9 फरवरी, 1979

प्रका आई० मी० प्रक गप्रक ----

म्रायकर म्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अमीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रावकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश सं० के एन एन०/36/78-79—यतः मुझे नत्थू राम प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख

के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-

रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सिनेमा बिल्डिंग व भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 17 मरले हैं तथा जो गांत्र भाटियां, नजदीक खन्ना, जिला लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, खन्ना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियय, 1908 (1908 का 16) के ग्रजीन, जून, 1978

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से पश्चिक है और मन्तरक (धन्तरकों) और पन्तिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिसिखत उहेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कांकत नहीं किया गए। है:——

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अक्षीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे जबने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या दिनी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किया में सुविधा के लिए;

म्रतः मद, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निक्षित व्यक्तियों अर्थात् :——
6—506GI/78

- ाप अ (1) शीमशी देवता सभी परी तस्माग दाम, वासी भारत विश्वास । (भ्रम्तरक)
 - (2) मैं अर्ज नटराज इंटरप्राईसेज, जी० टी० रोड, खन्ना, जित्ता लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उनत संपत्ति के धर्तन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविषि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस प्रजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमों अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकार में विष्य जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का जो उक्त श्रीधनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही शर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गमा है !

अनुसूची

सिनेगा बिल्डिंग व भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 17 मरले है ग्रीर जो गांव भाटियां, नजदीक खन्ना, जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी खन्ना के कार्यालय के विलेख संख्या 761, जून, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 9 फरवरी, 1979

प्ररूप भाई• टी•एन• एस•--

श्रामकर श्रविनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निवेश सं० के एन एन०/37/78-79---यतः मुझे, नस्यूराम

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-उ के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से मधिक है

ष्रौर जिसकी संख्या सिनेमा बिल्डिंग व भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 18 मरले है तथा जो गांव भाटियां नजदीक खन्ना, जिला लुधियाना में स्थित है (श्रौर इंगमे उपाबद्ध श्रनुभूषी में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, खन्ना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जोर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उित दाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिश्विस उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बाक्तविक उप से कथित मही किया गया है।——

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त मधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (च) ऐसी किसी प्राय या किसी प्रन या परन आत्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकड नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उक्ति में सुंसुविश्वा के लिए;

अतः मब, उक्त मिधनियम की धारा 269-ग के ममुसरक में, में, उक्त भिधनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) श्री नरायण ताम पृद्ध श्री तछमन दास उर्फ लच्छ्, वासी खन्ना, जिला लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- (2) मैं मर्स नटराज इंटरप्राहसेज, जी० टी० रोड, खन्ना, जिला लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह म्बन। जारो करकेपूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्णन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) धम मुचना के राजपस में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इस सुचाा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी प्रना व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दी हरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्ते का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बनी अर्थ होगा, जो उस झड्याय में दिया प्रवाहित

प्रनुतुची

सिनेमा बिल्डिंग व भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 18 मरले है श्रीर जो गांव भाटियां नजदीक खन्ना, जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैमा कि रजिङ्द्रीकर्ता अधिकारी, खन्ना के कार्यालय के विलेख मंख्या 862 जून, 1978 में दर्ज है।)

> नत्थ् राम सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंग, लुधियाना

तारीख : 9 फरवरी, 1979

प्रकप धाई॰ ही॰ एन॰ एस॰----

भायकर प्रधित्यम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के समीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजेन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 9 फरवरी 1978

निर्देश सं० एएमएल०/78/78-79---यतः, मुझं, नत्थू राम, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), को घारा 269-ख के धर्मान सक्तम प्रधिकारी को, यह विव्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० भूमि जिपका क्षेत्रफल 1 विघा 10 विश्वा है तथा जो गाँव नसरासी नजदीक मण्डी गोबिन्दगढ़, तहसील श्रमलाह में स्थित है (श्रीर इतते उपावड प्रतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप रे विणित है), रिजिस्ट्री एवी श्रिकारी के कार्णाग्य, श्रमलोह में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 23-1-1978 की

प्रधान, ताराख 23-1-1978 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बामार मूल्य से कम के पृथ्वमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है घीर मुक्ते यह विष्णान करते का
कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे यूप्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
धिक है धीर धन्तरक (अन्तरका) धीर अन्तरिती (अन्तरितयों)
के बीच ऐसे अन्तरक के निव्ताय पागा गया प्रतिकल, निम्तलिखिल
उद्देश्य से छक्त बन्तरण सिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं
किया गया है :--

- (क) सन्तरच से हुइ। क्षत्री माथ की वावत जनत सकि। निस्म, के सर्धान कर वेने के सन्तरक के दायित्व में कभी करने या उनमें बचने में सुविधा के लिए, भीर/यः
- (ख) ऐसी किसी शाय या किसा अन या अन्य धास्तर्यों नी, जिन्हें भारतीय अन्तिक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रश्लिमम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना नाहिनेथा, छिपाने में मूर्विधा के लिए;

भक्षः प्रव, उन्त प्रश्चितियम को भारा 269-ग के अनुसरण में में, उन्त प्रधितियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भजीन निक्तिशिक्त व्यक्तियों, अवित् :---

- श्री मुन्शी राम पुत्त श्री भजन लाल, मर्वश्री माधूराम व विधी चन्द पुत्त श्री पन्ना लाल, वासी मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला । (श्रन्तरक)
- मैं मर्ज इंडियन मक्कैनिकल वर्कस, मंडी गोबिन्सगढ़ द्वारा श्री नरिन्दर कुमार, पार्टनर। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त मन्यति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धनिध, जो भी धनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किनी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब कियी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास विश्वित में किये जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--डमर्से प्रमुक्त शक्दों भीर पदों का, जो सबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं सर्थं होगा, जो उस शब्याय में विया गया है।

धनुसूची

भूमि जिसका क्षत्रफल 1 बीघा 10 बिस्वा है भौर जो गांव नसराली, नजवीक मण्डी, गोबिन्वगढ़, र्जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जसािक रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्रमलोह के कार्यालय विलेख संख्या 869, जुलाई, 1978 में दर्ज है।)

> ्नस्यू राम स्स्थम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, लुधियाना

ता**रीख**ः 9 फरवरी, 1979

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस० ---

ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर प्रापुक्त (निरोक्षण) म्रर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी, 1979 ण्णुमण् र०/86/78-79—-च*ी*ः निदेश नन्थू राम भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इनमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गथा है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिल्ला उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्राधित है, श्रीर जिसकी सं० दुकान, लोहा बाजार, है तथा जो राज्यी गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रांर इससे उपायद्व श्रनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से यणित हो, रजिस्द्रीयको । श्रीध-कारी के कार्यालय, श्रमलोह में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1973 में पूर्वोक्त सम्पति के उचित वाजार मूल्य में कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमात प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स श्रधिक है और अन्तरक (म्रन्तरकों) भ्रीर अन्तरिती (अन्तरितिओं) के बीच ऐत **प्रान्तरण के लिये तय** पाया कार प्रतिकला निकास जा उद्देश्य स उक्त ग्रन्तरण लिखित म वास्तविक का स हिंबत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी खाय को बावत उपत **प्रधितियम, के प्रधीन** कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचन में सुबिधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रत्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयक्तर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपता श्रविनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 वर 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपान में सुविधा के लिये ;

श्रत: श्रम, करी श्रीकी : . : पीर कार्य देव : च क्तुलंखा स्, में उम्त अधिनियम का बीरा 469-य का उपधारा, (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथौत् :--

(1) सर्वश्री विनोद कुमार, नरिन्दर कुमार, रा<mark>जिन्दर</mark> कुमार, दिवित्दर कुषार, अशोक कुमार व सतीश कुपार पुत्र श्री सोहत लाल वासी मण्डी गोबिंद गढ़, जिला पटियाला।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्ज कैल स्टील कारपीरेशन, लोहा बाजार, मण्डी गाँविन्दगढ़, जिला पटियाला द्वारा श्री केहर सिंह पुत्र श्री श्रच्छर सिंह, पार्टनर।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाणन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारो के पास लिखित म किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकृत्ण:-- इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदीं का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

दुकान जो लोहा बाजार, मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला पटि-वाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीयर्ता श्रधिकारी, अमलोह के कार्यालय के जिलेख संख्या 967, ग्रगस्त, 1978 में दर्ज है ।)

> नत्थू राम सक्षम प्राधाकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 9 फरवरी, 1979

प्रकृष श्राई० टी० एन० एस०----

आयम प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेण मं० सीएचडी०/159/78-79—-यत. मुझे नत्यू राम

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 44, सेक्टर 21-ए, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण व्य से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के

(1908 का 16) के श्रधीन, जून, 1978 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐस वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तिरती (भन्तिरतियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निश्वित में बाक्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उनत ग्रिष-नियम, के भंधीन कर देने के भन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुक्रिया के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी प्राय या किसी बन प्रायस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर भिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियान में मुविधा क लिए;

भतः, मनः, उनतः श्रविनियमं की धारा 269-गं के प्रतु-सरण में, में, उनतं श्रविनियमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिश्चित व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) कैप्टन माधू सिंह पुत्र श्री निहाल सिंह, मकान न० 1144, मैक्टर-21-बी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राज कुमार कोछर पुत्र श्री एस० एल० कोछर, भाखा मैनेजर, नेशनल इन्क्योरेंस कम्पनी, एस० सी० ग्रो०-5, सेक्टर 17-इ, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ मुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की भविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी स्वक्ति हारा;
- (ख) इस मूत्रता के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य अ्थक्ति द्वारा, श्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त श्रवि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उस श्रव्यात में दिया गया है।

थन्सूची

मकान नं० 44, सेक्टर 21-ए, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 232, जून, 1978 में ट्रर्ज है।)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9 फरवरी; 1979

प्ररूप आई∙ टी॰ एन॰ एस॰----

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भ्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी: 1979

निदेश ं सं० सीएचडी०/160/78-79—यतः मुझे नत्यु राम

धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 406, सेक्टर 37-ए, जिसका क्षेत्रफल 528.13 वर्ग गज है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन जून, 1978

में प्वांक्त गम्यत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृग्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए सम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निख्या पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निख्या पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निख्यत में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रश्नीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय गा किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिखिट व्यक्तियों, प्रचीदा-+

- (1) श्रीमती नीलम भासीन पृत्री श्री राजिन्दर कुमार भासीन, वासी 126, सेक्टर 16-ए, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- (2) श्री कर्म सिंह पुत्र श्री बरजिन्दर सिंह वासी मकान नं० 606, सेक्टर 10-डी चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में भोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त उपित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन पूजना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रत्ति में हितबढ़ किशों अन्य अक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों ग्रौर पदों का जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उम ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 406 सैक्टर 37-ए जिसका क्षेत्रफल 528-13 वर्ग गज है श्रौर जो चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 234/1 जून, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9 फरवरी, 1979

प्रस्प भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰
आयकर श्रीधनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

्रलुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1979

निवेश सं० पीटी0.0/49/78-70—यतः मुझे नत्थू राम

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बोजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल 18 मरले हैं तथा जो गांव धलोड़ी, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जून, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भी अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: सब, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रमीत् :--

(1) श्रीमनी दलीप कौर विधवा महाराजा भृषिन्दर सिंह, लाल वाग कोठी, पटियाला।

श्रन्तर्क)

(2) मैसर्ज गुरदेव सिंह गरेवाल एण्ड कम्पनी, पटियाला द्वारा गुरदेव सिंह गरेवाल, 23-बी, माडल टाउन, पटियाला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके बेपूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरग:--द्रसमें प्रयुक्त शन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के श्रष्टमाय 20-क में परिभावित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उम श्रष्टयाय में दिया गया हैं।

अमुसुची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल 18 मरले है श्रीर जो गांव धलोडी, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के बिलेख संख्या 1521 जून, 1978 में दर्ज है।)

> नत्थू राम मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नुधियाना

तारीख: 9 फरवरी, 1979

प्रकृप प्राई० टी० एन० एम०---

आयकर ग्रिविनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योलय, सहापक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश सं० पीटीए०/61/78-79—यतः मुझे नत्थू

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिनीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्यों से मिनिक है

भौर जिसकी मंख्या भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल है (329 कनाल 18 मरले गलत बताया गया है) तथा जो गांव धलोड़ी तहसील पटियाला में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकत के लिए घन्तरित को गई है भीर मुझे वह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धिक है भीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण कि खिखत में वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है:—

- (६) अन्तरण से हुई िक्सी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (आ) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्स श्रधिनियम या श्रन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्त भ्रषितियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, एक्त प्रषितियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात्:-- (1) श्री तरपास सिंह पुत्र श्री सुचेत सिंह व श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री सुचेत सिंह गांव धलोड़ी तहसील व जिला पटियाला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती हरिकरण कौर पुत्री श्री मेहर सिंह वासी लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त समाति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों सीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुमूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कंनाल है (329 कनाल 18 मरले गलत बनाया गया है) और जो गांव धकोड़ी, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1747, जून, 1978 में दर्ज है।)

नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9 फरवरी, 1979

भोहर:

प्रसप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰———— भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी 1979 निदेश सं० बीडक्ल्यू एन०/42/78-79—यतः मुझे नत्यू

राम धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-इपए से भ्रधिक है

ग्नौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 107 कनाल 10 मरले है तथा जो भवानीगढ़ ठुला पलाव, जिला संगरूर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भवानीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है घौर यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से चक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से सचित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रीविनियम के भ्राप्तीन कर देने के भ्रश्वरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रम, उक्त मित्रिनियम की धारा 269-गे के मनुसरक में में, उक्त मित्रिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के मित्रीन निम्निलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:---

- (1) सर्वश्री गुरिदयाल सिंह पुत्र श्री मस्तान सिंह, गुरिदयाल सिंह पुत्र विश्न सिंह बन्त सिंह पुत्र भगवान सिंह, जागर सिंह पुत्र हरदम सिंह, प्रीतम सिंह पुत्र धुला सिंह, छोटा सिंह पुत्र गोबिन्द सिंह वासी भवानीगढ़, तहसील व जिला संगरूर। (भन्तरक)
- (2) सर्वश्री भरपूर सिंह, बलवन्त सिंह पुत्र काका सिंह गांव कंधारगढ़ छन्ना, तहसील मलेरकोटला, जिला संगद्धर। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दितवड़ किसी भ्रम्य स्थित द्वारा, श्रष्ठोहस्ताकरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रमुक्त शक्यों भीर पर्यों का, जी उपत श्रीधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अयं होगा जो उस अध्याम में दिवा गमा है।

प्रमुख्यो

भूमि जिसका क्षेत्रफल 107 कनाल 10 मरले है श्रीर जो भवानीगढ़ ठुला पलाब, जिला संगरूर में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, भवानीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 725, जून, 1978 में दर्ज है।)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 21 फरवरी, 1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस•-

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी, 1979 निदेश सं० बीडब्ल्यूएन०/43/78-79—यतः मुझे नस्थ राम

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 108 कनाल 16 मरले हैं तथा जो भवानी गढ़, तहसील व जिला संगरूर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भवानीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुन, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

श्रदः श्रव, इक्त प्रधितियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधितियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीत तिम्तिखित व्यक्तियां, अर्थात्ः -

- (1) सर्वश्री निहाल सिंह पुत्र वरियाम सिंह, गुरमुख सिंह पुत्र वरियाम सिंह, जंगीर सिंह पुत्र विश्न सिंह, ग्रजमेर सिंह पुत्र किशन सिंह, भान सिंह पुत्र धौकल सिंह, मिशरा सिंह तुड़ वकील पुत्र बुद्ध सिंह वासी भवानीगढ़, डा० भवानीगढ़, जिला संगरूर। (ग्रन्तरक)
- (2) सर्वश्री सुरजीत सिंह. मोहिन्दर सिंह पुत्र काका सिंह, कन्धारगढ़, छन्ना, तहसील मलेरकोटला, जिला संगरूर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना है जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्क करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिवियम के धध्याय 20-क में परिभाषित है, बही धथ होगा जो उस धध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 108 कनाल 16 मरले है ग्रौर जो भवानीगढ़, तहसील व जिला संगरूर में स्थित है। (जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, भवानीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 726, जून, 1978 में दर्ज है।)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 21 फरवरी, 1979

(भ्रन्सरिती)

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी 1979

निदेश सं० बीडब्ल्यूएन०/44/78-79—यतः मुझे नत्थू राम

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्व में ग्रिकिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 109 कनाल 18 मरले है तथा जो भवानीगढ़, तहसील व जिला संगरूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, भवानीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, जून, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरित (धन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिष्ठिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्त में कभी करने या उससे बजने मसुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी धन या अन्य व्यक्ति यों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, गा धन कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरक में, मैं उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात:—

- (1) सर्वश्री परीतम सिंह पुत्र काहला सिंह, हरिकणन सिंह पुत्र नन्द सिंह, काकू सिंह पुत्र हमीर सिंह, उत्तम सिंह पुत्र बसंत सिंह, नौरंग सिंह पुत्र राय सिंह, जोगिन्दर सिंह पुत्र जंगीर सिंह वासी भवानी गढ़, तहसील व जिला संगरूर।
- (2) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी बलवन्त सिंह, गुर-दियाल कौर पत्नी मोहिन्दर सिंह, रणजीत कौर पत्नी भरपूर सिंह, जसमेर कौर पत्नी सुरजीत सिंह, वासी कन्धारगढ़, छन्ना, डा० छिन्टांबाला, तहसील

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

मलेरकोटला, जिला संगरूर।

उक्त सम्पति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सं कंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त भिधिनयम, के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं भयं होगा, जो उस भव्याय में विया गमा है।

अनसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 109 कनाल 18 मरले है घौर जो भवानीगढ़, तहसील व जिला संगरूर में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, भवानीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 727, जून, 1978 में दर्ज है।)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखा: 21 फरवरी, 1979

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०--

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की । धारा 269-च (1) के ध्रदीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 21 फरवरी, 1979

निदेश सं० एलडीएच०/43/78-79—यतः मुझे, नस्थू राम

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिश्रिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिश्रीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से मिश्रिक है

ग्नौर जिसकी सं० मकान नं० 78 (बी 13-406-ए) है तथा जो रख बाग, लुधियाना में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुन, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम, के श्रधीन कर देने के धन्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर भ्रिमित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिमित्यम, या धन-कर भ्रिमित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त भविनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के भवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्षात्:—

- (1) श्रीमती गुरदीप कौर पत्नी श्री जगतार सिंह वासी 78, रख बाग, लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- (2) डा॰ पुशिप्तदर कौर पत्नी डा॰ एकबाल सिंह वासी 78-कल्ब रोड, लुधियाना। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नया है।

प्रनुसूची

मकान नं० 78 (बी-13-406-ए) रख बाग, लुधियाना। (जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 946, जून, 1978 में दर्ज है।)

तत्थ् राम सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 21 फरवरी, 1979

प्रकप भाई० टी० एत । एस -----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, सुधियाना

लुधियाना, विनांक 21 फरवरी, 1979

निर्देश सं० एल डी एच०/109/78-79—यतः मुझे नत्थू राम

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3-ए, जिसका क्षेत्रफल 558.66 वर्ग गज है तथा जो इंडस्ट्रियल एरिया, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (भ्रम्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आये श्री बाबत अक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (च) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अय, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुखरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री चरनजी लाल पुत्र श्री रला राम पुत्र श्री साथन मल वासी 1134-धूरी लाईन, ग्राजाद नगर, लुधियाना। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मेल कौर विधवा श्री गुरबचन सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह वासी 223, इंडस्ट्रियल एरिया, ए, लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के मज़न के संबंध में कोई भी भाक्षेप: -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा मर्केंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्टवाय में दिया गया है।

ध्रमुसुची

प्लाट नं० 3-ए, जिसका क्षेत्रफल 558.66 वर्ग गज है ग्रीर जो इण्डस्ट्रियल एरिया ए, लुधियाना में स्थित है।
ं (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2548, सितम्बर, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 21 फरवरी, 1979

प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी 1979 निदेश सं० एल डी एच०/71/78-79---यतः मुझे, नत्थु राम म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 रु० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० मकान नं \circ 2-डी, जिसका क्षेत्रफल 367 वर्ग गज (1/2)भाग 734 वर्ग गज का) है, तथा जो सराभा नगर, लुधि-याना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में रिजस्ट्रीकरण, श्रिधिनियम, 1908 (1908 जुलाई, 1978 में का 16) के म्रधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भिक्ष-नियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या

वास्तिविक अप से कथित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सुच्चा सिंह पुत्र दशौंधा सिंह, श्री धन्ना सिंह पुत्र श्री भाग सिंह, 436-एल, माडल टाउन, लुधियाना, श्री बावा सिंह पुत्र कृपाल सिंह, भारत नगर चौक, लुधियाना। (श्रन्तरक)
- (2) सर्वश्री रमेश चन्द, सुभाष चन्द पुत्र प्रकाश चन्द 79 इंण्डस्ट्रियल एरिया ए, लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्यक्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त प्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मकान नं० 2 डी, जिसका क्षेत्रफल 367 वर्ग गज (1/2 भाग 734 वर्ग गज का) है स्रौर जो सराभा नगर लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3091, जुलाई, 1978 में दर्ज है।)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 21 फरवरी, 1979

प्रकप भाई० टी० एन• एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी, 1979

निदेश सं० एल डी एच०/ग्रार०/65-ए/78-79---यतः मुझे, नत्थ् राम आयक्र धिर्मियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ख

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 25,000/- र॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं मकान नं 2-श्री, जिसका क्षेत्रफल 367 वर्ग गज है (1/2 भाग 734 वर्ग गज का) तथा जो सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्चत से प्रधिक है, घोर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रस्तरितों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तिक कम से कचित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की वावत उक्त मिश्रिनियम के भन्नीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अखिनियम, 1922 (1922 का 11) या जंकत ग्रिखनियम, या धन-कर ग्रिखनियम, या धन-कर ग्रिखनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना जाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

अतः शव, उक्त ग्रविनियम की सारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रविनियम की सारा 269-म की डपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षीत्।-- (1) श्री सुच्चा सिंह पुत्न दशौंधा सिंह, श्री धन्ना सिंह पुत्न श्री भाग सिंह, 436-एल, माउल टाऊन, लुधियाना, द्वाराश्री बावा सिंह पुत्र भूपाल सिंह, भारत नगर चौक, लुधियाना।

(श्रन्तरक)

(2) सर्वश्री रमेण चन्द, सुभाष चन्द्र, पुत्र प्रकाण चन्द्र 79-इंडस्ट्रियल एरिया ए, लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिल की घविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिस की घविध, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहरूलाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—-इसमें प्रमुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम, के श्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही धर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में विशा गया है ।

अमुसूची

मकान नं० 2 डी, जिसका क्षेत्रफल 367 वर्ग गज $(1/2 \ भाग \ 734 \ वर्ग गज का) है श्रीर जो सराभा नगर लुधियाना में स्थित है।$

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख रंख्या 2848, जून, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लुधियाना

तारी**ख**: 21 फरवरी, 1979

मोहरः

प्रकप भाई० टी० एन० एस•----

भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी 1979

निदेण सं० पीटीए० | 74 | 78 बर 9 --- यतः मुझे, नत्यू राम धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 | - रुपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 बीधा 8 बिस्वा है तथा जो गांव ग्रलीपुर ग्ररीग्रां, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वांगत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जन, 1978 में

के प्रधीन, जून, 1978 में पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्व्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ध्रस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के घंधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी ग्राय था किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, राक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रवीन निम्नजिबित व्यक्तियों, ग्रवीत :--- (1) श्री श्रजीत सिंह पुत्र भगत सिंह वासी श्रलीपुर श्ररीश्रां, तहसील व जिला पटियाला।

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमती मनजीत कौर पत्नी ग्रजीत सिंह, [गांथ ग्रलीपुर श्ररीश्रां, तहसील पिटयाला, प्रभजोत सिंह, गुरजोत सिंह, पुत्र इन्वर सिंह 7-दणमेण नगर, पिटयाला, गुरतेज सिंह पुत्र श्रजीत सिंह, गांव श्रलीपुर श्ररीश्रां, तहसील व जिला पिटयाला, श्रीमती बलजिन्दर कौर पत्नी पुणपिन्दर सिंह, 7-दणमेश नगर, पिटयाला, श्री प्रीतर्हन्दर सिंह पुत्र मेजर तेजा सिंह, 7-दणमेश नगर, पिटयाला, श्री श्रमरजीत सिंह पुत्र बख्शीण सिंह वासी कोली, श्रीमती प्रभजोत कौर पत्नी श्री गुरवचन सिंह, 10/9ए, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त-सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीचा से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावद्र सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के सम्याय 20-क में परिमाणित है, वही भर्य होगा जो उस ग्रम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भिम जिसका क्षेत्रफल 8 बीघा 8 बिसवा है धौर जो गांव भ्रलीपुर ग्ररीग्रां, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के जिलेख संख्या 1790, जून, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सह्यायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 21 फरवरी, 1979

प्ररूप भाई • टी • एन • एत • ----

सायकर समितियम, 1961 (1961 ला 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 21 फरवरी 1979

निदेण सं० पीटीए०/65/78-79—-प्रातः मुझे, नत्यू राम

आवकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्क पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269-ख के सम्रीत सक्तम बाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 25000/- दगए से समिक है

भीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 बीचा 7 बिष्वा है तथा जो गांव मलीपुर ग्ररीम्रां तहसील व जिला पटियासा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रति-कल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बाह्तविक स्पासे क्यित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की गम्बत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के वाधिस्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (वा) ऐसी किसी आय मा किसी घन या घन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवितयम, या धन-कर घिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

भ्रतः प्रज उन्न मधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) से अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात् :---8--506GI/78 (1) श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री भगत सिंह पुत्र भोला सिंह वासी गांव श्रलीपुर श्ररीश्रां, तहसील व जिलापटियाला।

(ग्रन्तरक)

(2) सर्वश्री गुलजार सिंह, दिलदार सिंह पुत्र श्री श्रीतम मिंह, श्रीतम सिंह पुत्र ईश्वर सिंह, सुरिन्दर कौर गरेवाल पत्नी प्रजीतपाल सिंह, रणविजय सिंह पुत्र ग्रजीतपाल सिंह, तेजपाल कौर परनी बरिन्दरपाल सिंह वासी पटियाला, गुरदीप सिंह ढिल्लों पुत्र हजूरा सिंह ढिल्लों, मनदीप सिंह पुत्र गुरदीप सिंह ढिल्लों, हरदीप कौर पुत्री गुरदीप सिंह ढिल्लों वासी पटियाला, मुरिन्दर प्रताप सिंह पुत्र दर्शन सिंह, रजिन्दरप्रताप सिंह पुत्र दर्शन सिंह, रजिन्दरप्रताप सिंह पुत्र दर्शन सिंह वासी गांव श्रलीपुर ग्ररोग्रा तहसील व जिला पटियाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर तक्पति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति हारा, सबोहस्ताकारी के पास विकात में किए जा सकेंगे।

क्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पर्वो का, जो उक्त प्रविक् नियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिचाचित है, कही प्रवे होगा; को उस प्रकाय में दिया गया है।

प्रमुखी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 बीषा 7 बिष्ना है श्रीर जो गांव ग्रलीपुर ग्ररीग्रां, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1792, जून 1978 में दर्ज है।)

> नस्यूराम सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजनरेंज, लुधियाना

तारीख: 21 फरवरी 1979

प्ररूप भाई • ही • एन • एस • ---

भायकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-वा (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक धायकर धावुक्त (निरीक्षक)

प्रजीन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी, 1979

निदेश सं० पीटीए०/38/78-79--ग्रतः मुझे, नत्थू

राम धायकर धिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त धिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-क के धिवात सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मूस्य 25,000/-चपष्ट से धिवक है

मीर जिसकी संख्या भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 बीघा 5 बिश्वा है तथा जो गांव अलीपुर अरीआं तहसील व जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिश्वस के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वसास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके वृष्यमाम प्रतिश्वल से, ऐसे वृष्यमाम प्रतिश्वस का पन्ताह प्रतिशत प्रधिक है भीर घन्तरक (क्षन्तरकों) घोर घन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिश्वल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण सिखित में वास्तविक का से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय को बाबत, उक्त प्रधिनियम के ध्रधीन, कर देने के ध्रन्तरक के दामिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के शिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर धिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया च्या था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के सुविधा के लिए;

सतः सब, उन्त सिधिनियम की घारा 269-ग के सनुसरण में, में, उन्त सिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के सिधीन निम्नलिकित व्यक्तियों सर्वात्ः--

- (1) श्री शंकर सिंह पुत्र शेर सिंह वासी गांव झलीपुर श्ररीश्रों, तहसील व जिला पटियाला । (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्ज बरखा राम जगन नाथ, श्राहती श्रनाज मण्डी, नाभा गेट, पटियाला।

(ग्रन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के बिए कार्यवाद्यियो करता हुं।

जनत सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितक के किसी सम्य व्यक्ति द्वारा सधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, यो उक्त मिक नियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वहीं भ्रषें होगा ओ उस भ्रष्ट्याय में दिया गमा है।

ग्रमुसुची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 वीषा 5 बिश्वा है धौर जो गांव प्रलीपुर प्ररीधां, तहसील व जिला पटियाला म स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1074, जून, 1978 में दर्ज है।)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 21 फरवरी, 1979

- प्रक्रम मार्च० टी० एन० एस०—

आयकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269म (1) के प्रधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी 1979

निर्देश सं० पी० टी० ए०/62/78-79- -ग्रतः मुझे, नत्थू राम

धायकर घिषानियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त घिषानियम' कहा गया है), की चारा 269-ख के घिषान सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- व॰ से घिषक है

ग्रोर जिसकी संख्या भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 बीघा है तथा जो गांव अलीपुर ग्रारीग्रां, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितिवों) के बीच ऐसे अन्तरण के विषे तब पाया गवा प्रतिकल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कबित नहीं किया गवा है:——

- (क) सस्तरण से हुई किसी साथ की बायत उक्त बाधि-नयम के सधीन कर देने के सम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिये; सौर/या
- (ख) ऐशी किती खाय या किती धन या घण्य घारिसयों को, जिन्हें भारतीय घायकर घाषिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घाषिनियम या घन-कर घाषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के खिये;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रभुतरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की श्रारा 269-भ की उपचारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों श्रवीत् :--- (1) श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री भगत सिंह वासी प्रलीपुर श्ररीक्रां, तहसील व जिला पटियाला।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्ज मलविन्दर सिंह फैमिली ट्रस्ट, पटियाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पाकतीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो जनत ग्रिधिनियम के मध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही प्रयंहोगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 बीवा है और जो ग्रलीपुर ग्रारीग्रां, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी, पिटयाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1762, जून, 1978 में दर्ज हैं)।

नस्यू राम, सक्षम प्राधिकारी, सक्षायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज, लिधियाना,

तारीख: 21 फरवरी, 1979।

प्रकृप भाई। टी। एन। एस।
नायकर ग्रसिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ष (1) के ग्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यास्य, सङ्घायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण)

भ्राजेंन रेंज, लुधियाना लुधियाना, विननांक 21 फरवरी 1979 निदेश सं० एस० भार० डी०/145/78-79—यतः मुझे, नत्यू राम

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की चारा 262-ज के प्रजीत सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति वाजार मूल्य 25,000/- व के प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 62 कनाल 11 मरले हैं तथा जो गांव हस नपुर तहसील सरहिन्द (छलेड़ी खुर्द) में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधाकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख ज्न, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की नई है घौर मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से घांचक है और घन्तरक (घन्तरकों) घौर घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया नमा प्रतिफल; निम्नलिकित चहुँश्य से उन्त धन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त प्रश्नित्यम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वामिश्व में कमी करके या उससे बचने में मुख्ता के लिए; और/या
- (बा) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भग्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भग था का या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

्वातः, धन उन्ह स्विनियम की धारा 269-ग के सनुबर्ग में, में, उन्ध अधिनियम की धारा 269-व की उपबारा (1) के मधीन निम्मक्षिकत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री निरवैर सिंह पुत्र बूटा सिंह, वासी हसनपुर (छलेड़ी खुर्द) तहसील सरिहन्द, जिला पटियाला।

(अन्तरकः)

(2) श्री समपूर्ण सिंह पुत्र प्यारा सिंह पुत्र दिवान सिंह, श्री मनजीत सिंह, कुलदीप सिंह, हरदीप सिंह पुत्र श्री स्वर्ण सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह वासी हसनपुर छलेड़ी खुदं) तहसील सरहिन्द। (अन्तरिती)

को यह संबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाह्यमां करता हूं।

उन्त सन्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से

 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में

 हितबक्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी
 के पाम लिखित में किये जा सकोंगै।

हपच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही भयं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अभुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 62 कनाल 11 मरले है घौर जो गांव हसनपुर, तहसील सरिहन्द, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी, सरहिन्ध के कार्यालय के विलेख संख्या 1331, जून, 1978 में दर्ज है)

> नत्थू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 21 फ्रवरी, 1979

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269 म (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी 1979

निदेश सं० सी० एच० डी०/170/78-79-यतः मुझे, नत्थू राम

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका खिनत बाजार मूल्य 25,000/-च० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० णाप कम पसँट नं० 30, सैक्टर 22 - डी०, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधि-कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिश्वात से प्रधिक है श्रोर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रोर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिकिट में वास्तविक उप से कायत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग को बाबत उक्त भवि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए। भीर/या
- (थ) ऐभी किसी भाग या किसी धन या प्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम, या धन-कर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः सब, उक्त ग्रविनियम की भ्रारा 289न के सन्-सरण में, में, उक्त ग्रविनियम की बारा 269 न की उनकारा (1) के अभ्रीत निम्नसिवित व्यक्तियों, ग्रवीत्।---

- (1) श्री जन्मी लाल पुत्र श्री कान्मी राम वासी मकान नं० 1181, संकटर 21-बी, चण्डीगढ़
 - (ग्रन्तरक)
- (2) 1, श्री जय कुमार जैन पुत्र श्री एस० के० जन, वकील, 2. श्रीमती नीलम जैन पत्नी राकेश जन, 3. श्री मुणील कुमार जैन पुत्र स्व० श्री झान चन्द व 4. श्री सादी लाल जैन पुत्र स्व० दिना नाथ जैन, मारफत जैन ज्यूलरज शाप कम फ्लैंट नं० 7, सैक्टर-22 डी०, चण्डीगढ़।

(म्र तरिती)

(3) मैसर्ज प्रेम टेलर्ज, शाप कम पलैट नं० 30, सैक्टर-22 -डी०, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियो करता हूं।

उन्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

बनुसुची

ग्राप कम फ्लैंट नं० 30, सैक्टर 22-डी, चण्डीगढ़ जिसके प्लाट का क्षेत्रफल 94 वर्ग गज है।

(जायवाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्याक्षय के विलेख संख्या 315, जून, 1978 में दर्ज है)।

नस्यूराम,

सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 21 फरवरी, 1979

मोहरः

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 21 फरवरी 1979

निदेश सं० सी० एव० डी०/63/78-79—प्रतः मुझे, नत्थू राम
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उनित बाजार मृत्य 25,000/- वपये से प्रधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 39 कनाल, 8 मरले है तथा जो गांव दराया, यू० ट० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रतुमूची में और पूर्ण रूप से वॉणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सा ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर पन्तरक (प्रन्तरकों) भीर भन्तरितों (प्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गरा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से किंवत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण सं हुई किसा भाग को बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के वायिक्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसा किसो आय या किसी धन या घन्य प्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर प्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, खिदाने में मुविधा के निए;

कतः अन्न, उन्तर मधिनियम की घारा 269-न के धनुसरण में, म, उन्तर मधिनियम की घारा 269-च की उपचारा (1) के मधीन, निम्मसिबात व्यक्तियों अवीत्।---

- (1) श्रीमती लाभ कौर पत्नी श्री पाखर सिंह वासी गांव कुराली तहसील राजपुरा जिला पटियाला द्वारा श्री पाखर सिंह पुत्र श्री किशन सिंह, जनरल अटारनी, वासी गांव कुराली, तहसील राजपुरा जिला पटियाला। (प्रन्तरक)
- (2) श्री मोहिन्दर सिंह पुत्न श्री बृज मोहन पाल वासी मकान नं० 252, सैंक्टर 16-ए, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी पासींप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 विन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा ग्रह्शोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोक्षरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रक्ति-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिनाषित हैं, वहीं अर्ब होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 39 कनाल 8 मरले हैं भीर जो गांव दराया, यू०ट० चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के निलेख संख्या 260, जून, 1978 में दर्ज है।)

> नत्यू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), क्रजीन टेंज, लुधियाना,

तारीखा: 21 फरवरी, 197

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भ्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी 1979

निर्दे सं० एस० एम० म्रार०/49-78/79—अतः मुझे नत्थ् राम,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से प्रधिक है

ग्नौर जिसकी संख्या भूमि जिसका क्षेत्रफल 145 कनाल 13 मरले है तथा जो गांव कीड़ी ग्रफगाना तहसील समराला में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, समराला में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित ब जार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: मम, उक्त मधिनियम की धारा, 269 ग के अनुसरण में मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:— (1) सर्वश्री मोहिन्दर मिह, जोगिन्दर मिह, नरन्जन मिह पुत श्री मिलखा मिह वासी गांव कीड़ी, अफगाना, तहसील समराला।

(ग्रन्तरक)

 श्री देस राज पुत्र मोहन लाल पुत्र जगन नाथ, गांव ग्राजनाली, डाकघर गोबिन्दगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेत:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की गारीख से 45 दिन क प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्त्रब्टी हरण: →-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथें होगा, जो उस श्रध्याय में धिया गया है।

मनुसूभी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 145 कनाल 13 मरले है भौर जो गांव कीड़ी अफगाना, तहसील समराला में स्थित है। (जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी, समराला के कार्यालय में विलेख सं० 1278, जून, 1978 में दर्ज है।)

> नत्थू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारी**ख**: 21 फरवरी, 1979

प्ररूप भाई• टी• एन• एस•---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सद्दायक द्वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी 1979

निदेश मं० एस० एम० श्रार०/73/78-79-श्रतः मृक्षे नत्थू राम,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-क के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 25,000/— क्यमें से प्रधिक है,

न्नौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 90 कनाल 18 मरले है तथा जो गांव कीड़ी श्रफगाना तहसील समराला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, समराला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल कि का मिक्नसिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल कि का बित वा वा सिवत के बास्तविक अप से का बित नहीं कि बा गया है ---

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधि-नियम के घड़ीन कर देने के घन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (वा) ऐसी किसी घाय वा किसी घन या प्रम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठित्यम, या बन-कर घिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

श्रव: श्रव उन्त श्रविनियम की धारा 269-न के श्रनुसरण थें; थें, उक्त श्रविनियम की धारा 269-न की उपचारा (1) के अश्रीन निज्निक्षणित व्यक्तियों, अनीत्:—

- (1) सर्वश्री गुरदियाल सिंह, गुरणाल सिंह, सतनाम भिंह पुत्र श्री बहादर मिंह, वासी कीड़ी, श्रफगाना, नहसील समराला। (श्रन्तरक)
- (2) श्री सोहन लाल पुत्र रामजी दास मारफन मैगर्ज राकेण कुमार राजेश कुमार, क्लाथ मर्चेट्स, सुभाष बाजार, खन्ना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जानोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 विश्व की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवड किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

क्पच्छीकरन:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रक्षिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्क होता को उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 90 कनाल 18 मरले है ग्रीर जो गांव किड़ी श्रफगाना, तहसील समराला में स्थित है। (आयदाद जैसाकि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, समराला के कार्यालय के विलेख स० 2342, जून, 1978 में दर्ज है।)

> नत्थ् राम, सक्षम प्राधिकारी, स**ह**ायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 21 फरवरी 1979

प्रकप धाई० टी० एन० एस०--

भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भीधीन सूचना

भारत सरकार

मार्यातय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, विनांक 18 नवम्बर 1978

सं० 835-यतः मुझे एन० के० नागराजन, षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 244 है, जो थागटिपाडु में स्थित है (ग्रौर इससे ज्याबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, वृथ्युरू में भारतीय रजिस्द्री-करण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन 29-6-78 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्मानय प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रतिफल से मधिक है मोर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) से बीच ऐसे मन्तरक के लिए तय पाया गया प्रनिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त झन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रिष्ठीत कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; धौर/या
- (क) ऐसी किसी धाय या कि े न या घरण घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिष्ठिनियम, या धन-कर घिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिवित्यम की भारा 26 ई-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त भिवित्यम की धारा 26 ई-श की उपधारा (1) भीत निस्तिखित व्यक्तियों, भर्षात्:—— 9—506GI/78 (1) श्री जी० वेमा रेड्डी कोल्लीपरा

(मन्तरक)

(2) श्रीमती बी० राजेस्वरी कोल्लीपरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के आध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा जो उस ध्रष्टमाय में दिया गया है।

अनुतुची

वृथ्युरू रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 30-6-78 में पंजी-कृत दस्तावेज नं ० 1019/78 में निगमित ग्रनुसूची संपत्ती ।

> एन० के० नागराजन सक्षम श्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्तण), एम वी श्रजैन रेंज, काकीनाडा

विनोक: 18 नवस्वर 1978-

मोहर ।

त्ररूप भाई∙ टी॰ एन॰ एस॰-----

प्रायकर प्रश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 च (1) के ध्रष्टीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० 836—यतः मुझे एन० कं० नागराजन

पायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे

इसमें इसके पण्यात् 'उस्त प्रिवित्यम' कहा गया है),

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करमे का कारण है कि स्थाय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मृश्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिस की सं० 244 है, जो थागनिट्याड में स्थित है
(श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत
है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कायिषय, वृथ्युक में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन
दिनांक 16-6-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से इस के दृश्यमान
श्रतिकास के निए प्रस्तरिस की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य

उसके दृश्यमान प्रतिकाम से ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का वन्द्रह

प्रतिशत प्रधिक है, भीर यह कि मन्तरक (सन्तरकों) और

मन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय

पावा क्या प्रतिकास, निम्नसिक्षित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप रोक भित नहीं किया गया है !---

- (क) सन्तरण से हुई किसी धाम की बाबत, उच्त स्विध-नियम, के स्थ्रील कर देने के सन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; स्रोर/या/
- (ख) ऐसी किसी धाव या किसी बन या घन्य भारितथीं को निम्हें भारतीय भाय-कर बिजियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर धिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधः के लिए;

श्रवः भव उन्त प्रश्निनियम की भारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अभिनियम की भारा 269 घड़ी उन्हारा (1) के अधीन निस्तिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जी० वेमारेड्डी कोल्लीपरा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वी० संजीवरेड्डी कोल्लीपारा।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्बक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्चनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के सर्वत के सम्बन्ध में कोई मां बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भन्नोइस्ताक्षरी ने पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

रवसीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों घोर पद्यों का, जो उक्त धिश्विमम, के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा जो उस धव्याय में दिया गया है।

मनुसूची

बुध्युरू रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 979/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

एन० के० नागराजन स**क्षम प्रधिकारी** स**हायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)** एम वि ग्रर्जन रेंज , काकीनाडा

दिनांक: 18 नवस्बर 78

प्रकृप भाई• टो•एन• एस०-----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269 म (1) के ममीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, काकीनाडा दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० 837—यतः मुझे एन० के० नागराजन
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के भन्नीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूझ्य 25,000/• स्पर से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 790 है, जो काटूक में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुध्युक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 2-6-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह जित्रति से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्षित में वास्तविक रूप से किया गया है:---

- (क) भ्रम्सरण से हुई किसी भ्राय की बाबस, उक्स अधिनियम के भ्रधीन कर देने के अस्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भिष्टिनयम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनत प्रधिनियम की घारा 269 मा के अनुसरण में; मैं उन्त प्रधिनियम, की घारा 269 म की उपमारा (1) अधीन निम्निसित स्यक्तियों अर्थातः --- (1) श्रीमती पी० वज्रम्मा विजयवाडा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० कोटेस्वरराव विजयवाडा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के निए कार्यवाहियों करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भारतेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति शारा;
- (वा) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

वृष्युरू रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 854/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

एन० के० नागराजन सक्षम श्रधिकारी सहायक झायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम वी श्रजैंन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 18 नवम्बर 1978 मोहर: त्रकप बाई • टी • एन • एस • ----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रश्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 18 नवम्बर 1978 ए

सं० 838—यत: मुझे एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचिस साजार मृत्य 25,000/- क्यये से अधिक है
और जिस की सं० 790/1, 3 और 4 हैं, जो काटूक में स्थित हैं
(श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं),
रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बुध्युरू में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक
2-6-78

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मृत्य से कम के वृत्रयमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके वृत्रयमान प्रतिफल से, ऐसे वृत्रयमान प्रतिफल का रामाह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रम्तरकों) और प्रान्तरिती (प्रभ्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिब्बत में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है।——
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आन की नानत, जनत अधि-नियम, के अधीन कर बेने के सन्तरक के दायित में कमी करने या उससे वचने में सुविका के लिए; श्रीर/या
 - (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तिमों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनयम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया या मिया धाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत, उनत अधिनियम की बारा 269-ग के धनुसरण में। मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपबारा (1) के ध्रवीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री वी० चन्द्रासेकरराव (2) बी० कोटेस्वर भग (3) वी० नावानी संकर (4) वी० ग्रथ्युतराव (5) वी० बसवय्या (6) वी० वज्रम्मा (7) वी० जयप्रकाश (8) वी० लक्ष्मी प्रसाव विजयवाडा (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जी० कोटेस्वरराव विजयवाड़ा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रार्वन के लिये कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य क्यक्ति द्वारा घन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये वा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रमुक्त सब्दों भीर पदों का, ओ उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में यदा परिभावित हैं, वहीं प्रचंहोगा को उस प्रक्र्याय में विया गया है।

प्रमुखची

बुष्युरू रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-78 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 853/78 में निगमित अनुसूची संपत्ती।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्रधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) एम वी भ्रजेंन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 18 नवम्बर 1978 मोहर: प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भायकर घ्रिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 7 दिसम्बर 1978

सं० 849—यतः मुझे एन० के० नागराजन
शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ष्रप् से श्रधिक है

ग्रीर जिस की सं० 11-41-5 है, जो विजयवाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में घीर पूर्ण रूप से वर्णितह), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिष्ठकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्तयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 15-6-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है भीर भन्तरक (श्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण जिथित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए। भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

ग्रसः भन, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भिधिनियम, की धारा 269 थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:-- (1) श्रीमती जी० लक्ष्मीकान्तम, विजयवाडा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डी० संकरराव विजयवाडा

(भ्रन्तरिती)

- (3) मुक्ता ऐजनसीस
 - मोहनलाल विजयवाडा (वह व्यक्ति जिसके ग्रिष्ठभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित ह, वहीं भर्षे होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

विजयवाडा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पक्षिक श्रंत 15-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2737/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

एन० के० नागराजन सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम वी श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

विनांक 7 दिसम्बर 78 मोहर: त्रक्प बाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26४० (1) के ग्रधीन सूचना गारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज काकीनाडा

विनांक 12 विसम्बर 1978

सं० 851----यत: मुझे एन० के० नागराजन
भायकर मिर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात उक्त मिर्मानयम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/४० ने अधिक है

ग्नौर जिस की सं० 205/1 है, जो कानारू में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 14-6-78

को पूर्वीक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक छप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आप की बाबत जकत अधिन नियम के प्रधीन कर देने के शन्तरक के दायित्व में क्यी करने या उससे बचने में सुविद्या के निए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर धिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा क लिए;

सतः धन, उनत प्रवितियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उनत अधिनियम की घारा 269-म की उपबारा (1) के प्रजीत निमालिखित स्पतित्रों, प्रवीतः— (1) श्रीमती के० राज्यसक्यी विजयवाडा

(म्रन्तरक)

(2) श्री (1) डी० वोराधवय्या (2) डी० रवीन्द्रनाथ टागूर (3) डी० रामाराव (4) डी० नागेन्द्र बाबु विजयवाडा ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीख से 48 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सवधि, जो भी प्रवधि अव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति दारा;
- (बा) इस सूचना के राजपक्ष में पकाशन की तारी वा में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहरूताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रमुक्त मध्यों और पयों का, जो उक्त मधि-नियम के अध्याय 20क में परिभावित हैं. बही धर्ष होगा जो उस मन्याय में विया गया है।

अ**म्यूची**

विजयवाडा रिजिस्ट्री प्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 15-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2714/78 में निगमित ग्रनुसूची संपत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम श्रिष्ठकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम वी श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 12 विसम्बर 1978 मोहर: प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक 12 दिसम्बर 1978

सं० 852-यतः मुझे एन० के० नागराजन म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ६० से मधिक है भौर जिस की सं० 205/1 हैं, जो कानुरू में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्द्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-6-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः ग्रम, उन्त भिधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भद्योन सिम्सलिखित व्यक्तियों अर्थातः —

- (1) श्री कें० रामामोहन राव विजयवाडा । (श्रन्तरक)
- (2) श्री डी॰ वीरराषवय्या (2) डी॰ रघीन्द्रनाथ टागूर
- (3) डी॰ रामाराय (4) श्री॰ नागेन्द्र बाबू विजयवाडा (श्रन्तरिसी)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिलए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, श्रम्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त स्रधि-नियम', के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

भ्रम् सूची

विजयवाडा रजिस्ट्री श्रिधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-6-78 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 15-6-78 में निगमित श्रनुसूधी संपत्ती।

> एन० के० नागराजन सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम० बी० श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 12 दिसम्बर 1978 मोहर: प्रकप भाई • टी • एन • एस • --

आ(बकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269व(1) के मधीत हसूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

विनांक 12 दिसम्बर 1978

सं० 853—यतः मुझे एन० के० नागरजन
ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 हा 43) (जिसे इसमें इसके
रश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की भ्रारा 269-ख
के प्रश्नीन सभ्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/६० से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० 205/1 है, जो कानूरू में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-6-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उर्श्य से श्वन अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आप की बाबत सकत प्रक्षितियम, के मधीन कर देने के भग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए भौर/या
- े (ख) ऐंसी किसी भाय या किसी खन या घ्रन्य भास्त्रियों की जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

मतः प्रव, उन्त पश्चितियमं की घारा 269 ग के मनुसरण में, मैं, अन्त मिनियमं की बारा 269 व की उपवारा (1) के संबीत, निक्तिविद्य स्पक्तियों, सर्वोत्।—— श्री के० बाकाकृष्ण येनमलाकुदुरू

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डी॰ वीरराघवस्या (2) डी॰ रविन्द्रनाथ टागूर-(3) डी॰ रामाराव (4) डी॰ नागेन्द्र बाबू विजयवाडा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचता के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत प्रधिनियम के श्रष्टपाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टपाय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाङ्ग रजिस्ट्री ग्रिधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2712/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

एन० के० नागराजन सक्षम ग्रिघकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वी'० ग्रर्जन रेंज,काकीनाडा

विनांक 12 दिसम्बर 1978 मोहर: वका धाईं० टो०एन० एस०----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269 भ (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाष्टा

काकीनाडा, दिनांक 12 दिसम्बर 1978

सं० 850—यतः मुझे एन० के० नागराजन, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-क मे प्रधिक है

भीर जिसकी सं० 205/1 है, जो कानूरू में स्थित है (भीर इसमे उपाधक धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रधीन 14-6-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है जोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पक्तह प्रतिशत ग्रिष्ठिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से ३६ किसी घाय की बाबत उक्त अधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घर या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या घन-कर भिर्मानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उनत अधिनियम की भारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 10--506G1/78 (1) श्रीमती के० राज्यलक्ष्मी विजयवाडा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डी० वीरराघवय्या (2) डी० रवीन्द्रनाथ टागूर (3) डी० रामाराव (4) डी० नागेन्द्रबाबू विजयवाडा (भ्रन्तरिती)

को यह सूवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास चिद्धित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पत्नों का, जो उनन अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गवा है।

प्रमुखी

विजयवाडा रिजस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2754/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वी० ग्रर्जन रेंज, काकीनाका

दिनांक : 12 दिसम्बर 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

धायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 854--यतः मुझे, एन० के० नागराजन,

धायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधितियम' कहा गया है) की धारा 269—ख के श्रिधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है,

ग्रीर जिसकी सं० 28/3, 27/2 ग्रीर 24/10 है, जो तेनाली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तेनाली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 16-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रण के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर प्रनारितो (प्रनारितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण में हुई किमी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिधिनियम या धनकर श्रिधिनियम या धनकर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

पतः ग्रम, उक्त भिधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त पिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) भिधीन, निम्निसिक्षत व्यक्तियों, भर्यात्:— (1) श्री मैयद गालिब कंचलीपालेम

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० मत्यश्वारायण तेनाली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा ;
- (ण) इस स्वता के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद कियो अन्य व्यक्ति द्वारा अभोत्स्ताअरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे ।

स्रव्योकरग: --इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रीर पदों का, जो उक्त
 स्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है ।

अनुसूची

तेनाली रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं॰ 1610/78 में निगमित अनुसूची संपत्ती ।

> एन० के० नागराजन मक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वी० भ्रर्जन रेंज, काकीनाडा

र्दिनांक: 13 दिसम्बर 1978

मोहरः

प्ररूप आई • टी • एन • एस • → ----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 855--यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

जिसकी सं० 28/3, 27/2 और 24/10 है, जो तेनाली में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तेनाली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-6-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इत्य से कात्र मन्तरण लिखित में वास्तविक इत्य से कात्र गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आज की बाबत, उ≢न प्रधि-नियम के अधीन कर बने के प्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/वा
- (ख) एसी किसी श्रारं या किसी घर या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनयम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के निए;

अतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्तलिखित व्यक्तियों, सर्यान्:---

- (1) श्री सैयद कामिम जाहिद कंचलीपालेम। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री ए० सत्यन्नारायण तेनाली। (अन्तरिती)

को यह सूत्रता चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्म व्यक्ति द्वारा, मघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अमुसूची

तेनाली रिजस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1611/78में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

> एन० के० नागराजन सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वी० श्रजनरोज, काकीनाडा

दिनांक: 13 दिसम्बर 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०→

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

क की नाडा, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 856-यतः मुझे एन० के० नागराजन,

भ्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपए से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 28/3, 27/2 श्रीर 24/10 है, जो तेनाली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तेनाली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसो धाय की बाबत, उक्त घाँछ-नियम, के अधीन कर देने के घन्तरक के दादित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविछण् के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्त्रियों को जिम्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः ग्रंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-भ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत :—

(1) श्री सैयद हुसेन कंचलीपालेम ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० सत्यनारायण तेनाली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों परसूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्यन्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत मधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्टं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तेनाली रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1612/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

> एन० कें ० नागराजन सक्षम ऋधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वी० श्रर्णन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 13 दिसम्बर 1978

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ~--(1) श्रीमती सी० एच० ब्जनमा पूर्वाजन्कसन

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीताडा, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

मं० 857--यतः मुझे एन० के० नागराजन,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिर्मिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मृह्य 25,000/- इ० से मधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 23-23-43 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 26-6-78 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उपके दृश्यमान प्रतिकत से. ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है भौर मन्तरक (भन्तरकों) भौर मन्तरिती-(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रसिफल, निम्ननिधित उद्देश्य से अन्त गन्तरण लिखित में वास्त्विधिक्ष रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किमी साथ की वाबत उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अप्य या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को जिन्हें, भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय झम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिये;

पतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत प्रधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रषाद:---

(2) 1. श्री टी० इमेगानन्दराव 2. श्री टी० सावित्री विजयवाडा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्त्र में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की प्रवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविधि, जो भी भ्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यपितय भें से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी वासे 4.5 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पक्ति में हिसबद किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, घद्योहस्ताकरी के पास सिक्कित में किए जासकेंगे।

स्पट्टी करण:---इसमें प्रयुक्त गड्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिकालित है, वही मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 30-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2921/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम ग्रधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वी० भ्रजेन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 13 दिमम्बर 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एम० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा काकीनाड़ा, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 858--यतः मुझे एन० के० नागराजन,

आयकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रीर जिम की सं० 52/1, 2 श्रीर 3 है, जो मीतारामपुरम में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विशाखा-पटनममें भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 22-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जुकत अन्तरण लिखिन में वास्तविक स्पास कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के म्रामीन कर देने के मन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ण की उपजारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, स्रवीत्:—

- (1) श्री एम० एन० पातृडु (2) एम० चिन्नयया पातृडु (3) एम० नर्रामहाचार्य प्रातृडु वैजाग
 - (ग्रन्तरक) श्री बीठ विजय वर्धना
- (2) 1 श्री बी० विजय वर्धना
 2. श्री बी० विष्णु वर्धना कोत्तवलसा
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रा जारी करके पूर्वीक्त सम्मति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त मध्यति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रद्ध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रषं होगा जो उस श्रद्ध्याय में क्षिया गया है।

प्रनुसूषी

वैजाग रजिस्ड़ी श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3817/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती ।

> एन० के० नागराजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वि० भ्रजेन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 13 दिसम्बर 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, काकीनाडा

काकीनाड़ा, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

मं० 859—यत- मुझे एन० के० नागराजन,
ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है), की घारा 269-ख
के ग्रिधीन सञ्जम प्रिधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से ग्रिधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 23/1 भीर 2, 27/1, 26/5 भीर 28/7 है, जो चिकनला में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबक्क भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कर्नाकपाडु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 26-6-78 को

पूर्वोकन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उपके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे धृष्यमान प्रतिकल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिवित में वास्तविक एव में कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त धर्धिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित कारितामों, प्रार्थात्:--

- (1) श्री जी० जयरामाराव (2) जी० ब्रह्मानन्द राव (3) जी० सामबसिवराव (4) जी० श्रीनिवामा राव चिकनाला (5) जी० वेंकटा कृष्णन राव वीरंकिलाकु । (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मी० एच० बुज्जम्मा कोडूह। (श्रन्तरिती)

यह सुवता जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त च्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकमी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्होक्तरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

कंकिपाडु रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 753/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

> एन० के० नागराजन सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम० बी० श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 13 दिसम्बर 1978

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रज, काकीनाडा

काकीन(ड़ा, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 860—-यतः मुझे एन० के० नागराजन, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 27/1 ग्रीर 23/4 है, जो चिकनाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, किकपाड़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 26-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत मधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बाक्तिक का से कथित नहीं किया गया है:~-

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उनत धिविषम के भिर्धान कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाम या किसी घन या धन्य धास्तियों की जिन्हें धारतीय भाय-कर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिधनियम, या घन-कर प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त ग्रिशिनियम की सारा 269-ग के मनुसरण में में, एक्त ग्रिशिनियम की झारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निक्निविद्यंत क्यक्तिमों, अर्थात् :--- (1) श्री जी० वेंकटा कृष्णराव (2)श्री जी० वेंकटा पुन्नगांव (3) जी० सदरमनाराव वीरंकिलाकु

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सी० एच० बुज्जम्मा कोड्स

(भ्रन्तरिती)

को यह नुचता आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वत के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वनत मम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबढ़
 किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इमर्से प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्म होगा जो उस भ्रथ्याय में दिया क्या है।

भनुस्ची

किक्वाडु रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 752 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

> एन० के० नागराजन सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम वी श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 13 विसम्बर 1978

प्ररूप माई• टी॰ एत• एस•-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ष (1) के प्रधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाजा, विनांक 13 विसम्बर 1978

सं० 861—यतः मुझे एन० के० नागराजन,
ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्ति बाजार मृत्य 25,000/र० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 16-10-39 है, जो विजयवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाद्यक्क श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 12-6-78 को

को पूर्वीकन सम्मित के उचित बाजार सूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (अस्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर दने के भन्तरक के बायित्य में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (था) ऐसी किसी प्राय या किमी धन या प्रास्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः ग्रंब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग क अनुसरण में, में, उक्त धिधिनियम, की धारा 269-च की ∳डण्घारा (1़) के ग्रधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात (→--

11--506GJ/78

- (1) श्री सी० एच० विजयारेटुडी
 - (2) मी० एव० विजयाकुमारा रेडडी, बेंगलर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पी० वेंकटेस्वर राव, विजयवाडा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधितयम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा का उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं ० 2699/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ती

> एन० के० नागराजन सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम वी श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

विनांक: 13 दिसम्बर 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन• एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भ्रायकर भ्रायकन (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 862--यत: मुझे एन० के० नागराजन, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मुक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से घधिक है ग्रौर जिसकी सं० 16-10-39 है, जो विजयवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक 12-6-78 को पृथींबत सपिल के उत्रित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमग्त प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान तिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरि-नियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, उद्देश्य से उपत भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कचित न । किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिशितयम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या कियो घर या मन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिप्तियम, या धन-रूर ग्रिप्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया म या किया भाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन, उन्त अधिताति नारा 269-ग के प्रमुगरण में, मै, उक्त ग्रिशिनयम की भारा 269-व की उपभारा(1) के ग्रिप्टीन, निम्बलिबित स्पक्तियों, ग्रथितः ----

- (1) श्रीमती डा॰ एम॰ रेनुकारेड्डी, हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्री पी० वेंकटेस्वर राव, विजयवाडा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीन संगति के नर्नन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उकत मंत्रति के अर्जन के संबंध में कोई मां आजर ---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदीं का, जी उक्त अधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुम्बी

विजयवाडा रिजस्ट्री ग्रिधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 15-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2698/78 में निगमित ग्रनुसूची संपत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम वि श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

विनांक: 13 दिसम्बर 1978

प्रकप माई • टी ॰ एन ॰ एस ॰---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 863--- यतः मुझे एन० के० नागराजन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से ग्रिकिक है

श्रौर जिल की सं० 16-10-39 हैं, जो विजयवाड़ा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप संवर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-6-78 को

पूर्वो न सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये भन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक हैं और भन्तरक (भन्तरकों)भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अत्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं :--

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के धायिश्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसा किसी प्राय या किसी छन या घरण ग्रास्तियों को जिम्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मस, उन्त मधिनियम की धारा 269-ए के मनुसरण में मैं, उन्त मधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, प्रथानः—

- (1) श्रीमती एम० गुरूस्वामी हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पि० वेंकटेस्वरराव, विजयवाडा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीका सम्पति के घर्नन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त समाति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यक्टी करण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त धिधिनयम, के भ्रष्याय 20-क में परिभाषित है, बही कथ होगा, जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री ग्रधिकारी सेपाक्षिक श्रंत 15-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2697/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

> एन० के० न।गराजन सक्षम स्रधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) एम यि स्तर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 13 दिसम्बर 1978

प्रकृष आई. टी॰ एस॰ एस॰----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 व (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 864—यतः मुझे एन० के० नागराजन
भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पत्रचात् 'उक्त पश्चिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के
पश्चीन सम्भाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-र॰
से प्रधिक है

श्रीर जिस की सं० 16-10-39 हैं, जो विजयवाड़ा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) ग्रन्तरण ने हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिप्तियम के बधीत कर देने के भक्तरक के दायित्व में कमी करने बा उससे अजने में सुविधा के लिए। ग्रीए/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी बन या मन्य म्रास्तियों की जिम्हें भारतीय माय-कर मिबिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिबिनियम, या धन-कर मिबिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती मारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त मधिनियम की धारा 269ना के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नासिक्तिक स्थमितयों, अर्थात् ।—

- (1) श्रीमती सी० सारदा देवी, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पि० वेंकटस्वराव, विजयवाडा (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियांकरता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी क्यित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यित्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, धधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्पाकीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदां का, जो उक्त श्रधिनयम के भ्रध्याय 20क में तथा परिभा-वित है, वही अर्थ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुस्ची

विजयवाडा रजिस्ट्री श्रिधिकारी में पाक्षिक श्रंत 15-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2696/78 में निगमित अनुसूची संम्पत्ती।

> एम० के० नागराजन मक्षम ऋधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (नरीक्षण) एम वि स्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 13 दिसम्बर 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध(1) के मिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनाक 14 दिसम्बर 1978

सं० 865—यतः मुझे एन० कं० नागराजन
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/क्पए से अधिक है

श्रीर जिस की सं० 7-15-1 है, जो श्रीकाकुलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपावज्ञ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रीकाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम में 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-6-78 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए;

धत: भव, उक्त मधिनियम की बारा 269-ग के धनुसरण मे, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:--

- (1) श्री एम० द्यार० टाटा, नई विल्ली (धन्तरक)
- (2) श्री बै० सिवानंदम श्रीकाकुलम (ग्रन्तरित्ती)

को यह सूचना जारी भारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अझोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें त्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं होगा जो उस मध्याम में बिया गया है।

अनुसूची

श्रीकाकुलम रजिस्ट्री घश्चिकारी से पाक्षिक ग्रंत 15-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1820/78 में निगमित धनुसूची संपत्ती

> एन० के० नागराजन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) एम वी ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 14 दिसम्बर 1978

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ----

धारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीन(डा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

सं० 867-यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर घांघिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घांधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घांतिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ३० से घांधिक है,

भौर जिस की सं० 439 है, जो गंगोलु में स्थित है (ग्रीर (ग्रीर इमसे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण क्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पोलवरम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 12-6-78 को

पूर्वीस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कप के बृश्यमान प्रतिश्रल के लिये घरतिरत की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से घिषक है और घन्तरक (घरतरकों) घोर बन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण धिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबन उकन अधि-नियम के धन्नीस कर खेने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; घोर/या।
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी बन या भन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के निवनजिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् !--- (1) श्रीमती बी० वीरबद्रम्मा, राजमन्द्री

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वी० कानतम, राजमन्ड्री ।

(म्रन्तरिती)

को पर्युवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाह्यिं करता हूं।

उका समात्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:⊶-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी क्यिक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त का कित्ती में से किसी क्यिक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपस में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों ग्रीर पर्शे का, जो उक्त ग्रीधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रंथें होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

पोलवरम रजिल्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-78 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 152 / 78 में निगमित अनुसूची संपत्ती।

> एन० के० नागराजन सक्षय प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) एम वि भ्रर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक : 14 दिसम्बर 1978

भारत सरकार

कायीलय, महायक भ्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 जनवरी 1979

सं० 869—यतः मुझे बी० वी० मुख्याराव भायकर प्रधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है

भौर जिस की सं० 25-7-14 है, जो राजमन्ड्री में स्थित है (श्रौर इससे जपाबत श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय , राजमन्ड्री में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्मत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तइ प्रतिशत, अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्वत में वास्तिक हम्म किया निम्तरिक कर्म क्यार से क्यार से

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भ्रिक्षित्यम के भ्रिक्षीन कर देने के भ्रष्टारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भ्रुविधा के लिए। भौर/या
- (क) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घाय-कर घिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधनियम, या धन-कर घिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

म्रतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-त के प्रनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-त की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित्:——

- (1) श्री बी० रंगाराव (2) बी० विक्रमादिस्य
 (3) बी० चन्द्रिकरन (4) बी० विलेकी विभाखपटनम् ।
 (ग्रन्तरक)
 - (1) श्रीमती टी० रत्नावित
 (2) टी० नर्गमहाराव

राजमन्ड्री (श्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न म प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की भविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास विधित में निष् जा सकेंगे।

. क्षच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त भव्दों घोर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही घर्य होना, जो उस घड्याय में दिया नमा है।

प्रमुखी

राजमन्द्री रिजस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक श्रंग 30-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2679/78 में निगमित अनुसूची संपत्ती।

> बी० वी० सुब्बाराय सक्षम प्रधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) एम वी० प्रर्जन रेंज, काकीनाडा

विनांक : 16 जनवरी 1979

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा काकीन(डा, दिनांक 12 जनवरी 1979

सं० 868—यतः मुझे बी० वी० सुरुवाराय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति जिसका उचित वाजार मूह्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रौर जिस की सं० 17-15-8 है, जो जी० एन० टी० रोड ऐसुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्ष्म से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ऐलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 10-6-78 को को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्सरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पख्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निजिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में अधित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी माय या किसी धन या प्रन्य म्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या खन-कर भाषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

भतः सब, उन्तः समितियमं की धारा 269-ग में प्रमुसरण में, मैं, उन्तः समितियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) भन्नीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यातः :--

- 1. (1) श्री के० राजा मिवानंद
 - (2) के० लोक गोपम्मा ऐलूर

(श्रन्तरक)

(1) श्री एम० सर्यनारायण (2) एम० मीतारामय्या
(3) एम० मीनिवासन भासकरा कुमार (4) एम०
घनटावधानी, विजयवाडा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना नेगराजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे

सपष्डीकरण: इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त मधि-नियम, के मध्याय 20क में परिभाषित है, वही म्रथं होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुमुची

ऐलूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1936/78 श्रौर 1937/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

> बी० वी० सुब्बाराव सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वी० ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 12 जनवरी 1979

प्रस्प प्राई० टो० एत० एत०-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह।यक ध्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 फरवरी 1979

सं० 878—यतः मुझे, बी० बी० सुब्बाराव पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-एपये से प्रधिक है

श्रीर जिस की सं० 89 श्रीर 8 है, जो बोम्मूर श्रीर राजवीलु में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, राजहमन्ड्री में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 30-6-78 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर धन्तरक (प्रन्तरकों) धौर धन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण बिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
12—506GI/78

(1) श्री ग्रार॰ रामाराव राजहमन्ड्री

(भन्तरक)

(2) श्री जी० वेंकटाकृष्ण राजहमन्ड्री

(श्रन्तरिती)

कोयह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पात
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थं होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजह्मन्ड्री रिजस्ट्री श्रिधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2785/78 में निगमित ग्रनुसूची संपत्ती ।

> बी० वी० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी महायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 6 फरवरी 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मामकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 फरवरी 1979

सं० 879—यतः मुझे, बी० बी० सुब्बाराव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-द से प्रधिक है

श्रीर जिस की सं० 74 है, जो बोम्मरू में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजहमन्ष्री में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 30-6-78 को

पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उनत अधि-नियम के मधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/था
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिंचिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिंघिनयम, या घनकर मिंघ-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिशाने में सुविधा के लिए;

धता भव, उनत भिक्षिमियम की घारा 269ग के भनृसरण में, मैं, उन्त भिक्षिमियम की धारा 269म की उपसारा (1)के भन्नीन, निम्नुसिखित स्थितियों भवति :-- (1) श्री भार० वेंकटा सुब्बाराय (2) भ्रार० वेंकटा कृष्ण राव (3) भ्रार० वेंकटा नर्रामहा राव (4) श्रार० श्रीनियासराव, राजहमन्द्री

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० पकीरय्या, राजह्मन्ड्री

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा ग्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

ह्वच्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रद्रयाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उस प्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमुसूची

राजहमन्ड्री रिजस्ट्री स्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं 2786/78 में निगमित स्रनुसूची मंपत्ति ।

> बी० वी० मुख्बाराव मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 6 फरवरी 1978

प्ररूप भाई० टी० एम० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-∏ि दिल्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/III/2-79/333 यत:, मुझे, डी० पी० गोयल श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० ई-15 है तथा जो न्यू दिल्ली साउथ एक्सटेंशन पार्ट II, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के

कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26 जून 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पखह प्रतिशत श्रिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:——

- गे क्यूरियों हाउस, सुन्वर नगर मार्किट नई दिल्ली इनके पार्टनर्स श्री सी० एल० भरानी सुपुत्र श्री एल० राधा कृष्ण भरानी तथा श्री रामजी भरानी, सुपुत्र श्री सी० एल० भरानी, निवासी एस-१, ग्रेटर कैलाग-1, नई दिल्ली के द्वारा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ग्रमृत पाल कौर कोहली, विधवा पत्नी श्री जंग बहादुर सिंह कोहली, (2) मास्टर उरमीत सिंह, (3) मास्टर मनमीत सिंह (नाबा-लिग) सुपुत श्री स्वर्गीय जंग बहादुर सिंह कोहली, इनकी माताजी श्रीमती ग्रमृत पाल कौर कोहली के द्वारा निवासी ए-3, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48। (श्रन्तरिती)
- (3) मैं ॰ गोवन ट्रेवल्स प्रोप्राईटर डालिमया सीमेंट (भारत) लि॰, तथा मैं ॰ इन्डिया इन्स्टीट्यूट भ्राफ माम कम्यूनिकेशन्स। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधि-भोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक पांच मंजिला बिल्डिंग जोकि 250 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बनी हुई है, जिसका नं० ई०-15 है, न्यू दिल्ली साउथ एक्सटेंशन, पार्ट-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० ई-14 पश्चिम : प्लाट नं० ई-16

उत्तर : रोड वक्षिण : रोड

डी० पी० गोयल, सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 5-3-1979

प्रकृप माई टी • एन • एस • ------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-III, विल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्चे, 1979

निदम सं० थ्रा ६० ए० सी०/एक्यु०/ /5-79/332--ग्रत: मुझे, डी० पी० गोयल
ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके परचात् 'उक्स मधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-ध के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/द० से अधिक है

भौर जिसकी सं० 157-158 है तथा जो रामेश्वरी नेहरू नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-5-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के शिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिखित में बास्त- विक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (खा) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः पन, उन्त मिन्नियम की धारा 269-न के अनुसरण में म उन्त मिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ग्रिधीन निम्निजिक्ति व्यक्तियों अर्थोतः -- (1) श्री साधु राम, सुपुत्र श्री नाएत राम, निवासी मकान नं० 157-158, रामेश्वरी नेहरू नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ज्ञान चन्द, सुपुत्र श्री भाग चन्द, निवासी 157-158, रामेश्वरी नेहरू नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उन्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माखेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की भवधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हिनबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरकारी बना हुन्ना मकान जिसका नं० 157-158 है न्नीर क्षेत्रफल 106 वर्ग गज है, रामेश्वरी नेहरू नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व : सरकारी बनी हुई जायबाद

पिष्चम : खुला उत्तर : गली दक्षिण : सर्विस लेन

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई विल्ली-1

सारीख: 5-3-1979

प्रकृष भाई० टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भूजेन रेंज-III, दिल्ली-1

नई बिल्ली, दिनांक 5 मार्च, 1979
निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/III/3-79/335—
प्रतः मुझे, डी० पी० गोयल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
प्रारा 269-ख के प्रधोन सन्नम प्रधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

श्रौर जिसकी सं० 15/4485 है तथा जो दाल मण्डी, पहाड़-गंज, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 17 ज़न 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अक्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृह्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अस्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अक्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी प्राय के बाबत, उपत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में शुविधा के सिए; धौर/य॰
- (ब) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या धन्य धास्तियों की जिन्हें भारतीय धाय-कर ग्राधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्राधिनियम, या धन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपान में मुविधा के लिए;

अतः अब, उनत मधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में में, उनत मधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—— (1) श्री गुरबक्स सिंह सुपुत्र श्री चानन दास ग्रारोड़ा, निवासी ए-27, फेस-II, नारायण इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अलोक भुमार, सुपुत्र श्री बन्सी लाल, निवासी मकान नं० 2401, तिलक स्ट्रीट, चूना मण्डी, पहाइगंज, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाह्या करता हूं।

उनत संपत्ति के प्रजंग के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इन सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमा व्यक्ति दारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण :- - इन नें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त शक्कि-नियम, के भड़्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हाना जो उस भड़्याय में दिया गया है।

अनुमुची

मकान नं० 15/4485 की पस्ली मंजिल जिसका क्षेत्रफल 180 वर्ग गज है, दाल मण्डी, पहाड़ गंज, नई दिल्ली म निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : कटरा नं० 4430

पश्चिम : गली

उत्तर ः मकान जिसका म्युनिसिपल नं० 15/4484

दक्षिण : मकान नं 15/4487

डीं० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, विल्ली, नई विल्ली-1

तारीख: 5-3-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०------श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च, 1979

निदश सं० घाई० ए० सी०/एनयु०/ /3-79/336— यतः मुझे, डी० पी० गोयल ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 15/4486 है तथा जो दाल मण्डी, पहाड़-गंज, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के के कार्यालय, तारीख 17 जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत जक्त प्रधिनियन के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए,

भतः मन, उन्त मिधिनियम, भी धारा 269ग के अनुसरण में मैं, उन्त मिधिनियम भी धारा 269-न भी उपधारा (1) मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यात:— (1) श्री मोहिन्द्र सिंह, सुपुत्र श्री चानन दास प्रारोड़ा, निवासी मकान नं० ए-27, फेस-II, नारायणा इन्डस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली।

(घन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार सुपुत्र श्री बन्सी लाल, निवासी मकान नं० 2474, नलवा स्ट्रीट, पहाड़गंज, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

राधीकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों श्रीर पवों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

मन्सूची

मकान नं० 15/4486 का ग्राउण्ड फ्लोर, जिसका क्षत्रफल 180 वर्ग गज है, दाल मण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : मकान नं० 4430 पश्चिम : गली (स्ट्रीट) उत्तर : मकान नं० 4484 दक्षिण : मकान नं० 4487

> डीं० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जेन रेंज- , दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 5-3-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के ग्रिधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च, 1979

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/111/3-79/334--यतः मुझे, डी० पी० गोयल

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रूपये से अधिक है

श्रीर जिसकी संध्या सी-5/1 है तथा जो सफदरजंग डेवलपमेंट एरिया नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन तारीख 13-6-1979 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से श्रिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) घन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रक्रि-नियम के भ्रष्टीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी न्नाय या किसी धन या न्नाय न्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय न्नायकर न्नाधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त न्नाधितियम, या धनकर न्नाधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: भ्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रयीत्:--- (1) श्री राम लुभाया मलहोत्रा, सुपुत्र श्री राम दिसा मल, निवामी 242, फाटक करोर, श्रजमेरी गेंट, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जोगेन्द्रा सिंह, सुपुत्र श्री राम सिंह बजाज तथा श्रीमती कृपाल कौर, पत्नी श्री जोगेन्द्रा सिंह, निवासी ई-1/II, मालवीया नगर, नई दिल्ली। इनके श्रटारनी ए० जसवन्त सिंह के द्वारा।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचन। जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रमंत के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 दितखद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गन्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं भर्च होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

एक डेढ़ मंजिला मकान जोकि 550 वर्ग गज के लीज होल्ड प्लाट पर बना हुन्ना है, जिसका नं० सी-5/1 है, सफ-दरजंग डेबलपमेंट एरिया, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : खुला

पश्चिम : प्लाट नं० सी-5/2

उत्तर : रोड दक्षिण : सर्विस लेन

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- , दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 5-3-1979

प्रस्न पाई ०टी ०एन ०एस ०---

मायकर म्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 23 फरवरी 1979

निदेश सं० ए० श्रार०-श्राई०/4003-18/श्रगस्त, 78— श्रतः मुझे, बी० एस० शेषाद्रि भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख

इसक पश्चीत् 'उक्त श्रीक्षातयम' कहा गया ह), का घीरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रीक्षक है

श्रौर जिसकी सं० मी० एम० सं० 768 है तथा जो मलबार श्रौर कम्बाला हिल डिवीजन में स्थिन हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-8-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिक्ष-नियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के सिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या मन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या घन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भव, उक्त भविनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) मिसेज रोडा धानजी भॉय, (2) फरेदा धानजी भॉय थान्वेशिंग भॉग (3) मीना धानजीभॉय (अन्तरक)
- (2) मैसमं अभय प्रापटींज प्रा० लि०, मेतुर बर्डसेल, लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के र लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अस्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिन्न-नियम, के श्रष्ट्याय 20क में परिभाषित हैं, बही भयं होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1524/<mark>78/बम्बई</mark> उप-रजिस्ट्रार अधिकारी ब्रारा दिनांक 25-8-1978 को रजिस्ट्रर किया गया है।

> वी० एस० शेषाद्री सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 23-2-1979

मंष लोक सेवा आयोग

नोटिम

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांहियकी सेवा परीक्षा, 1979 नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च, 1979

सं० एफ० 12/1/78-ई०-Т (बी)—भारत के राजपन्न दिनांक 17 सार्च, 1979 में गृह मंत्रालय (कार्मिक तथा प्रणासितक मुधार विभाग) द्वारा प्रकाणित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं के ग्रेड IV में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, दलाहाबाद, वंगलोर, भोपाल, वम्बई, कलकला, चंडीगढ़, कीचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैंदराबाद, जयपुर, जम्म, लखनऊ, मद्राग, नागपुर, पणजी (गोवा), पिट्याला, पटना, पोर्ट क्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर तथा न्नियेन्द्रम में 7 अगस्त, 1979 में एक मिम्मलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी—

आयोग, यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उनके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेण के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान या स्थानों के बारे में सुचित किया जाएगा। (वैखिए अनुबन्ध का पैरा-11)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन दो मेवाओं के लिए भर्ती की जानी है उनके नाम तथा इन दोनों सेवाओ के ग्रेड IV में रिक्तियों की अनुसानित संख्या इस प्रकार है:—

(i) भारतीय अर्थ सेवा 30

(ii) भारतीय सांख्यिकी मेवा 2: उपर्युक्त संख्याओं मे परिवर्तन किया जा सकता है।

इन रिक्तियों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीबवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निक्चित संख्या के अनुसार किया जाएगा।

3. उम्मीदबार उपर्युक्त पैरा 2 में उस्लिखित सेवाओं में से किसी एक अथवा दोनों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। एक बार आवेदन-पन्न भेजें जाने के बाद सामान्यतः किसी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यदि कोई उम्मीदवार दोनों सेवाओं के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता है तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा 6 में उल्लिखित णुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा। उस प्रत्येक सेवा के लिए अलग-अलग नही जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

ध्यान वें:—उसे केवल उसी नेवा/उन्ही नेवाओं के लिए उम्मीववार माना जाएगा जिस/जिनके लिए वह आवेदन फरेगा। दोनों सेवाओं के लिए आवेदन करने वाले उम्मीववार को अपने आवेदन-पत्न में नेवाओं के संबंध में अपना वरीयता-कम स्पष्ट रूप से बताना चाहिए ताकि योग्यता-कम में उसके स्थान को ध्यान में रखते हुए, निसुक्ति करने समय उसकी बरीयता पर भनी भांति विचार किया जा सके।

जिन सेवाओं के लिए उम्मीदनार विचार किए जाने के इच्छुक थे उन सेवाओं के लिए उनके द्वारा दर्णाए गए वरीयता क्रम में परिवर्तन में संबद्ध किसी भी अनुरोध को तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख में 30 दिन के भीतर संघ लोक मेंना आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

 परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपन्न पर सचिय, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउम, नई दिल्ली (110011) को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपन्न तथा 13—506GI/78 परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये वेकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा मकते हैं। यह राणि मिलव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउम, नई दिल्ली-(110011) को मनीआईर द्वारा या सिवद, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आईर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआईर/पोस्टल आईर के स्थान पर पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्न आयोग के काउन्टर पर नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राणि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट - उम्मीदवारों को चेनावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्न भारतीय अर्थनेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1979 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्न में ही प्रस्तुत करें। भारतीय अर्थ सेवा/मारतीय मांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1979 के लिए निर्धारित आवेदन-पत्नों से इतर प्रपत्नों पर प्रस्तुत आवेदन-पत्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पन्न आयण्यक प्रलेखों के साथ मिवत, संभ लोक मेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 30 अप्रेल, 1979 (14 मई, 1979 से पहले की किसी नारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोवार हीपसमूह अथवा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 30 अप्रेल, 1979), तक या उससे पूर्व अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित नारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पन्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप, में रहने वाले उम्मीदबार से आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि बह 30 अप्रैल, 1979 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में या लक्षद्वीण में रह रहा था।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदियारों को भरे हुए आवेदम-पत्न, के साथ आयोग को रु० 48.00 (अनुसूचित जानियों और अनुसूचित जन जानियों के मामले में रु० 12.00) का गुल्क भेजना होगा जो कि सचित, संघ लोक तेया आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकचर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचित, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली की मुख्य गाखा पर स्थित स्टेट बैक आफ इंडिया पर देय स्टेट बैक आफ इंडिया की किसी भी गाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक डापट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित णुरूक भारत के उक्क आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग-परीक्षा णुरूक" के लेखाशीय में जमा हो जाए और आवेदन पन्न के साथ उमकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन आवेबन-पन्नों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम ग्रन्थीकार कर विद्या जाएगा। यह उन उम्मीक्थारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैराग्राफ 7 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित गुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संनुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूनपूर्व पूर्वी पाकिन्तान (अब बंगला देण) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापिक व्यक्ति है, या बर्मा में वास्तविक रूप में प्रत्यावित मूलत : भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उस के बाद भारत आया है या बहु श्रीलका से वास्तविक रूप में प्रत्यावित मूलत: भारतीय व्यक्ति है जो अक्तुबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समक्षीते के अन्तर्गत 1 बवस्यर, 1964 को या उसके बाद भारत आ है या आने वाला है और निर्धारित गुल्क दे सकने की स्थित में नहीं है।

3. जिस उम्मीदवार में निर्धारित णुरूक का भुगताम कर दिया किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो उसे रु० 30.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में ग० 8.00) की राशि वाधिम कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीने नोट I की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहते वाले उम्मीदवार का आवेदन-पन्न यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्हक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की अभेकाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा वो वह शुरूक वाबसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त उपबंधित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थित में आयोग की भुगतान किए गए गुस्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जायेगा और न ही गुस्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

9. उम्मीदवार को अपना आवेदन-पश्च प्रस्तुत कर तेने के बाद उम्मीद-वारी वापस लेने से संबद्ध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परि-स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

> आर० एम० अहसुवालिया, उप-सचित्र

अनुबंध

उम्मीदवारों की अनुदेश

 उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्न भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से बढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं या नहीं। निर्धारित णतीं में छूट नहीं दी जा सकती।

आयेदन-पन्न भेजने से पहले उम्मीदबार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा वेने का इच्छुक हो, अन्तिम रूप से चुन लेना चाहिए। मामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-प्रान्न तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने वाहिए। सभी प्रविष्टियां/उत्तर शब्दों में होती/होने वाहिए, रेखा या बिन्दु आदि के द्वारा नहीं। अधूरा या गलन भरा हुआ आवेदन-पन्न रह किया जा सकता है।

सभी उम्मीदबारों को, नाहै वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या भरकारी औद्योगिक उपकर्मों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन-पत्न आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदबार ने अपना आवेदन-पत्न अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह मंघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचे हों तो उस आवेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा, भने ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख से पहले प्रस्तुत किया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में स्थायी या भ्रस्थायी हैसियत से कार्य कर रहे हों या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों जिसमें प्राकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं हैं, उनको इस परीक्षा में ग्रांतिम रूप में प्रवेश पाने के पहले भ्रपने कार्यलय/विभाग के प्रध्यक्ष की अनुमति प्राप्त करनी चाहिए । उनको बाहिए कि वह भ्रपने भाषेदत-पत्र को, उसके भंत में संलग्न प्रमाण-पत्र को वो प्रतियां विकाल कर, भाषोग में सीमें भेज दें, भीर प्रमाण-पत्र की उन प्रतियों को तन्काल भ्रमने वार्यालय/विभाग के ग्रध्यक्ष को इस भ्रमु-रोध के साथ प्रस्तुन करें कि उक्त प्रमाण-पत्न की एक प्रति विधिवत भर कर मणिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी श्रौर किसी भी हालन में प्रमाण-पत्न के फार्म में निर्दिष्ट नारीख से पहले भेग वी जाए।

- उम्मीदवार को ग्रपने मावेदन-पत्न के साथ निम्नलिखित प्रलेख मवस्य भेजने जाहिए:----
 - (i) निर्धारित णुल्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल माईरया बैंक द्वापट भ्रथता णुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्नों की श्रभिप्रमाणि/प्रमाणित प्रतिलिपि (वेखिए नोटिस का पैरा 6 श्रीर 7 नीचे पैरा 6)।
 - (ii) प्रायु के प्रमाण-पत्न की प्रभित्रमाणित/प्रमाणित प्रितिलिपि ।
 - (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पन्न की भ्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।
 - (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट प्राकार (लगभग 5 से० मी० × 7 में० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतिया।
 - (v) जहां लागू हों बहां धनुसूचित जाति/धनुसूचित जन जाति का होने के दाये के समर्थन में प्रमाण-पत्न की प्रभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
 - (vi) जहां लागू हों बहां श्रायु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पक्ष की अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।
 - (vii) उपस्थिति पत्नक (धावेदन-पत्न के साथ संलग्न विधिवस् भरा हुन्ना है।

नीट:— उम्मीववारों को अपने आवेदन-पत्नों के साथ उपर्युक्त सव (ii), (iii), (v) और (vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्नों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपित्रत प्रक्षिकारी द्वारा प्रभिप्रमाणित हों अथया स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः नवम्बर, 1979 में घोषित किए जाएगे। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के प्राधार पर व्यक्तिगत परीक्षण के लिए माक्षात्कार हेतु अहंता प्राप्त कर नेते हैं। उन्हें उपर्युक्त प्रमाण-पत्न मुल रूप में प्रस्तुत करने होंगे। उन्हें अपने मुल प्रमाण-पत्न साक्षातकार के समय प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्न सूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका भागे विचार

मद (i), से (iv) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण तीचे तक विष् गए हैं ग्रीर सव (v), (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा, 4 ग्रीर 5 में विष् गए हैं:—

(i) (क) निर्धरित गुल्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल ग्राडर:—

प्रत्येक पोस्टल भ्रार्डर भनिवार्यतः रेखांकिन किया जाए तथा उस पर "सचिव, संघ लोक सेवा भ्रायोग को नई दिल्ली के प्रधान ढाकचर पर देय" लिखा जाना चाहिए।

किसी भ्रन्य डाकघरपर देयपोस्टल भ्रार्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे । विरूपित या कटे-फटे पोस्टल भ्रार्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल ब्राइरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर ग्रीर जारी करने वाले खाकचर की स्पष्ट मृहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को श्रवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल श्रार्बर न तो रेखांकिस किए गए हों झौर न हो सचित्र, संघ लोक सेवा भायोग को नई दिस्ली जनरल डाक्यर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं हैं।

(ख) निर्धारित गुल्क के लिए रेखाकित बैंक ड्राफ्ट:---

बैंफ ड्राफ्ट स्टेट बैंक घाफ इंडिया की फिसी शाखा में लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा भ्रायोग को स्टेट बैंक घाफ इंडिया मुख्य शाखा, नई विल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत रेखांकित होना चाहिए।

किसी श्रन्य बैंक के नाम देव किए गए बैंक ट्राफ्ट किमी भी हालत में स्वीकार नहीं किए आएगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए आएगे।

(ii) श्रायु का प्रमाण-पत्र — श्रायोग सामान्यतः जन्म की वह तारीय स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेणन के प्रमाण-पन्न या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पन्न या किसी विश्वविद्यालय के यहां से मैट्रिकुलेटों के रिजस्टर में वर्ज की गई हों भीर वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। जो जम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके रामकक्ष परीक्षा में उसीर्ण है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके रामकक्ष परीक्षा में उसीर्ण है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पन्न या समकक्ष प्रमाण-पन्न की भ्राभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर मकता है।

श्रनुदेशों के इस भाग में श्राए मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के श्रन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्न सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्टिकुलेणन/उज्जातर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख नहीं होती या प्रायु के केवल पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदियारों को मैट्टिकुलेणन/उज्जातर माध्य-मिक परीक्षा प्रमाण-पत्न की ग्रमिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के श्रिमिरक्त उम संस्था के हैं बमास्टर/प्रिंमिपल से लिए गए प्रमाण-पन्न की एक श्रीभ-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए, जहां से वह मैट्रिकुलेणत/ उज्जातर माध्यमिक परीक्षा से उत्तीणं हुआ है। इस प्रमाण-पन्न में उस संस्था का वाखिला रिजस्टर में वर्ज की गई उमकी जन्म की तारीख या वास्तिविक श्रायु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतायनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्न के माथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भीजा गया तो आवेदन-पत्न अम्बीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जानी है कि यदि आवेदन-पत्न में सिम्बी जन्म की तारीख मैदिकुलेशन प्रमाण-पत्न/उच्चतर माण्यिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में थी गई जन्म की तारीख से भिन्न है और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्न रह किया जा सकता है।

- मोट 1:---जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्न हों, उसे केवल ग्रायु से सबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की प्रशिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ।
- मोट 2: जम्मीववारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की नारीख नक एक बार लिख भेजने भौर ग्रायोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी बाद की परीक्षा में उसमें काई परिवर्तन करने की ग्रनुमित नामान्यतः नहीं वी जाएगी:
- (iii) गैंकिक योग्यता का प्रमाण-पत्न:—उम्मीयवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्न की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में में कोई एक योग्यता उनके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्न उस प्राधिकारी (भयांत् विश्वविद्यालय या किसी प्रत्य परीक्षा निकाय) का होना वाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रवान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्न की मिश्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए प्रौर प्रमेशित योग्यता में संबद्ध प्रपने दावे के समर्थन म किसी प्रत्य प्रमाण-पत्न की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए श्रापोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवता के ग्राधार पर विचार करेगा। किन्तु यह उसे पर्योप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

यदि किसी उम्मीदबार द्वारा धपने गाक्षिक योग्यताओं के समर्थन में प्रस्तुत डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण करने के संबद्ध विश्वविद्यालय के प्रमाण-गन्न की स्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिए गए हों, तो उमे विश्वविद्यालय प्रमाण-पन्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के स्रतिरिक्त, प्रिसिपल विभागाध्यक्ष से लिए गए इस ब्राणय के प्रमाण-पन्न की एक स्रभिप्रमाणित/प्रमाणिस प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए कि उसने नियम 6 में निर्धारित किसी एक विषय या एक से अधिक विषयों में ग्रहेक परीक्षा उत्तीर्ण की है।

नोट:—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उस्लीण कर लेने पर बहु इस परीक्षा में बैठने का पात हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा से प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अहंक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदावार अन्य शतें पूरी करने हों तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनितम मानी जाएगी और यदि वे अहंक परीक्षा में उसीण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर होलन में 30 अक्तूबर, 1979 तक प्रस्नुत नहीं करते तो यह अनमित रह की जा सकती है।

(iv) फोटो की बो प्रतियां :— उम्मीदवार को भ्राप्ते हाल ही के पासपोर्ट प्राकार (सगभग 5 में० मी०× 7 में० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां प्रवण्य भेजनी चाहिए। इनमें में एक प्रति ग्राबेवन-पल के पहले पृष्ठ पर और पूसरी प्रति उपस्थित पलक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति पर उम्मीदवार को सामने की ग्रोर स्थाही से हस्लाक्षर करने चाहिए।

श्यान कें:-- उम्मीदवार को चेनाननी दी जाती है कि यदि प्रानेदन-पक्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii), ग्रीर 3 (iv) में उक्तिजल प्रलेखों में से कोई एक संखग्न न होगा ग्रीर उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नही दिया गया होगा तो आवेदन-पत्न अस्थीकार किया जा सकता है और इस अस्बीकृति के विरुद्ध कोई अर्पाल नहीं सुनी जाएगी जो प्रलेख आवेदन-पत्न के साथ न भेजे गए हों उन्हें आवेदन-पत्न भेजने के बाद शीध्र ही भेज देना चाहिए और वे (उपर पैरा 3 (iii) के नोट में उल्लिखित स्थिति को छोड़कर) हर हालत में आवेन-पत्न स्थीकार करने के लिए निर्धारित अतिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कायलिय में पहुंच जाने चाहिए यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्न रद्द किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाित का होते का वावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसमें उसके माता-पिता (या जीिवत माता या पिता) आम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या नीचे उिल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पन्न जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में पद नािमत किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पन्न लेकर उसकी एक अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रसित्तिष प्रस्तुत करनी चािहण । यदि उम्मीदवार के माना और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पन्न उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चािहण जहा उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहना है।

भारत सरकार के ध्रधीन पर्दा पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने बाले अनुसूचित जाति और श्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीदयारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्म।

प्रमाणन	किया जाता ह कि श्रा/श्रामता/कुमारा
·	
	जो गांव/कस्बा*
जिला/मंडल *-	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,
	ਰ
के/की*निवासी	
	——जाति/जन ^क जाति के/की* है जिसे निम्नलिखित के श्रधीन
	त/जनजानिकेरूप में मान्यना थी गई हैं:——
म विधान	(भ्रनुसूचित जातियां) भावेंग, 1950*।
संविधान	(ग्रनुसूचित जन जातिया) भादेश, 1950*।
संविधान	(अनुसूचित जातिया) (संध राज्य क्षेत्र) मादेश, 1951*।
संविधान	(ग्रनुमूचिन जन जॉनियां) (संघ राज्य क्षेत्र) फ्रादेण,
1051*1	

[ब्रमुसूचित जातियां श्रीर श्रनुसूचित जन जातियां सूची (श्राणोधन) श्रादेश, 1956, बम्बई, पुनगंठन श्रधिनियम, 1960, पंजाब पुनगंठन श्रधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य श्रधिनियम, 1970 श्रीर उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनगंठन), श्रधितियम, 1971 श्रीर श्रनुसूचित जातियां श्रथा श्रमुसूचित जातियां श्रादेश संशोधित]

संविधान (अम्मृ ग्रीर काश्मीर) श्रनुसूचिन जातियां श्रादेश, 1956*। संविधान (श्रंडमान श्रीर निकोबार द्वीपसमह) श्रन्सूचिन जन जातियां ग्रादेश 1959* श्रीर श्रन्शचिन जातियां श्रीर श्रनुसृचिन जन जातियां श्रादेश (सुंशोधन) श्राधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधिन।

संबंधान	(दावरा ग्रीर न।गर हर्नेली) ग्रनुसूचित जातियां ग्रादेश,
1962*	
स विश्वा न	(बादरा भ्रौर नगर हवेली) अनुमूचित अन जातियां भ्रादेश
1962*	1
संविधान	(पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964* ।
संविधान	(म्रनुस्चित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967*।
 संविधान	(गोवा, दमन ग्रीर वियू) श्रनुमूचित जानियां ग्रादेश, 1968*।
- <u>-</u> संविधान	- — — — — — — — — — — — — — — — — — — —
1968*	
—- स विद्यान	(नागालैंड) भ्रनुसूचित जन जातियां भ्रावेश, 1970*।
जिला/मं ड ल* नंघ* राज्य रहती* हैं।	क्षेत्रमं रहते।
	हस्ताक्षर
	**पदनाम
	(कार्यालय की मोहर सहित)
स्थान	
तारी ख -	
	राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र
 *जीशस्य	नागून हों, उन्हें क्रुपया काट दें।
Correct 113	हां प्रयुक्त 'श्राम तीर से रहने/रहसी हैं" शब्दों का श्रर्थ

टिप्पणी:--यहां प्रयुक्त ''श्राम तीर से रहते/रहती हैं'' शब्दों का श्रर्थ बही होगा जो ''रिप्नैकेटेशन श्राफ दि पीपुल एक्ट, 1950'' की धारा 10 में हैं।

**जाति/जन जाति प्रमाण पत्न जारीकरने केलिए सक्षम ग्रधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/घितिरिक्त जिला मिजिस्ट्रेट/क्लैक्टर/खिण्टी कमिण्नर /एडीशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कणैक्टर/प्रथम श्रेणी का ग्टाईपेडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/†श्व-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्यूजीक्यूटिय मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा ग्रामस्टेट कमिण्नर।

ं। (प्रथम श्रेणी के स्टाईपेंडरी मैजिन्ट्रेट से कम फ्रोहदे का नहीं)।

- (ii) चीफ प्रेमीडेसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल श्रीफ प्रेसीडेसी मैजिस्ट्रेट/ प्रेमीडेसी मजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवेन्यू प्रफमर जिसका श्रीहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब-दिवीजनल श्रफनर जहां उम्मीदवार श्रीर/या उसका परिवार श्राम तौर से रहता हो।
- (v) ऐइमिनिस्ट्रेटर /ऐइमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेबनपर्भेट ग्रफसर, लक्षद्वीप ।

- 5. (i) नियम 5 (ख) (ii) या 5 (ख) (iii) के भ्रन्तर्गत निर्धा-रित भ्रायु भीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिम के पैराग्राफ 7 के अधीन णुरूक से छूट का दावा करने वाले भृतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (भ्रव बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति की निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक मे लिए गए प्रमाण-पन्न की अभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि बह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (भ्रव बंगला देण) मे भ्राया हुआ वास्त्विक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की भ्रवधि के दौरान प्रवजन कर भारत भ्राया है—
 - (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्राजिट केन्द्रों प्रथवा विभिन्न राज्यों मे स्थित राहत णिविरों के कैम्प कमांडेंट ।
 - (2) उस क्षेत्र का जिला मिजिस्ट्रेट, जहा वह इस समय निवास कर रहा है।
 - (3) भ्रपने-प्रपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी मितिरिक्स जिला मैजिन्ट्रेट।
 - (4) स्त्रयं प्रभारित सब-डिबोजन का सब-डिबीजनल ध्रफसर ।
 - (5) उप-गरणार्था-पुनर्वाम-ग्रायुक्त, पश्चिम बंगाल/नियेशक (पुनर्वास), कलकत्ता ।
- (ii) नियम 5(ख) (iv) प्रथवा 5 (ख) (v) के प्रन्तर्गत निर्धारित बायु में छूट का बाबा करने बाने भीर/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के प्रधीन शुरूक में छूट का दावा करने बाने श्रीलंका से प्रत्यार्वातत या प्रत्यार्वातत होने बाने मूलनः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च प्रायुक्त के कार्यालय से लिए गए इस भाग्रय के प्रमाणपत्न की एक प्रभिन्नमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि यह एक भारतीय नागरिक है जो प्रक्तूबर, 1964, के भारत श्रीलंका समझौते के प्रधीन 1 नवस्वर, 1964 को या उसके बाद भारत श्राया है या श्राने बाला है।
- (iii) नियम 5(ख) (vi) के प्रन्तर्गत ग्रायु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रध्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति को फिलहान जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाणपत्र की एक प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम में श्राया हुया वास्तविक प्रस्थावर्तित व्यक्ति है श्रीर वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं श्राया है।
- (iv) नियम 5(ख) (vii) प्रथम 5 (ख) (viii) के प्रस्तर्गत निर्धा-रिल ध्रायु सीमा में छूट का दावा करने वाले ध्रीर/या उक्त नोटिम के पैराग्राफ 7 के प्रधीन णुल्क से छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रस्था-विन्न मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावाम, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्न की एक भ्रषिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिविध् यह विख्वाम के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि यह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत स्राया है, स्थवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्न की प्राधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिधि यह विख्वान के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से स्राया हुआ वास्तविक प्रत्यावित्त व्यक्ति है भीर 1 जून, 1973 को या उसके बाद भारत स्नाया है।
- (v) नियम 5(ख) (ix) मथवा 5(ख) (x) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करने हुए विकलाग हुआ है, महानिदेशक, पुनःस्थापन, रक्षा मंत्रालय, से निम्निलिखन निर्धारित फार्म पर इस आशाय का एक प्रमाण-पन्न लेकार उसकी एक अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रनिलिप प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा मेवा में कार्य करने हुए विदेशी शन्नु देश के साथ मुंधर्य में प्रथवा मणानियस्त क्षेत्र में फीजी कार्यवाही के वौरान विकलांग हुआ और परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदबार द्वारा प्रस्तुत किए जाने बाले प्रमाण-पत्र का फार्म
प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट———के रैंक नं०————श्री——
रक्षा मेवाग्रों में कार्य करते हुए विदेशी
णत् देश के साथ संबर्ध/*श्रंशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग
हुए और उस विकलागता के परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए। हस्ताक्षर
प्रतास
दिनांक
भैजेर करूर करूर के जो बनायर करूर हैं।

*जो शब्द लागून हो उसे कृतयाकाट दें।

(vi) नियम 5(ख) (xi) प्रथवा 5(ख) (xii) के प्रन्तर्गत प्रायु-सीमा में छूट चाहने वाल उम्मीदवारों को, जो मीमा सुरक्षा वल में कार्य करने हुए विकलाग हुआ है महानिदेशक, मीमा सुरक्षा वल, गृह महा-लय मे नीचे निर्धारित कार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्न की एक प्रशिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि बहु सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणाम स्वरूप निर्मुका हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने बालें प्रमाणपत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिटके रक
म ०
सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान
विकलाग हुए भीर उस विकलांगना के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर	
तारीख	

- (vii) नियम 5 (ख) (vi) के अन्तर्गत आयु में छट चाहने वालं की निया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य तजानिया मे प्रव्रजन कर आए हुए या जाम्बिया, मलाबी, जैरे तथा इथियोपिया से प्रश्वावतित हुए उम्मीद-बार को उस क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट से जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाणपत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपयुंक्त देशों से प्रव्रजन कर आया है।
- (viii) नियम 5(ग) के अन्तर्गत आयु में छूट का वाजा करने वाले उम्मीदवार को (i) निरोधक प्राधिकारी से उनकी मुहर लगे प्रमाणपत्र की अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए यह जिसमें निकी हो कि उकत उम्मीदवार आन्तरिक सुरक्षा अनुरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत निरुद्ध हुआ था या (ii) जिस उपमंद्रल मैजिन्द्रद के क्षेत्राधिकार में वह दलाका आता हो उसके प्रमाणपत्र की एक अभित्रमाणित/प्रमाणित अति प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें निष्या हो कि उम्मीदवार भारत रक्षा तथा मौतरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के अन्तर्गत गिरक्तार या कैव हुआ था और जिसमें वे तारीख विनिर्दिष्ट हों जिनके बीच वह गिरक्तार या कैद रहा था तथा जिसमें प्रमाणित हो कि विरोध या गिरक्तारी या कैद, जैसी भी स्थिति हो, उम्मीदवार के राजनैतिक संबंधों या कार्यकलायों या तत्कालीन प्रतिबंधित संगठनों से उसके संबंध रखने के अनुसरण में थी।
- 6. जो उम्मीवनार उत्तर पैरा 5(i), (ii) और (iv) में से किसी भी वर्ग में संबद्ध है तथा नोटिम के पैरा 7 के प्रनुसार गुरूक में छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला प्रधिकारी या सरकार के राजपन्नित प्रधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के गदस्य से, यह दिखलाने के लिए कि यह निर्धारित गुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस प्राणय का एक प्रमाणपन्न लेकर उसकी प्रभिन्नमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।
- 7. जिम व्यक्ति के लिए पालता प्रमाणपल आवश्यक हो उसे अपने लिए अभीष्ट पालता प्रमाणपत जारी करने के लिए भारत सरकार के गृह

मंत्रालय (कार्मिक नथा प्रशासनिक सुधारविभाग) को ग्रावेदन करना चाहिए।

8. उम्मीदवारों की चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्न भरते समय कोई झुठा ब्यौरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना की म छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी बेतावनी दी जाती है कि वे भपने हारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविध्दि को किसी भी स्थित में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें भीर न कोई फेरबदल करें और न ही कोई फेरबदल किए गए/मृटे प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या इसमें अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई प्रणुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाएगा।

- 9. प्रावेदन पत्न देर ने प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के क्य में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि प्रावेदनप्रपत्न ही प्रमुक नारीख को भेजा गया था। धावेदन पत्न का भेजा जाना ही स्वतः इस बाल का सूचक न होगा कि प्रावेदन प्रपत्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पान्न हो गया है।
- 10. यवि उक्त परीक्षा ने संबद्ध ब्रावेदन-पत्नों की प्राप्ति की ब्राखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को ग्रपने ब्रावेदन-पत्न की पावती की सूचना न मिले तो उसे पावती सूचना प्राप्त करने के लिए ब्रायोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।
- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके प्रावेदन-पत्र के परिणाम की सूचना अथाशीझ दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचिन किया जाएगा। यदि परीक्षा के मुक्त होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार की अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा ध्रायोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे ध्रायोग से, तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह ध्रपने मामले से विचार किए जाने के बावे से वंचित हो जाएगा।
- 12. जिन पुस्तिकाश्रों में नियमावली तथा पिछली पांच परीक्षाश्रों के प्रथन-पत्नों का ब्योरा सिम्मिलित होता है, उनकी बिकी प्रकाशन नियंत्रक, सिबिल लाइन्स, दिल्ली-10054 के द्वारा की जाती है श्रीर उन्हें वहां से मेल श्राईर प्रथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिबोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया विश्विका,

"सी" ब्लाक, बाबा खड़ग सिंह सार्ग, नई विल्ली-110001 (ii) प्रकाशन शाखा के बिकी काउंटर, उद्योग भवन, नई विल्ली-110001 और कार्यालय संघ लोक सेना श्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 और (iii) गवर्नसेंट शाफ इंडिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोज, कलकत्ता-1 से भी केवल नकद पैसा देकर खरीवा जा सकता है। ये पुस्तिकायें विभिन्न मुफस्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

- 13 धायेदन-पत्नों से संबद्ध पत्न-श्यवहार:— धावेदन-पत्नों से संबद्ध सभी पत्न धार्षि सचित्र, मंघ लोक सेवा धायोग, धौलपुर हाउम, शाहजहां गोड, नई दिस्सी-110011 को भेजे आएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा धनिवार्य रूप से दिया जाए:—
 - (i) परीक्षा का नाम
 - (ii) परीक्षाका महीना ग्रौर वर्ष
 - (iii) उम्मीदवार का रोल नम्बर श्रथवा जन्म की तारीख, यदि रोल नम्बर, सूचित नहीं किया गया है।
 - (iv) जम्मीदवारकानाम (पूरा तथाबड़ श्रक्षरो में)
 - (v) ग्रावेदन-पत्नों में दिया गया पत्न व्यवहार का पाता

14. पत्ते मे परिवर्तन-- उम्मीववार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके भावेदन-पक्ष में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्न भादि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पत्ते पर मिल जाया करें। पत्ते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उत्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित व्यौरे के साथ, यथाशीव्र दी जानी चाहिए। यश्चिप आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह बोई जिम्मेवारी स्वीकार नही कर सकता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 14th February 1979

No. A. 32014/1/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri O. P. Deora permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission and at present officiating in the Selection Grade for Grade C Stenographer to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre on a purely provisional, temporary and ad hoc basis from 27-1-79 to 28-2-79 until further orders whichever is earlier.

Shri Deora should note that his appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is purely temporary and ad hoc basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade.

The 17th February 1979

No. A. 31014/2/78.Admn.III.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Assistants' Grade of the C.S.S. cadre officiating in the Section Officers' Grade of the service in the cadre of Union Public Service Commission and included in the Select List of Section Officers' Grade in respect of the same cadre, substantively in the Section Officers' Grade of the service in the cadre of the Union Public Service Commission with effect from the date specified against each:

S.No. Name & Date of confirmation

- 1. Shri B. P. Shimpi-1-12-1977.
- 2. Shri B. N. Arora-1-3-1978.

S. BALACHANDRAN. Under Secy. (Incharge of Administration) Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 26th February 1979

No. 98 RCT 18.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. S. Rathour, a permanent Assistant of this Commission as a Section Officer in this Commission in an officiating capacity with effect from 9-2-1979 to 9-5-1979 or until further orders or whichever is earlier.

R. K. SHARMA, Secretary.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 22nd February 1979

No. 14029/7/79-NEII.—In continuation of this Ministry's notification No. III-14028/9/75-NE. Vol. I dated the 1st May 1978, the President is pleased to extend the period of appointed of Shri H. Guha, as Adviser (Animal Husbandry) in the North Eastern Council Secretariat, Shillong, upto 30th June, 1979.

S. S. PARMAR, Under Secy.

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110001, the 26th February 1979

No. O.II-108/69-Estt.—Consequent on the expiry of term of re-employment in the C.R.P.F. Lt. Col. T.D. Radha-krishnan (Retd) relinquished charge of the post of Commandant G.C., CRPF Pallipuram on the afternoon of 2nd February 1979.

No. O.II-289/69-Estt.—Consequent on the expiry of term of re-employment in the C.R.P.F., Shri Ganesh Ram relinquished charge of the post of Commandant, 3 Bn, CRPF on the afternoon of 31-1-1979.

A. K. BANDYOPADHYAY. Asstt. Director (Adm.)

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 20th February 1979

No. P-30/65-Ad.V.—On reversion from the Commission of Inquiry on Maryti Affairs, Shri P. S. Mahadevan assumed

charge of the post of Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation. Special Police Establishment with effect from the forenoon of the 2nd January, 1979.

RIPDAMAN SINGH, Administrative Officer (A) C.B.I.

New Delhi, the 21st February 1979

No. T/1/73-Ad.II.—Shri Tikam Dass Sachdeva, Stenographer Grade 'B' of CSSS Cadre of Ministry of Home Affairs is retired from service w.c.f. 25-1-79 (A.N.) vide Ministry of Home Affairs Order No. A.38013/8/78-Ad.I(A) dated 29-1-79 under the scheme for voluntary retirement of Central Government Employees in accordance with the Department of Personnel & A.R. O.M. No. 25013/7/77-Estt(A) dated 26-8-77.

Shri Sachdeva relinquished charge of the post of Senior P.A. (Stenographer Grade 'B') on 25·1-79 (A.N.).

The 22nd February 1979

No. A-35018/6/78-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police Special Police Establishment, hereby appoints Shri M. J. Shukla, Sub-Inspector of Gujarat State Police, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation, Ahmedabad Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 1-2-79 until further orders.

JARNAIL SINGH, Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation,

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 23rd February 1979

No. E-16014(4)/1/75-Pers.—On repatriation, Shri H. P. Singh relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, BSL Bokaro w.e.f. the forenoon of 15th Jan. 1979.

NARENDRA PRASAD, Asstt. Inspector General (Pers.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi-110011, the 21st February 1979

No. 6/1/74-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification of even number dated 8-2-1977, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of Shri R. N. Talwar as Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India, for a further period of six months with effect from 1 January, 1979 apto 30 June 1979, or till the post is filled in on a regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Talwar will continue to be at New Delhi.

The ad hoc appointment as Assistant Director (Programme) will not bestow upon Shri Talwar any claim to regular appointment to the post of Assistant Director (Programme). The services rendered by him on ad hoc basis as Assistant Director (Programme) will not count for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. This above ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/5/77-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 4-12-1978, the President is please-1 to extend the appointment of Shri S. Jayashankar, an Investigator in the office of the Director of Census Operations, Kerala as Assistant Director of Census operations (Technical) in the same office, with his headquarters at Trivandrum, on a purely temporary and ad heo basis, for a further period of three months with effect from 1-1-1979 to 31-3-1979, or until further orders, whichever period is shorter.

P. PADMANABHA, Registrar General, India.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KARNATAKA

Baugalore, the 1st February 1979

No. ES.I/A4/78-79/778.—The Accountant General is pleased to promote Shri S. Sarangan, a permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in a purely temporary capacity until further Orders, without prejudice to the claims of his seniors, if any, with effect from the date of his taking charge.

The promotion is subject to the ultimate results of writ petition No. 4367 of 1978 filed in the Supreme Court.

The 16th February 1979

No. ES.I/A4/78-79/810.—The Accountant General is pleased to promote the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the date of their taking charge.

S/Shri.

- 1. T. S. Krishnamurthy (1).
- 2. M. C. Srinivasan,

The promotions are subject to the ultimate results of Writ Petition No. 4367 of 1978 filed in the Supreme Court.

M. A. SOUNDARARAJAN, Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF HE CHIEF AUDITOR, CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 24th February 1979

No. Au/Admn/Mics/Con/1371.—Shri S. V. Subramanian an officiating Audit Officer of this office is appointed in a substantive capacity to the Audit Officer's grade with effect from 1-4-1978.

No. Au/Admn/Misc/Con/1371.—Shri M. N. Rana an officiating Audit Officer of this office is appointed in a substantive capacity to the Audit Officer's grade with effect from 1-4-1978.

No. Au/Admn/misc/Con/1371,—Shri M. R. Joshi an officiating Audit Officer of this office is appointed in a substantive capacity to the Audit Officer's grade with effect from 1-8-1978.

No. Au/Admn/Misc/Con/1371.—Shri G. D. Bhagwat an officiating Audit Officer of this office is appointed in a substantive capacity to the Audit Officer's grade with effect from 1-8-1978.

A. N. BISWAS, Chief Auditor

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 15th February 1979

No. 7/79/G.—On attaining the age of 58 years Shri T. F. Decunha, offg. Dy. Manager (Subs/Permt. Foreman) retired from service with effect from 31-12-78 (AN).

V. K. MEHTA.
Assistant Director General, Ordnance Factories,

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 20th February 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/806/67-Admn(G)/1527.—On attaining the age of superannuation, Shri R. P. Basu, a permanent Section Officer of CSS and an officiating Deputy Chief Controller of Imports and Exports relinquished the charge of the post in this office on the afternoon of the 31st January, 1979.

No. 6/1006/73-Admn(G)/1538.—On attaining the age of superannuation, Shri B. L. Malhotra, an officer of the Section Officer's Grade of the CSS relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31st January, 1979.

The 27th February 1979

No. 6/1072/75-Admn(G)/1778.—On attaining the age of superannuation, Shri C. K. Nair, relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Madras, on the afternoon of the 31st January, 1979.

K. V. SESHADRI, Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 17th February 1979

No. 10(2)/77-79/CLB-II.—In exercise of the powers conferred on me by clause 5(1) of the Cotton Control Order, 1955, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 10(1)/73-74/Cl.B-II, dated the 19th December, 1974, namely:—

- 1. In the Schedule appended to the said Notification:-
 - (1) in the existing entry in column 3 against S. No. 1, for the words and mark "two months'", the words and mark "three months'" shall be substituted.
 - (2) in the existing entry in column 3 against S. No. 2, for the words and mark "three and half months'", the words and mark "four and half months'" shall be substituted,
- (3) in the existing entry in column 3 against S. No. 3, for the words and mark "three months", the words and mark "four months" shall be substituted.
- 2. In the second proviso below the Schedule, for the words "four and half months", the words "six months" shall be substituted.

G. S. BHARGAVA, Joint Textile Commissioner

DEPARTMENT OF SUPPLY DTE, GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMN, SECTION A-6)

New Delhi, the 21st February 1979

No. A6/247(36)/II.—Shri Z. A. Saiyed permanent Assistant Inspecting Officer (Engg.) and officiating Inspecting Officer (Engg.) [Grade III of IIS (Group A) Engg. Branch] in the office of Director of Inspection, Bombay retired from service w.e.f. 31st January 1979 on attaining the age of supsuperannuation.

The 24th February 1979

No. A-6/247(322).—Shri A. N. Chatterjee, permanent Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service, Group A) (Engg. Branch) and officiating Dy.

Director of Inspection (Fingg.) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A' (Engg. Branch) in the Calcutta Inspection Circle, retired from Govt. Service on the afternoon of 31-1-1979 on attaining the age of superannuation (58 years).

P. D. SETH. Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nappur, the 26th February 1979

No. As19011(225)/78-Fstt A.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Taluja, Senior Technical Assistant (Ore Dressing) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 2/2/1979, until further orders,

S. BALAGOPAL, Head of Office Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 20th February 1979

No. C-5468/718.A.—The ad hoc appointment of Shri U. S. Srivastava as Establishment and Accounts Officer in Surveyor General's Office w.c.f. 27-11-78 for 60 days vide this office Notification No. C-5449/718-A dated the 21st. December, 1978 is extended for a further period of 8 days from 26-1-79 to 2-2-79 vice Shri J. P. Sharma, Establishment and Accounts Officer, S.G.O. proceeded on leave for 15 days from 19th January, 1979 to 2nd February, 1979.

K. J., KHOSLA, Major General, Surveyor General of India (Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 20th February 1979

No. 6(117)/63-SL.—The Director General. All India Radio, hereby appoints Shri K. V. Rao, Transmission Executive, All India Radio, Jeypore as Programme Executive at the same station in a temporary capacity with effect from 2-2-1979 and until further orders.

No. 5(85)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri K. M. Sharma. Transmission Executive. All India Radio, Hyderabad as Programme Executive, All India Radio. Vijayawada in a temporary capacity with effect from 6th February. 1979 and until further orders.

The 23rd Feburary 1979

No. 6(96)/63-SJ.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Ram Swarup, Transmission Executive, Commercial Broadcasting Service. All India Radio, New Delhi as Programme Executive in the same office in a temporary capacity with effect from 30th January, 1979 and until further orders.

No 6(110)/63-SL.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri P. T. Mathew, Transmission Executive, All India Radio, Trivandrum as Programme Executive at the same station in a temporary capacity and on ad hoc basis February, 1979 and until further orders.

No. 5(111)/67-SL--The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri P. C. Adhikati, Transmission Executive, All India Radio, Ratnagiri as Programme Executive at the same station in a temporary capacity and on ad hoc basis with effect from 1st February, 1979 and until further orders.

No. 5(118)/67-SI.—The Director General, All India Radio, hereby declares Shri M. Vasudevan. Transmission Executive, All India Radio, Trichur as Programme Executive, at the same station in a temporary capacity w.e.f. 1st February, 1979 and until further orders, 14-506GI/78

No. 5(120)/67-SI—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri J. R. C. Patro, Transmission Executive, All India Radio, Hyderabad as Programme Executive at the same station in a temporary capacity with effect from 31st January, 1979 and until further orders,

H. D. KHERA, Dy. Director of Administration, for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th February 1979

No. A.19019/3/77-CGHS-I.—On transfer from the CGHS Hyderabad, to the CGHS, Delhi Dr. (Mrs.) Padmini Das relinquished charge of the post of Homocopathic Physician, CGHS. Hyderabad, on the forenoon of the 10th January, 1979 and assumed charge of the same post at Delhi on the forenoon of the 12th January 1979.

N. S. BHATIA, Dy. Director Admn. (CGHS-I).

New Delhi, the 16th February 1979

No. A.38012/1/79(HQ)Admn.I.—The Government of India announce with profound regret the death of Shri R. N. Sinha. Director of Admn. & Vigilance, Directorate General of Health Services on the 15th December, 1978.

The 23rd February 1979

No. A.-12025/8/78(AIIHPH)Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. Debabrata Banerjee, Assistant Research Officer (Psychologist), All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, to the post of Assistant Professor of Psychology at the same Institute, with effect from the forenoon of the 25th September 1978 on temporary basis and until further orders.

No. A. 12026/31/78(RMLH)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. Lall, Medical Social Worker, Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi to the post of Medico Social Service Officer in the same Hospital, with effect from the foreneon of the 16th January, 1979, on an ad hoc basis, and until further orders.

S. L. KUTHIALA, Deputy Director Admn. (O&M)

CENTRAL GOVT. HEALTH SCHEME

New Delhi, the 19th February 1979

No. 7-119/78-CGHS.Estt.IV/273.—In pursuance of Sub-Rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Services) Rules, 1965. I hereby give notice to Shri Ramesh Chand Sharma. Dressor, that his services shall stand terminated w.e.f. the date of expiry of a period of one month from the date on which this notification is published in the Gazette of India.

V. K. JOTWANI, Deputy Director (CGHS) Delhi.

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 19th February 1979

No. A-19023/54/78-A.HI.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group 1) in this Directorate, Shri G. S. Niraniane handed over charge of the post of Marketing Officer at Bombay in the afternoon of 20-1-1979.

The 23rd February 1979

No. A-19023/37/78-A.III.—Consequent on his promotion to the post of Deputy Senior Marketing Officer (Group I)

in this Directorate, Shri M. B. K. Rao handed over charge of the post of Marketing Officer at Madras in the afternoon of 30-12-1978.

B. I.. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser,
to the Govt, of India.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 17th February 1979

No. DPS/21/1(3) /78-Est/5746.—Further to this Directorate Notification No. DPS/41(2)/77-Adm/26153 dated October 10/13, 1978, the Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Vasant Yeshawant Gokhale, a permanent Upper Division Clerk (Junior Storekeeper) as officiating Assistant Stores Officer in an ad hoc capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from November 30, 1978 (AN) to January 25, 1979 (FN) and in a regular capacity with effect from January 25, 1979 (FN) in the same Directorate until further orders.

No. DPS/21/1(3)/78-Est/5756.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Ultam Tabaji Satpute, a permanent Upper Division Clerk (Junior Storekeeper) and officiating Storekeeper in the Directorate of Purchase and Stores to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from forenoon of January 25, 1979 until further orders.

No. DPS/21/1(3)/78-Est/5766.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Kanuba Pandurang Doiphode an officiating Store-keeper in the Directorate of Purchase and Stores to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same directorate with effect from the forenoon of January 25, 1979 until further orders.

K. P. JOSEPH,

For Administrative Officer

Bombay-400 001, the 17th February 1979

No. DPS/41(2)/77-Adm./5734,—In continuation of this Directorate Notification of even number dated October 13, 1978, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Storekeepers in the Central Stores Unit, Trombay to officiate as Assistant Stores Officers on an ad hoc basis for a further period ending January 24, 1979 (AN).

- 1, Shri Mihir Chandra Roy.
- 2. Shri Muliyappurath Raju.

B. G. KUI.KARNI,
Assistant Personnel Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 8th February 1979

No. NAPP/Adm/1(104)/79-S/1511.—Consequent on his transfer to Bhabha Atomic Research Centre, Bombay Shri K. R. C. Pillal officiating Assistant Personnel Officer in this Project relinquished charge of his post on the forenoon of January 31, 1979.

S. KRISHNAN, Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATION'S CENTRE

Ahmedabad-380 053, the 14th February 1979

No. RSA/OU/10/79.—The Director is pleased to appoint Shri Ashutosh S. Trivedi as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre/Indian Space Research Organisation/Department of Space, with effect from the forenoon of March 1, 1978 for a period upto August 31, 1979.

S. G. NAIR, Head, Personnel & General Admn.

VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 17th February 1979

No. VSSC/EST/NTF/79—The Director, VSSC hereby appoints the undermentioned persons in Vikram Sarabhai Space Centre, Trivandrum of the Department of Space as Scientists/Engineer SB in an officiating capacity in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the dates shown against each and until further orders:—

Sl No,	Name	Designation	Divn./ Proj.	Date of appoint- ment
1	2	3	4	5
1.	Shri A. S. Sankara- narayanan	Scientist/ Engineer SB	STR	30-9-78 (A N)
2	Shri R. Viswanathan Unnithan	Scientist/ Engineer SB	FRP	1-4-78

RAJAN V. GEORGE Admn. Officer-II (Est) for Director VSSC

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 21st February 1979

No. A-12034/4/79-EA.—Shri A. C. Raizada, Asstt. Aerodrome Officer, Safdarjung Airport, New Delhi retired from Government service on the 31st January, 1979 A.N on attaining the age of superannuation.

H. L. KOHLI Director of Administration

New Delhi, the 23rd February 1979

No. A 32014/2/77-EC—Scrial No. 3 and 4 of this Department Notification No. A 32014/2/77-EC dated 31-3-78 is amouded to read as under:—

SI No	Name	Present Stu. of posting	Station to which posted	Date of assump- tion of charge
1	2	3	4	5
3.	Shri Sat Paul Singha	Aero Comm. Station Palam	Aero Comm Station Safdarjung, Airport, N. Delhi	. 18-2-78 (AN)
4.	Shi i Shyam lal	Aero Comm. Station Safdarjung Airport, N, Dolhi	Aero Comm. Station Safdarjung Airport, N. Delhi	18-2-78 (AN)

No. A.38012/1/79-EC.—Shri G. S. Karnani, Assistant Communication Officer in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi relinquished charge of his office on 31-1-79(AN) on retirement from Govt, service on attaining the age of superannuation.

S. D. SHARMA Deputy Director of Administration

New Delhi, the 26th February 1979

No. A.35018/1/79-EA,—The Director General of Civil Aviation has been pleased to accept the resignation from Govt. Service of Shri J. B. R. P. Rao, Asstt. Aerodrome Officer, Madras Airport, Madras with effect from the 31st January, 1979 AN.

V. V. JOHRI Asstt. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 19th February 1979

No. 1/357/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. V. Varadan, Technical Assistant, Switching Complex, Bombay, as Assistant Engineer, in an officiating capacity, purely on ad hoc basis, in Headquarters Office/Switching Complex, Bombay, for the following periods:—

FROM TO (1) 2-1-1978 18-2-1978 (2) 17-4-1978 17-6-1978

The 20th February 1979

No. 10/1/78-EST(8).—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. S. Kulkurni as Assistant Engineer in an officiating capacity in Arvi Branch with effect from forenoon of the 23rd September, 1978 and until further orders.

Shri Kulkarni was realised from Overseas Communications Service on the afternoon of the 30th December, 1978, on repatriation, of his own request, to his parent Department viz the Bangalore Telephones, Bangalore.

No. 1/473/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Anand Kumar as Assistant Engineer in a temporary capacity in Switching Complex, Bombay, w.c.f. the forenoon of the 1st January, 1979, and until further orders.

No. 1/474/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. N. Manohar, as Assistant Engineer in a temporary capacity in Switching Complex, Bombay with effect from the forenoon of the 26th December, 1978, and until further orders.

The 21st February 1979

No. 1/439/78-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. P. Naskar. Supervisor., Calcutta Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 20-7-78 to 1-11-78 (both days inclusive), against a short-term vacancy, on ad hoc basis.

The 22nd February 1979

No. 1/409/78-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. Ramkrishna Rao. as Assistant Engineer, in Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 29th September, 1978, and until further orders.

No. 1/476/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. Viswanath as Assistant Engineer, in a temporary capacity, in Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 1st January, 1979, and until further orders.

The 24th February 1979

No. 1/471/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. Veluswamy as Assistant Engineer in a temporary capacity, in Switching

Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 28th October, 78, and until further orders.

No. 1/475/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Binod Kumar Mishra as Assistant Engineer in a temporary capacity, in Switching Complex, Bombay, w.e.f. the forenoon of the 2nd January, 1979, and until further orders.

P. K. G. NAYAR Director (ADMN) for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Patna, the 26th February 1979

No. II(7)2-ET/79/2199.—In pursuance of Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi's order No. 141/78 dated 2-9-78 issued under F. No. A-22012/20/78-Ad.II, Shri K. K. Srivastava probationer appointed to the Indian Customs and Central Excise service Group 'A' on the basis of I.A.S. ctc examination, 1975 has assumed charge as Superintendent, Group 'A' in Central Excise and Customs Collectorate, Patna on 13-11-78 (F.N.).

D. K. SARKAR Collector Central Excise, Patna

Madras, the 21st February 1979

No. 1.—Shri S. Nagarajan, Temporary Appraiser (now officiating as Asst. Collector) is confirmed as Appraiser with effect from 10-2-1972 against permanent vacancy available due to retirement of Shri R. Viswanathan.

No. 2.—Shri P. O. Thomas, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-10-1968 against temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. 2/44/68-Ad.IV dt. 20-4-69.

No. 3.—Shri Mir Inayathullah, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 11-10-1968 against permanent vacancy available due to confirmation of Shri M. C. Kothandaraman as Principal Appraiser.

No. 4.—Shri P. C. Nayak, Temporary Appraise: is confirmed as Appraiser with effect from 21-2-1971 against permanent vacancy available due to the retirement of Shri E. S. Narayanan.

No. 5.—Shri D. Ramachandran, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 26-7-1970 against permanent vacancy available due to confirmation of Shri V. M. K. Nair, as Principal Appraiser.

No. 6.—Shri D. M. Paranjpe, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 26-7-1971 against permanent vacancy available due to retirement of Shri T. Rathnakar Rao.

No. 7.—Shri A. S. Sundararajan, Temporary Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 28-11-1971 against temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A.11012/15/71-Ad.IV dt. 26-11-71.

No. 8.—Shri James Hobday, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A.11012/15/71-Ad.IV dt. 26-11-71.

No. 9.—Shri S. Gopalan, Temporary Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 3-12-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A. 11012/15/71-Ad. IV dt. 26-11-71.

No. 10.—Shri K. V. Kunhikrishnan, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A. 11012/15/71-Ad. IV dt. 26-11-71.

No. 11.—Shri P. V. Damodaran Nair, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A. 11012/15/71-Ad.IV dt. 26-11-71.

- No. 12.—Shri Ram Mohan Rao, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1.8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A.11012/15/71-Ad,IV dt. 26-11-71.
- No. 13.—Shri C. N. Chandran, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter If. No. A. 11012/15/71-Ad.IV dated 26-11-71.
- No. 14.—Shri A. Vedakrishnan, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A.11012/15/71-Ad.IV dt. 26-11-71.
- No. 15.—Shri K. C. Menon, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A.11012/15/71-Ad.IV dt. 26-11-71.
- No. 16.—Shri K. R. Das, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A.11012/15/71-Ad.IV dt. 26-11-71.
- No. 17.—Shri R. Shankaran, Temporary Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 30-8-1974 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A.11012/15/71-Ad.IV dt. 26-11-71.
- No. 18.—Shri S. Subba Rao, officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A.11012/15/71-Ad.JV dt. 26-11-71.
- No. 19.—Shri Madhasudhan Prasad, Temporary Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 7-5-75 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A.11012/15/71-Ad.IV dt. 26-11-71.
- No. 20.--Shri C. Padmanabhan, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A. 11012/15/71-AdJV dated 26-J1-71.
- No. 21.—Shri K, K, Kapur, Temporary Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 23-8-1974 against a temporary post made permanent vide Ministry's Jetter F. No. A. 11012/15/71-Ad.IV dated 26-11-71.
- No. 22.—Shri D. Kannan, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A. 11012/15/71-Ad.IV dated 26-11-71.

A. C. SALDANHA Collector of Customs

DIRECTORATE OF INSPECTION AND AUDIT, CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 20th February 1979

- No. 1/79.—Shri D. L. Kholkute, lately posted as Assistant Collector of Central Excise, Bombay and on transfer to the West Regional Unit of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise at Bombay vide Govt. of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue) Order No. 189/78 (F. No. A-22012/19/78-Ad.II) dated 24-11-1978, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'A' on the 1st January, 1979 (Forenoon).
- 2. Shri B. C. V. Narasa Raju, lately posted as Superintendent Central Excise Group 'B', Hyderabad Collectorate on transfer to the Central Regional Unit of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise at Hyderabad vide Directorate's Order F. No. 1041/17/78 dated 6-11-1978, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'B' on 20-11-1978 (Afternoon).

M. V. N. RAO Director of Inspection

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 26th February 1979

No. 6(7)CRA/78.—The Director General of Shipping, Bombay hereby appoints Smt. G. Sarada Ramakrishna to Officiate as Asstt. Director, Scamen's Employment, Calcutta with effect from the forenoon of the 24th January, 1979 & until further orders.

K. S. SIDHU Dy. Director General of Shipping.

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTORATE GENERAL WORKS

New Delhi, the 22nd February 1979

No. 23/2/77-EC-II—The following officers of Central Public Works Department have refired from the Government service on attaining the age of superannuation with effect from 31st December, 1978 (A.N.)

Nume of Officer Present Designation

1. Shel S.K. Luhici ... Executive Engineer (Valuation), Unit No. VIII, Income Tex Department, (C. B. D. T.) Culcutta .

2. Shel B. K. Chawla Executive Engineer (Elect.) Central Elect. Division No. V, CPWD

No. 23/2/77-EC II—The following Officers of Central Public Works Department have retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31st January 1979 (A.N.)

New Delhi.

Name of Officer Present Designation .. Director General (Works), C.O. 1. ShriV. R. Vaish CPWD, N w D lhi. .. Chief Engineer (Electricity), CPWD., New Delhi. 2. Shri T. P. Basu . 3. Shei C. Doss Gupta .. Executive Engineer (Civil) (Vigilance Unit), C. O. (Civih CPWD., New Delhi. .. Executive Engineer (Valuation)
Unit No. VI Income Tax
Department (CBDT), 4. Shii M. M. Roy Choudhu_i y Cilcutta. Shri D. R. Khana . . Executive Engineer (Elect.) Central Elect. Store Division CPWD, New Delhi. .. Executive Engineer (Civil), Valuation Income Tax De-Shei D. C. Goel partment, Allahabad, 7. Shri B. R. Mahajan, ... Executive Engineer (Valuation), Incom: Tax Deptt., New Delhi.

S. S. P. RAU

Dy. Director of Administration

for Director General (Works)

DIRLCTORATE OF ESTATES

New Delhi, the 17th February 1979

- No. A-20013/2/78-Admn.'B'.—Shri B P. Aggarwal. Superintendent (Legal) of the Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Deptt. of Legal Affairs) who was concurrently holding the post of Assistant Director of Fstates (Litigation) in the Directorate of Estates, has vacated the said post in the Directorate of Estates with effect from the forenoon of the 5th February, 1979.
- 2. Shri Mahesh Prakash, Superintendent (Legal) is appointed concurrently as Assistant Director of Estates (Litigation) in the Directorate of Estates, Mnistry of Works

and Housing with effect from the forenoon of the 5th February, 1979, until further orders.

P. S. AGGARWAL Deputy Director of Estates (Office)

SOUTH EASTERN RAILWAY

- Calcutta-43, the 19th February 1979

No. P.G/14D.2/Conf. Pt.II.—Shri N. L. Roy, a Class II Officer of the Accounts Department of this Railway is confirmed as Assistant Accounts Officer (Class II) in that Department on this Railway with effect from 1st March, 1977.

J. S. D. DAVID General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS:

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Industrial Agents Private Ltd.

Bangalore, the 19th February 1979

No. 418/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Industrial Agents Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M.s. Merry Land Financiers and Chit Fund Private Ltd.

Bangalore, the 19th February 1979

No. 1852/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Merry Land Financiers and Chit Funds (P) Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. West Coast Forest Trust Ltd.

Bangalore, the 19th February 1979

No. 1271/560/78--Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. West Coast Forest Trust Ltd unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Prestige Crown Cork Private Ltd.

Bangalore, the 19th February 1979

No. 2230/560/77—Notice is hereby given pulsuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Prestige Crown Cork Private Ltd unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. E. G. Paul Electronles Private Ltd.

Bangalore, the 19th February 1979

No. 2231/560/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Δct , 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s, E. G. Paul Electronics Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Hotel Saresh Private Ltd.

Bangalore, the 19th February 1979

No. 2365/560/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Hotel Saresh Private Ltd, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sangham Agencies Private Ltd.

Bangalore, the 19th February 1979

No. 2495/560/77.—Notice is heroby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s, Sangham Agencies Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Unique Tools Private Ltd.

Bangalore, the 19th February 1979

No. 2775/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Unique Tools Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mateon's Engineering Company Private Ltd,

Bangalore, the 19th February 1979

No. 2933/560.78—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mateon's Engineering Company Private 1.td. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Canara Agro Industries Private Ltd.

Bangalore, the 24th February 1979

No. 3053/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1920 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Canara Agio Industries Private Ltd, unless cause is shown to the contrary, will be struck off—the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M.s. Tiptur Mitra Trading Chit Funds Private Ltd.

Bangalore, the 24th February 1979

No. 1945/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Tiptur Mitra Trading Chit Funds Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. D. B. M. Pulp Products Industrics Private Ltd.

Bangalore, the 24th February 1979

No. 2487/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. D. B. M. Pulp Products Industries Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Padua Chemicals Private Ltd.

Bangalore, the 24th February 1979

No. 2565/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Padua Chemicals Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Vinayaka Automobiles Private Ltd.

Bangalore, the 24th February 1979

No. 2672/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Vinayaka Automobiles Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Sathya Oil Extractors Private Ltd.

Bangalore, the 24th February 1979

No. 2682/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sathya Oil Extractors Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Arunodhaya Chit Fund Private Ltd.

Bangalore, the 26th February 1979

No. 1770/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Arunodhaya Chit Fund Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Indad Private Ltd.

Bangalore, the 26th February 1979

No. 2211. 560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Indad Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. S. N. Hot Coll Springs Private Ltd.

Bangalore, the 26th February 1979

No. 2666/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. S. N. Hot Coil Springs Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ultra Metal Industries Private Ltd.

Bangalore-9, the 26th February 1979

No. 1763/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Ultra Metal Industries Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companics Act, 1956 and of M/s. Chamarajanagur Sugar Private Ltd.

Bangalore-9, the 26th February 1979

No. 1596/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Chamarajanagar Sugar Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Prema Kumari Chit Funds and Trading Company Private Ltd.

Bangalore-9, the 26th February 1979

No. 2328/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Prema Kumari Chit Funds and Trading Company Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bala Sahitya Mandala Private Ltd.

Bangalore-9, the 26th February 1979

No. 1056/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Bala Sahitya Mandala Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sri Gayathri Chit Funds Private Ltd.

Bangalore-9, the 26th February 1979

No. 1647/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri Gayathri Chit Funds Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Pullkkal Trading and Chit Funds Private Ltd.

Bangalore-9, the 26th February 1979

No. 1962/560/78.—Notice is hereby given putsuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Pulikkal Trading and Chit Funds Private I.td., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Arul Chit Funds Private Ltd.,

Bangalore-9, the 26th February 1979

No. 1993/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Arul Chit Funds Private Ltd.. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Primex Motor Company Ltd.,

Bangalore-9, the 26th February 1979

No. 1764/560/78,—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Primex Motor Company Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Exsential Coal and Mineral Co. (Pvt.) Limited

Kanpur, the 19th February 1979

No. 1633/3209-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Essential Coal & Mineral Company (Private) Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Hind Farms and Dairies Limited (In Lign.)

Kanpur, the 21st February 1979

No. 1897/1590-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Hind Farms and Dairies Limited (In Liqn) has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Uttera Khand Tourist Roadways Limited

Kanpur, the 19th February 1979

No. 1635/2877-I.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Uttera Khand Tourist Roadways Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Beopar Sahayak Bank Limited (In Liqn)

Kanpur, the 21st February 1979

No. 1898/48-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Beopar Sahayak Bank Limited (In Liqn) has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN Registrar of Companies, U.P. Kanpur

In the Matter of Companies Act 1 of 1956
And

In the matter of Wire Machinery Manufacturing Corporation Limited

Calcutta, the 21st February 1979

No. 25538(Liqn.) H.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 19th day of September 1977 and the Official Liquidator, High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

R. K. BHATTACHARYA Asstt. Registrar of Companies, West Bengal, Calcutta In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s.
United Packers Private Limited, Indore

Gwalior, the 22nd February 1979

No. 1081/R/7713.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the United Packers Private Limited, Indore, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Mundra Sales Private Limited, Dewas

Gwalior, the 22nd February 1979

No. 1082/R/7716.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Mundra Sales Private Limited, Dewas, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies, Madhya Pradesh, Gwalior

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Aswathl Hotels Private Limited

Madras, the 23rd February 1979

No. DN/6021/560/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Aswathi Hotels Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

U. PANCHAPAKESAN Asstt. Registrar of Companies, Tamil Nadu, Madras

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Pondicherry United Financial and Trading Corporation Private Limited

Pondicherry, the 26th February 1979

C. No. 42.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name 'Pondicherry United Financial and Trading Corporation Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

S. R V. V. SATYANARAYANA Registrar of Companies, Pondicherry.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 20th February 1979

CORRIGENDUM

Notice No. 243/78-79/Acq.—The notice u/s. 269(D) of the Income-tax Act, 1961 dated 17-1-1979 was published in Part III Section I of the Gazette of India at page No. 1174 (English). On page two of the notice name of the transferor may be read as "Shri Balanagouda Adopted S/o Shri Balanagouda Patil" instead of "Shri Balanagouda Adopted S/o Shri Basanagouda Patil".

P. RANGANATHAN
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Dharwar

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II 4/14A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. IAC/Acq. II/June-43/3895/78-79/6333.—Wherebeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. XIV/10939-40, 10947-51 (New) situated at Mandir Marg, Doriwalan, Shidipura, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 16-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sudershan Kumar, s/o Sh. Bihari Lal Sachdevi, r/o 233, Gali Post Office, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ranjit Kaur, w/o S. Raghbir Singh r/o 101, Model Basti, New Delhi & Smt. Gurcharan Kaur, w/o S. Joginder Singh, r/o 10108, Rani Jhansi Road, Filmistan, Bara Hindu Rao, Delhi,

(Transferee)

(3) 1. Shri Malak Chand Subhash Chander Property No. 10951

2. Sh. Raghbir Singh loginder Singh

Gujrat Tent House Property No. 10948.

List of Unauthorised Tenant

1. Sh. Ram Lubhaya
2. Sh. Mohan Lal
3. Smt. Diwan Devi
4. Sh. Malik Singh
5. Sh. Hari Singh
Property No. 10949
Property No. 10949
Property No. 10949
Property No. 10949

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storyed property No. XIV/10939-10949, 10947-10951 (New), measuring 222 sq. yds. situated at Mandir Marg, Doriwalan, Shidipura, Delhi and bounded as under:---

East: Property No. XIV/10952 West: Property No. XIV/10941

North: Gali South: Gali

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 28-2-1979

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 4/14A, ASAF ALL ROAD, NEW DULHI-110001

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. IAC/Acq. II/June-28/3887/78-79/6333.---Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 526 situated at Katra Ashrafi, Chandni Chewk. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---15-506GI/78

(1) M/s. Nathuram Natain Pet. Ltd. Rustam Building, Church Gate, Fort, Bombay-through Sh. Madan Lal.

(Transferor)

(2) Shri Sunil Kumar Jain, 570 Sh. Madan Lal Jain, 170 3073, Partap Street, Near Golcha Cinema, Darya Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of Shop No. 526, Iliaqa No. 5, measuring 33 sq. yds. situated at Katra Nagpur, Katra Ashrafi, Chandni Chowk, Delhi and bounded as under:—

East: Wall & Property No. 529/12 & 527/23

West: Wall Shop No. 526

North: 1/2 of Shop No. 526

South: Passage

R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range II, Dolhi/New Delhi

Date: 28-2-1979

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. IAC/Acq. II/June-31/3890/78-79 6333.—Where-au I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. G-36 situated at Old Market, West Patel Nagat, New Delhi

(and more fully described in the schedule

annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 13-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Smt. Bhagwan Devi, wd/o Sh. Govind Lal r/o B-6/114, Tibbia College, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Inderjit Verma, s o Sh. Chandu Lal Verma & Sh. A. k. Berma, s/o Sh. Inderjit Verma, 1/o 16B/22, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt, built Shop No. G-36, measuring 69.87 sq. yds. situated at old Market, West Patel Nagar, New Delhi and bounded as under:—

East: Shop No. 36-F

West : Open North : Lane

South: Open Chowk,

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 28-2-1979

FORM ITNS----

(1) Shri Dr. K. K. Nanda, r/o F-9, Sector-14, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. L. Chopra & Smt. Usha Chopra, r/o D-17, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-[1000]

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. 1AC/Acq. 11/June-62/3907/78-79/6333.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. J-12/15 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 15 Block No. J-12, situated at Rajouri Garden, New Delhi and measuring 485 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II.
Delhi/New Delhi

Date: 28-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No, IAC. Acq. I/SR-III/500/June-I(24)/78-79/6343. E-Wherens I. MISS ANJANI O7A

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. A-399 situated at Defence Colony New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 8-6-78

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :---

 S. Satinder Singh S/o S. Iqbal Singh, C-212, Greater Kailash-1, New Delhi through his GA Sh. Inderjit Singh Khurana S/o S. Mohan Singh Khurana, C-211, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferce)

(2) Sh. Gurbux Gobind Ram Rariwalla S/o Sh. Gobind Ram Mariwala, A-339, Defence Colony, New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

INPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sail Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A lease hold plot of land measuring 217 sq. yard including 21 storeyed building constructed on it, and bearing No. A-399, Defence Colony, New Delhi and bounded as under:

East: Road,
West: S. Lane

North: House No. A-400

South : A-398

MISS ANJANI OZA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range 1. Delhi/New Delhi

Date: 28-2-1979

PORM ITNS

(1(Smt. Santosh Kumari Jain W/o Shri Gian Chand Jain, B-3, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2- Smt. Mohini Devi w/o Shri Babu Lal Gupta, WZ-241, B, Inder Puri, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. IAC. Acq. 1/SR-HI/510/June-H(3)/1978-79-6343. -Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Agricultural land situated at Village Samlaka (New Delhi) (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 17-6-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, Killa No. 9, detailed as under :--Khasra No.

13 14 17/1

Situated at Village Samlaka, New Delhi

MISS ANIANI OZA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I. Delhi/New Delhi

Date: 28-2-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. IAC. Acq. I/SR-HI/June-II(10)/78-79/515/6343
---Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. D-70 situated at

Defence Colony, New Delhi

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 19-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Brig. Nirmal Kumar Mitra (Retd) S/o Sh. Upendra Kumar Mitra, 20, Apartment Royal Hostel, Meerut, Cantt. (Transferor)
- (2) Shri Raj Pal Malhotra S/o Gyan Chand Malhotra D-70, Defence Colony, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 1½ storeyed pacca residential building and the land on a lease hold plot bearing No. D-70 measuring 342 sq. yards situated at Defence Colony, New Delhi and bounded as under:—

North: Service Lane
South: Ring Road
East: D-69 Defence Colony

East: D-69 Defence Colony West: The side road facing nalaha.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I.
Delhi/New Delhi

Date: 28-2-1979

and the second s FORM ITNS---

(1) Shri Raj Paul S/o Shri Gian Chand D-70, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 1

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. IAC Acq. I/SR-III/508/June. 46/1978-79/6343.
-Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

L-36, situated at Kalkaji (New Delhi)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 15-6-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(2) Shri Jasbir Singh Dham S/o Shri Jiwan Singh Dham, 16/2, Kalkaji, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. L-36 measuring 380 sq. yards situated at Kalkaji, New Delhi and bounded as under:
North: Plot No. L-37
South: Lane

Lane East : Lane West : Road.

> MISS ANJANI OZA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I New Delhi

Date: 28-2-1979

Scal :

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. IAC Acq. I/S.R. III/517/Junc-II(16)/78-79.—Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Shop No. 41 situated at Masjid Road.

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 21-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as tigreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : - -

- (1) Shri Rattan Lal son of Shri Kanshi Ram, Resident of 340 J. J. Colony, Hastel, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Piara Lal and Shri Harish Chander Bedi sons of Maharaj Kishen Bedi, Residents of 2/15 Double Storey, Jangpura Ext., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop No. 41 measuring 351 Sq. ft. charged 50: 50 to ground floor and first floor situated at Masjid Road, Jangpura Ext., New Delhi.

MISS ANJANI OZA.

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range J New Delhi

Date: 28-2-1979

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Gopi Chand son of Nandu and Yadu son of Shri Jawahr: Resident of Jonapur, Delhi.

(Transferor)

(2) Sardarni Nirlep Kaur wife of Shri Rajdev Singh Resident of Gobind Sadan, New Delhi.

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE 1

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. IAC Acq. I/S.R. III/513/June-II(6)/1978-79.—Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and betaring

No. Agricultural lands situated at Village Jonapur (New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 17-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-16--506GI/78

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 18 Bighas and 13 Biswas

detailled as under M. No. 11, Killa No. 20/3 (1

M. No. 12 Killa No. 16/2

24 (4-25 (4

situated at Village Jonapur, New Delhi

MISS ANJANI OZA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range New Delhi

Date: 28-2-1979

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. IAC Acq. I/S.R. III/493/June-1(11)/1978-79/6343.—Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural lands situated at Village Sultunpur, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 5-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Shiv Lal son of Shri Chanan Ram, Resident of M-7, Malvianagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Vijay Kumar, Shri Surinder Kumar and Shri Narinder Kumar sons of Shri Om Parkash Residents of 1552 Kotlamubarakpur, New Delhi, (Transferce)
- (3) Shri Jagdish Rai son of Shri Prabha Ram known as Labharam, Shrimati Satya Devl wife of Shri Jagdish Rai and Shri Om Parkash son of Shri Wali Ram Resident of 1553 Kotlamubarakpur, New Delhi.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 15 Bighas and 1 Biswa detailed as under:—

Khasra Number 752 4—16 753 3—6 754 6—19

situated at village Sultanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi,

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range I.
New Delhi

Date: 28-2-1979

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. IAC Acq. I/S.R. III/June/512/1978-79.—Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural lands situated at Gadaipur, Tehsii Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 19-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Mrs. Ahilya Bal Vohra wife of Mr. B. J. Vohra Resident of 4-Birkdale Drive St. Catharines Ontario Canada. trough her General Attorney Ral Sahib Devi Dayal Verma, Resident of 8 West Patel Nagar, New Delhl.

(Transferor)

(2) S/Shri Narinder Singh, and Varinder Singh House No. 1096 Gali No. 10 Gobindpuri, Kalkaji, New Delhi.

('Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 14 Bighas and 19 Biswas, detail as under.

Khasra Nos. 430 (0—4) 431 (0—4) 432 (4—16) 433 (4—16) 434 (4—16) 437 (0—3)

situated at village Gadaipur, New Delhi.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge I,
New Delhi

Date: 28-2-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITON RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1979

Ref. No. ASR/78-79/117.—Whereas, I G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot of land Khasra No. 502 situated at Min, Sultanwind Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (1908), in the office of the Registering Officer at

Amritsar City in Sep. 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Kalyan Singh 5/0 Shri Dayal Singh, H. No. 1482/13, Chowk Lachmansar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Nainder Singh s/o Shri Natha Singh, House No. 3806, Kot Baba Deep Singh Bazar No. 2, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sl. No. 2 above mentioned and Tenant(s) if (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1212 sq. qds. vide Khasta No. 502 Min at sultanwind Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2275 dated 19-9-1978 of Registering Authority Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 13-2-1979

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 16th February 1979

Ref. No. ASR/78-79/119.—Whereas, I. G. L. GAROO, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property situated at Circular Rd, near R. R. Baba Birls College, BTL

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Batala on June. 78

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(Transferor)

(1) Shri Pardip Singh s/o Kuldip Singh resident of Batala Distt. Gurdaspur

(Transferee)

(2) Mehar Chand son of Shri Bishan Dass, Village Bahadurpur Rajea near Harchowal Hehsil Patala Distt. Gurdaspur.

As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)

Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storeyed Building situated on circular road near R. R. Baba Girls College, Batala as mentioned in the Registered Deed No. 2291 dated 15-6-78 of Registering Authority Batala Distt. Gurdaspur.

G. L. GAROO, IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge.

Date: 16-2-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

Amritsar, the 16th February 1979

Ref. No. ASR 178-79/120.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Three shops bearing No. 267, 268 & 269 at co-oper road, Amritan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar city on June, 78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

(Transferor)
(1) Shri Ashok Kumar s/o Sh. Janaki Dass Mehra resident Bombay through Smt. Raj Kumari resident of Co-oper Road, Amritsar.

(Transferee)

(2) Smt. Vyas Devi d/o Sh. Tirlochan Ram w/o Shri Ram Ditta c/o Ram Ditta Bombay Chat, Co-oper Road, Amritsar.

Sh. Kamaljit Singh Sarabjit Singh s/o Sh. Harbahafan Singh, Regent Photograph Coper Road, Amritsar. Smt. Veena Kumari d/o Capt. Hari Singh w/o Sh. Sukhdev c/o Brightway Dry Clearner Co-oper Road, Amritsar.

As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any (4) Any person interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property consists of three shops bearing No. 267, 268, 169 at Co-oper Road. Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 831 dated 2-6-78 of Registering Authority Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range.

Date: 16-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th February 1979

Ref. No. ASR/78-79/118.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that 'he immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 89 situated at Abadi Sant Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar City on June, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hurpal Singh s/o Shri Santa Singh Plot No. 84, Abadi Sant Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shii Nirmal Singh s/o Shri Santa Singh, Plot No. 89, Abadi Sant Nager Amritsar.

(Transferee)

As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storeyed Building situated in Sant Nagar Near Bhagtanwala Gate, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1120 dated 27-6-1978 of Registering Authority Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar.

Date: 16-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st February 1979

Ref. No. ASR/78-79/124.—Whereas, T, G. L. GAROO, IRS.

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land in village situated at Jansa Chhitra, Teh. Gurdaspur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurdaspur on June, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mohinder Kaur d/o Shri Rur Singh resident of Jaura Chhitran Teh, Gurdaspur Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Sh. Bakhshish Singh s/o Sh. Chattar Singh village. Jaura Chhitran Teh. Gurdaspur Distt. Gurdaspur. (Transferce)

(Person in occupation of the propert of As at Sl. No. above mentioned and tenant(s) if any

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanations—The terms and expressions used here, in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 49 Kanals 12 Marlas situated in village Jaura Chhitran Teh. Gurdaspur, Distt, Gurdaspur in mentioned in the Registered deed No. 2005 dated 14-6-1978 of Registering Authority Gurdaspur.

G. L. GAROO, IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
Amrifsar.

Date: 21-2-1979

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Harjit Singh & Sh. Ajmer Singh sons of Shri Chanan r/o Village Nandpur, Teh. Ludhiana, (Transferor)

(2) M's Sagar Eng. Works. Unit No. 2 Plot No. 419. Industrial Area A, Ludhiana through Shri Kirpal Singh s/o Shri Attma Singh. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

No. Ref. No. LDH/R/67/78-79.---Whereas, I, NATHU RAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 4 Kanal situated at Vilalge Nandpur Tehsil Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
17—506GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Kanals situated at Village Nandpur Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3017 of July, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 9-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. LDH/R/75/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land measuring 16 kanal 19 marlas situated at Village Hiran, Tehsil & Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shri Prem Nath s/o Shri Bodhi Ram 4/o Sh. Gajju Mal, r/o Village Hirun, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Jangi Lal Oswal s/o Sh. Vidya Sagar Oswal, r/o 396/1 B-XIX, Ghumar Mandi, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 16 kanals 19 marlas situated in Village Hiran, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3266 of July, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Ludhiana.

Date: 9-2-1979

(1) Shri Harjit Singh & Sh. Ajmer Singh s/o of Shri Chanan r/o Village Nandpur, Teh. Ludhiana.

(2) M/s Sagar Engg. Works, Unit No. 2 Plot No. 419, Industrial Area A, Ludhiana Through Shri Kirpal Singh s/o Attma Singh.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. LDH/R/91/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 4 kunals situated at Village Nandpur Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and measuring 4 kanals situated at village Naudpur Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5120-A, of November, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9-2-1979

Scal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

Rcf. No. IDH/38/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of Property No. B-XIX-909, Tagore Nagar, Rajpura Road, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Abchal Singh s/o Shri Raghbir Singh, r/o B-XIX-909, Tagore Nagar, Rajpura Road, Ludhiana.

 (Transferor)
- (2) Shri Suresh Jhaver s/o Sh. Siri Niwas, r/o Jhaver X-Ray, Clinic, Tagore Nagar, Rajpura Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of propert y No.B-XIX-909, Tagore Nagar, Rajpura Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 846 of June, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
Ludhiana.

Date: 9-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. LDH/44/78-79,---Whereas, I. NATHU RAM.

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Portion of Property No. B-XIX-909, Tagore Nagar, Rajpura Road, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1978.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 29°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Abchal Singh s/o Dr. Raghbir Singh, r/o. B-XIX-909, Tagore Nagar, Rajpura Road, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Smt. Usha Jhaver w/o Sr. Suresh Jhaver, c/o Jhaver X-Ray Clinic, Tagore Nagar, Rajpura Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, which 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Property No. B-XIX-909, Tagoro Nagar, Rajpura Road, Ludhiana,

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1114 of June, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
Ludhiana.

Date: 9-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. LDH/46/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 31 kanals 7 marlas situated in Village Manrat, Tehsil Ludhiana.

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Harnam Kaur wd/o Sh. Kartar Singh, r/o Village Mangat Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Gian Singh s/o Sh. Banta Singh, r/o Moranwali Tehsil Garh Shankar, Distt. Hoshiarpur Village Mangat, Distt. Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 31 kanals 7 marlas situated in Village Mangat, Tehsil, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1150, of June, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Ludhiana.

Date: 9-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. PTA/51/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 32 kanals situated at Village Ghalori, Teh. & Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under in the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Dalip Kaur wd/o Maharaja Bhupinder Singh, r/o Lal Bagh Kothi, Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Jagjit Singh & Inderjit, Singh, ss/o Capt. Bhajan Singh r/o 23-B, Model Town, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 32 kanals situated in Village Ghalori, Teh. & Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1575 of June, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
Ludhiana,

Date: 9-2-1979

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. KNN/35/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Cinema Building with land measuring 3 kanals 3 marlas situated at Village Bhatian, near Khanna, Distt. Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khanna in June, 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri Luchhman Dass alias Lachhoo Ram 8/0 Chaudhry Rama Mal, r/o Khanna, Distt. Ludhiana. (Transferor)
- M/s. Natraj Fnterprises, G.T. Road, Khanna, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cinema Bldg, with land measuring 3 kanals 3 marlas situated at Village Bhatian, Near Khanna, Distt, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 860 of June, 1978 of the Registering Officer, Khanna).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Ludhiana.

Date: 9-2-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. KNN/36/78-79.—Whereas, I. NATHU RAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Cinema Building with measuring land 2 kanals 17 marlas situated at Village Bhatian, Near Khanna, Distt. Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khanna in June, 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
18—506GI/78

- Smt. Devka Rani w/o Sh. Narain Dass, r/o Khanna Kalan Distt Ludhiana.
- (Transferee)
 (2) M/s Natraj Enterprises, G. 1. Road, Khanna, Distt.
 Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cinema Bldg, with land measuring 2 kanals 17 marlas situated at village Bhatia, Near Distt, Ludhlana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 861 of June. 1978 of the Registering Officer, Khanna).

NATHU RAM.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Ludhiana.

Date: 9-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, ΙΨΟΗΙΛΝΑ

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. KNN/37/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/. and bearing No.

Cinema Building with Land measuring 2 kanals 18 marlas. situated at Village Bhatian, near Khannta, Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khanna in June, 1978

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent con sideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) o' Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (41 of 1961) to the following namely:-

(1) Sho Narain Dasa's o Shri Lachhman Dasa alia-Lachboo,

r e Klienna, Disti. Ludhiana,

(2) M s Natraj Interprises, G.T. Road. Khanna, Distt Ludhiana.

(Transferce)

(Fransleior)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cinema Building with Land measuring 2 kanals 18 marlas situated at Village Bhatian, near Khanna, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 862 of June, 1978 of the Registering Officer, Khanna).

> NATHU RAM Connectent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-2-1979

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. AMI. 78-78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring I bigha 10 biswa, situated Nasrali, Teh. Amloh near Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amloh in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market volue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the said Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :---

- (1) Shri Munshi Ram s/o Sh. Bhajan Lal, S/Shri Sadhu Ram and Bidhi Chand, sons of Sh. Pannalal, r/o Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.
 - (Transferor)
- (2) M/s Indian Mechanical Works, Mand, Gobindgarh, through Shri Narinrer Kumar, pattner.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha 10 biswas, situated at Village Nasrali, near Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 869 of July, 1978 of the Registering Officer, Amloh).

> NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-2-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. AML/86/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop, situated in Loha Bazar, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in August 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasoin of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other lassets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Vinod Kumar,
Virender Kumar,
Rajinder Kumar,
Devinder Kumar,
Ashok Kumar, and
Satish Kumar,
sons of Shri Sohan Lal,
r/o Mandi Gobindgarh, Teh. Amloh,
Distt. Patiala.

(Transferors)

(2) M/s Kelly Steel Corporation, Lohu Bazar, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala, through Sh. Kehar Singh, s/o Sh. Achhr Singh, partner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop, situated in Loha Bazar, Mandi Gobindgarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 967 of August, 1978 of the Registering Officer, Amloh).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-2-1979

Ref. No. CHD/159/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential House No. 44, Sector 21-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Equilities and you recommy

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the 'Said Act', to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 44, Sector 21-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 232 of June. 1978 of the Registering Officer, Chandigath).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhana

Date: 9-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. CHD, 160, 78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the competent authority under section 269 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 406, Sector 37-A measuring 528.12 Sq yards, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed

herto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Neelam Bhasin d/o Sh. Rajinder Kumar Bhasin, r/o 126, Sector 16-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Karam Singh, s/o Brijinder Singh, r/o H. No. 606, Sector 10-D, Chandigarh,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cozette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 406, Sector 37-A, situated at Chandigarh measuring 528.13 Sq. yards.

(The property as mentioned in the Registered deed No 234/1 of June, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhjana

Date: 9-2-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludbiana, the 9th February 1979

Ref. No. PTA/49/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 30 kanals 18 marlas, situated at Village Ghalori, Heh. & Distr. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Dalip Kun wd/o
11. H. Maharaju Bhupinder Singh,
130 Kothi Ual Bagh,
Patiala.

(Transferor)

(2) M/s Gurdev Singh Grewal & Company, Patiala, through Sh. Gurdev Singh Grewal, 23-B, Model Town, Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 Jays from the date of publication of this notice in the Official Gazeete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 30 kanals 18 marlas, situated at Village Chalen. Teh. & Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1524 of June, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-2-1979

Scal:

NOTICE UNDER SUCTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. PTA/61/78-79.—Whereas I. NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ʻsaid Act'). reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 30 kanals wrongly stated as 329 kanals 18 marlas), situated at Village Ghalori, Teh. & Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Waryam Singh s o Sh. Suchet Singh & Shri Joginder Singh s/o Shri Suchet Singh, Village Ghalori, Teh & Distt. Patiala.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Harkiran Kaur d'o Shri Mehar Singh, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days fro mthe date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which even period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 30 kanals (wrongly stated as 329 Kanals 18 marlas), situated in Village Ghalori, Teh. & Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1747 of June, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING I.UDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Rcf. No. BWN/42/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing Land measuring 107 kanals 10 marlas, situated at Bhawanigarh Thula Palad, Distt. Sangrur

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhawanigarh in June, 1978 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Gurdial Singh, s/o Mastan Singh, Gurdial Singh s/o Bishan Singh, Bant Singh s/o Bhagwan Singh, Iagar Singh s/o Hardam Singh, Pritam Singh s/o Ghula Singh, Chhota Singh s/o Gobind Singh, r/o Bhawanigarh, P.O. Bhawanigarh, Distt. Sangrur.

(Transferors)

(2) S/Shri Bharpur Singh, Balwant Singh, ss/o Kaka Singh, Village Kandhargarh Chhana, Tch. Malerkotla, Distt, Sangrur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 107 kanals 10 marlas, situated at Village Bhawanigarh Thula Palad, Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 725 of June 1978 of the Registering Officer, Bhawanigarth).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiara

Date: 21-2-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CFNTRAL REVENUE BUILDING, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Rcf. No. BWN/43/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 108 kanals 16 marlas, situated at Bhawanigarh, Teh. & Distt. Sangrur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhawanigarh in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Nihal Singh s/o Waryam Singh,
 Gurmukh Singh s/o Waryam Singh,
 Jangir Singh s/o Bishan Singh,
 Ajmer Singh s/o Kishan Singh,
 Bhan Singh s/o Dhokal Singh,
 Misra Singh Tur, Advocate,
 s o Budh Singh,
 (/o Bhawanigarh, P.O. Bhawanigarh, Distt. Sangrur,
- (2) S/Shri Surjeet Singh, Mohinder Singh, 85/6 Kaka Singh, Kendhargarh Chhana, Teh. Malerkotla, Distt. Sangrur.

(Transferee)

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 108 km. is 16 marlas, situated at Bhawanigarh, Teh. & Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 726 of June, 1978 of the Registering Officer, Bhawanigarh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 21-2-1979

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, , CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. BWN/44/78-79.—Whereas J. NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income text Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 109 kanals 18 marlas situated at Bhawanigarh, Teh. & Distt. Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bhawanigarh in Tune, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Pritam Singh s/o Kahla Singh, Harikishan Singh s/o Nand Singh, Kaku Singh s/o Hamir Singh, Uttam Singh s/o Basant Singh, Naurang Singh s/o Rai Singh, Jorinder Singh s/o Jangir Singh r/o Bhawanigarh, Teh. & Distt. Sangrur.
- (2) Smt. Surject kteur w/o Balwant Singh, Gurdiel Kaur w/o Mohinder Singh, Kanject Kaur w/o Bharpur Singh, Jasmer Kaur w/o Surject Singh, r/o Kandhargarh Chbana, F.O. Chhintanwala, Teh. Malerkotla,

Distt. Sangrur.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 109 kanals 18 marlas, situated at Bhawonigarh, Teh. & Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 727 of June 1978 of the Registering Officer, Bhawamgarh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 21-2-1979

Senl:

(1) Smt. Gurdip Kaur w/o Shri Jagtar Singh, r/o 78, Rakh Bagh, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Dr. (Mrs) Pushpinder Kaur w/o Dr. Iqbal Singh, 74, Club Road, Ludhiana.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned...

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ludhiana, the 21st February 1979

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. LDH/43/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

House property bearing Municipal No. B-XIII/406A, situated at Rakh Bagh, Ludhiana (Plot No. 78 Rakh Bagh) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the swid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate procedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

House property No. 78, Bakh Bagh, bearing Municipal No. B-XIII/406A, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 946 of June, 1978 of the Registering Officer, Ludhitana).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 21-2-1979

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING,

LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. LDH/109/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 3-A measuring 558.66 sq. yds situated at Industrial Area 'A' Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Charanji Lal s/o Sh. Ralla Ram, s/o Sh. Sawan Mal, r/o 1134-Dhuri Line, Azad Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Mail Kaur wd/o S. Gurbachan Singh s/o S. Hira Singh, r/o 223, Industrial Area-A, Ludhiana.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- said (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3-A, measuring 558.66 sq. yds. situated at Industrial Area 'A', Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 2548 of September, 1978 of the Registering Officer,

Ludhiana).

NATHU RAM Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Aquisition Range, Ludhlana

Date: 21-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref No. LDH/R/71/78-79.—Whercas J, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to beieve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 2-D, measuring 367 Sq. yds. (3 portion of 734 Sy. yds), situated at Sarabha Nagal, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions namely:—

(1) Sh. Sucha Singh s/o Dasondha Singh & Sh. Dhanna Singh s/o Bhan Singh, r/o 456-1., Model Town, Ludhiana, through Attorney Shri Bawa Singh s/o Sh. Kirpal Singh, Chowk Bharat Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Romesh Chand, Subash Chander, ss/o Parkash Chand, 79-Industrial Area 'A'. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2-D measuring 367 sq. yds. (‡ portion of 734 Sq. yds.) situated at Sarabha Nagar, Ludhiana).

(The property as mentioned in the registered deed No. 3091 of July, 1978 of the Registering Officer, Ludhlana).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 21-2-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Rcf. No. LDH/R/65-A/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 2-D, measuring 367 Sq. yds. situated at Sarabha Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiona in June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Sh. Sucha Singh s/o Dasondha Singh & Dhanna Singh s/o Bhan Singh, 436-L, Model Town, Ludhiana.
 Through Shri Bawa Singh s/o Kirpal Singh of Bharat Nagar Chowk,
 (Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Romesh Chand, Subash Chander, ss/o Parkash Chand, 79-Industrial Area 'A', Ludhiana

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2-D, measuring 367 sq. yds. situated at Surabha Nagar, Ludhiana.

(The property mentioned in the Registered deed No. 2848 of June, 1978 of the Registering Officer. Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 21-2-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, **LUDHIANA**

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. PTA/64/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land measuring 8 bighas and 8 biswas

situated ut village Alipur Arayian, Teh. & Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings fo rthe acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Ajit Singh s/o Bhagat Singh, r/o Vill. Alipur Araylan, Teh & Distt. Patiala.

(Transferors)

(2) 1. S/Shri Manjit Kaur, w/o Ajit Singh,

S/Shri Manjit Kaur, w/o Ajit Singh, r/o V. Alipur Arayian Teh. Patiala.
 Parbhjot Singh \ ss/o Inder Singh
 Gurjot Singh. \ 7. Dashmesh Nagar, Patiala.
 Guttej Singh. s/o Ajit Singh r/o V. Alipur Arayian, Teh & Distt. Patiala.
 Baljinder Kaur w/o Sh. Pushpinder Singh, r/o 7, Dushmesh Nagar, Patiala.
 Printender Singh s/o Maj Teja Singh, r/o 7, Dashmesh Nagar, Patiala.
 Sh. Amariot Singh s/o Bakshshish Singh.

7. Sh. Amarjot Singh s/o Bakshshish Singh,

r/o Kaull.

8. Smt. Parmjit Kaur w/o S. Gurbachan Singh, 10/9A, Chandigarh.

(Transferee

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 bighas 8 biswas situated in V. Alipur Arayian, Teh & Distt. Patiala.

The property as fully described in Registered deed No. 1790 of June, 1978 of the Registering Officer, Patiala.).

NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 21-2-1979

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. PTA/65/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 7 Bigha 7 Biswa situated at Village Alipur Arayian, Teh. & Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe t hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secion (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

20-506GI/78

- (1) Shri Darshan Singh s/o Sh. Bhagat Singh, s/o Sh. Bhola Singh, r/o Vill. Alipur Arayian, Teh. & Distt, Patiala. (Transferors)
- (2) 1. (S/Shri Gulzar Singh, 2. Dildar Singh,

 - ss/o Sh. Pritam Singh,
 3. Pritam Singh s/o Isher Singh,
 4. Surinder Kaur Grewal w/o
 Ajit Pal Singh.
 - Ranvijay Singh s/o Ajit Pal Singh,
 Tej Pal Kaur w/o Varinder Pal Singh,
 residents of Patiala,
 - Gurdip Singh Dhillon s/o Hazura Singh Dhillon,

 - Gurdip Singh Dritton 8/6 Hazura Singh Dritton
 Mandip Singh s/o Gurdip Singh Dhillon,
 Hardip Kaur d/o Gurdip Singh Dhillon,
 residents of Patiala,
 Surinder Partap Singh s/o Darshan Singh,
 Rajinder Partap Singh s/o Darshan Singh,
 residents of Vill. Alipur Arayian,
 Table Project Postelo Teh. & Distt. Patiala.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 bigha, 7 bisha, situated in village Alipur Arayian, Teh. & Distt. Patiala.

(The property mentioned in the Registered deed No. 1792 of June, 1978 of the Registering Officer, Patitala.)

> NATHU RAM Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana

Date: 21-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION'RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. PTA/38/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 6 bighas 5 biswas situated at Vill. Alipur Arayian, Teh. & Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Patials in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:

 Shri Shanker Singh s/o Sh. Sher Singh r/o Alipur Arayian, Teh. & Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s Barkha Ram Jagan Nath, Commission Agents, Anaj Mandi, Nabha Gute, Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 bighas 5 biswas, situated in Vill. Alipur Arayian, Teh. & Distt. Patiala.

The property as mentioned in the registered deed No. 1074 of June, 1978 of the Registering Offier, Patiala.).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 21-2-1979

Soal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. PTA/62/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Land measuring 8 bighas, situated at Vill. Alipur Aryian, Teh. & Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed herato), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patialty in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Daishan Singh s/o Shri Bhagat Singh, r/o V. Alipur Arayian, Teh. & Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s Malwinder Singh Family Trust, Patiala

(Tiansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 bighas, situated in Vill. Alipur Arayian, Teh. & Distt. Patiala.

(The property as fully described in registered deed No. 1762 of June, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 21-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. SRD/145/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 62 Kanal 11 marlas, situated at village Hassanpur (Chhaleri Khurd), Tehsil Sirhind.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nirber Singh s/o Sh. Boota Singh of Village Hassanpur (Chhaleri Khurd), Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferce)

(2) Shri Sampuran Singh s/o Shri Piara Singh, S/Shri Manjit Singh, Kuldip Singh, Hardip Singh, sons of Sh. Sawaran Singh, r/o Hassanpur (Chhaleri Khurd). Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 62 kanals 11 marlas, situated at Village Hassanpur, Tchsil Sirbind.

(The property mentioned in the registered deed No. 1331 No. 1331 of June, 1978 of Registering Officer, Sirhind.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 21-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. CHD. 170/78-79.--Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

SCF No. 30, Sector 22-D, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at has been Chandigarh in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Jangi Lal s/o Shri Kanshi Ram, r/o House No. 1181, Sector 21-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) (i) Sh. Jai Kumar Jain s/o Shri S. K. Jain, Advocate.

(ii) Mrs. Neelam Jain w/o Rakesh Jain.

(iii) Sh. Sushil Kumar Jain s/o Late Gian Chand & (iv) Sh. Shadi Lal Jain s/o Late Sh. Dina Nath Jain, c/o Jain Jewellers, SCF No. 7, Sector 22-D,

(Transferces)

(3) M/s Prem Tailors, SCF No. 30, Sector 22-D, Chandigarh.

Chandigarh.

[Person in occupatoin of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF No. 30. Sector 22-D, Chandigarh constructed on a

plot measuring 94 Sq. vds.

(The property as mentioned in the registered deed No. 315 of June, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.).

> NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana

Date: 21-2-1979

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF, CFNTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. CHD/163/78-79.--Whereas 1, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 39 kanals 8 marlas, situated at Village Darya, U.T., Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Chandigarh in June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Labh Kaur w/o Shri Pakhar Singh, r/o Village Kurli, Tchsil Rajpura, Distt Patiala, through Sh. Pakhar Singh, s/o Shri Kishan Singh, General Attorncy, r/o Kurli, Tch. Rajpura, Distt. Patiola.

(Transferors)

(2) Shri Mohinder Pal s/o Shri Brij Mohan Pal, r/o H. No. 252, Sector 16-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 39 kanals 8 marlas, situated in Village Daryte, U.T., Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No. 260 of June, 1978 of the Registering Officer, Chandi-

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 21-2-1979

garh).

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, CFNTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

SIONER OF INCOME-TAX

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. SMR/49/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land measuring 145 Kanals 13 Marlas stuated at Village Kiri Afghan, Teh, Samrala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samrala in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri

 Mohinder Singh, Joginder Singh, Naranjan Singh, ss/o Mikha Singh, Vilage Kiri Afghana, Teh. Samrala.

(Transferors)

 Shri Des Roj s/o Mohan Lal, s/o Jagan Nath, Village Ajnali, P.O. Gobindgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—6

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 145 Kanals 13 marlas, situated at village Kiri Afghana, Teh. Samrala, Distt. I udhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1278 of June, 1978 of the Registering Officer, Samrala.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 21-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. SMR/73/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agricultural land measuring 90 kanals 18 marlas, situated at Village Kiri Afghana, Teh. Samrala Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samrala in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any names or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nuamely:—

S:Shri

(1) Gurdid Singh, Gurpal Singh, Satnam Singh, ss/o Bahadur Singh s/o Isher Singh, r/o kiri Afghana, Teh. Samrala.

(Transferors)

(2) Sh. Sohan tal s/o Ramji Dass, c/o M/s. Rakesh Kumar Rajesh Kumar, Cloth Merchants, Subash Bazar, Khanna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 90 Kanals 18 marlas, situated at village Kiri Afghana, Teh, Samrala, Distt. Ludbiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 2342 of June, 1978 of the Registering Officer, Samrala.)

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Gudibandi Vemareddy, S/o Nagireddy Kollipara, Tenali Tq.

(Transferor)

(2) Shrimati Bheemayarapu Rajeswari, W/o Sanjeeyaready, Kollipara, Tenali Tq.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th November 1978

Ref. No Acq. File No. 835.--Whereas I, N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. RS No. 244, situated at Chagantipadu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vuyyuru on 24-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

may be made in writing to the undersigned...

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per Registered document No. 1019/78 registered before the Sub Registrar, Vuyyur during the fortnight ended on 30-6-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 18-11-1978

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-21—506GI/78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

s/o Nagireddy, Kollipara, Tenali Tq.

(1) Shri Gudibandi Vemareddy,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

SIONER OF INCOME-TAX.

Kakinada, the 18th November 1978

Ref. No. Acq. File No. 836.—Whereas I, N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS No. 244, situated at Chagantipada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Vuyyur on 16-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

 Shri Bheemavarapu Sanjeevareddy, s/o Gopireddy, Kollipara, Tenali Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The The schedule property as per Registered Document No. 979/78 registered before the Sub Registrar, Vuyyur during the fortnight ended on 30-6-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 18-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shrimati Parvathaneni Vajramma, W/o Venkatachalapathi Rao, Patamata, Vijayawada-6.

(Transferor)

(2) Shri Ghanta Koteswara Rao, S/o Venkaiah, Krishna Lanka, Vijayawada-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX KAKINADA

ACQUISITION RANGE,

Kakinada, the 18th November 1978

Ref. No. Acq. File No. 837.—Whereas I, N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tar, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. RS No. 790/1&2, situated at Katuru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Vuyyuru on 2-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excers the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act; 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per Registered document No. 854/78 registered before the Sub Registrar, Vuyyur during the fortnight ended on 15-6-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 18-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th November 1978

Ref. No. Acg. File No. 838. -- Whereas I, N. K. NAGA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

RS No. 790/1, 3 & 4, situated at Katurn

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Упуунти on 2-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) 1. Sij Veeramachaneni Chandrasekhara rao,
 2. Smt. V. Koteswaramma,
 3. Sri V. Bhavanisankar,

4. V. Atchutarao, Minor/Guardian father, V. Chandrasekhara Rao, SBH Colony No. 15, Vijayawada-8,

Sri V. Basayaiah,

Smt. Parvathaneni Vajramma,
 Sri V. Jaya Prakash,
 Sri V. Laxmi Prastad, M/G father, Sri V. Basavaiah, Patamatalanka, Vijayawada-6.

(Transferors)

(2) Sri Ghana Koteswara Rao, S/o Venkaiah Krishnalanka. Vijayawada-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per Registered Document No. 853/78 registered before the Sub Registrar, Vuyyur during the fortnight ended on 15-6-1978.

> N. K. NAGARAJAN Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kakinada

Date: 18-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMESTAX,

ACQUISITION RANGE,

KAKINADA

Kakinada, the 7th December 1978

Ref. No. Acq. File No. 849.—Whereas I, N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11-41-5, situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 15-6-1978 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objec of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shrimati Gondesi Laxmikantamma, w/o Satyanarayana, . Kandulayari Street, Vijayawada-1.

(Transferor)

(2) Shri Dogiparthi Sankararao, Pr. in M/s. Star Medical Stores, Park Road, Vijayawada-1.

(Transferee)

(3) 1. Muktha Agencies, 2. Sri Mohanlal, Vijovawada.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per Registered document No. 2737/78 registered before the Sub-Registrar. Vijayawada, during the F.N. ended on 15-6-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 7-12-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 12th December 1978

Ref. No. Acq. File No. 851.-Whereas I, N. K. NAGA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No. 205/1, situated at Kanuru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 14-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Kancherla Rajyalaxmi, w/o Ramamohan Rao, Krishna Nagar, Labbipeta, Vijayawada-10,

('Transferor)

S/Shri

1. Dhanekula Veeraraghavaiah,

2. D. Ravendranath Tagore,

3. D. Ramarao, 4. D. Nagendra Babu, c/o Sri Kanakadurga Rice Mill, Labbipeta, Vijayawada-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2714/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F. N. ended on 15-6-1978.

N. K. NAGARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada

Date: 12-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

KAKINADA

Kakinada, the 12th December 1978

Ref. No. Acq. File No. 852.—Whereas I, N. K. NAGA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

RS No. 205/1, situated at Kanuru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Vijayawada on 14-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Kancherla Ramamohan Rao, 5/0 Ramakotaiah, Krishna Nagar, Labbipeta. Vijavawada-10,

(Transferor)

S/shri

- (2) 1. Dhanckula Veeraraghavaiah, 2. D. Ravendranath Tagore,

 - D. Ramarao,
 D. Nagendra Babu, c/o Sri Kanakadurga Rice Mill, Labbipeta, Vijayawada-10.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 2713/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N ended on 15-6-1978.

> N. K. NAGARAJAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax. Acquisition Range, Kakinada

Date: 12-12-1978

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGF, KAKINADA

Kakinada, the 12th December 1978

Ref. No. Acq. File No. 853.-Whereas I, N. K. NAGA-

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS 205/I, situated at Kanuru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Vijayawada on 14-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pa ytax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Shri Katragadda Balakrishna, s/o Venkateswara Rao, Yanamalakuduru Vijavawada Tu-

(Transferor)

S/Shri

Dhanekula Veeraraghavaiah,
 D. Ravendranath Tagore,

5. Ravendraham Tagore,
5. D. Ramarao,
4. D. Nagendra Babu,
c/o Sri Kanakadurga Rice Mill,
I abbipeta, Vijayawada-10.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used being as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2712/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F. N. ended on 15-6-1978,

> N. K. NAGARAJAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada

Date: 12-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE. KAKINADA

Kakinada, the 12th December 1978

Re. No. Acq. File No. 850.-Whereas I. N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. RS No. 205/1, situated at Kanuru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 14-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trasnfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

(1) Smt. Kancherla Rajyalaxmi, w/o Ramamohan Rao, Krishna Nagar, Labbipeta, Vijayawada-10,

(Transferor)

- (2) 1. Dhanckula Veerataghavaiah, 2. D. Ravendranath Tagore,

 - 3. D. Ramarao,
 - 4. D. Nagendra Babu, czo Sci Kanakadurga Rice Mill, Lubbipeta, Vijayawada-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid within the persons period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2754/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F. N. ended on 15-6-1978.

N. K. NAGARAJAN Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Kakinada

Date: 12-12-1978

Seal:

22-506GI/78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th December 1978

Ref. No. Acq. File No. 854.—Whereas J. N. K. NAGA-RATAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair maket value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

TS No. 28/3, 27/2 & 24/10, situated at Tenali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali on 16-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Syed Galib, s/o Syed Imam Saheb, Telaprolu, Kancharlapalem (P.O.), Kattevaram Sivaru, Tenali Tq.

(Transferor)

 Shri Annabathuni Satyanaravana, s/o Şivaialı, Ithanagar, Tenali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1610/78 registered before the Sub-Registrar, Tenali, thuring the F.N. ended on 30-6-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Date:13-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th December 1978

Ref. No. Acq. File No. 855.—Whereas I, N. K. NAGA-RAJAN.

ocing the Competent Authority under Section 269B of the Inocme-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

TS No. 28/3, 27/2, & 24/10, situated at Tendli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Tenali on 16-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Syed Karim Shahid, s/o Syed Imam Saheb, Telaprolu, Kancherlapalem (P.O.), Kattevaram Sivaru, Tenali Tq.

(Transferor)

 Shri Annabathuni Satyanarayana, s/o Sivaiah, Ithanagar, Tenali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1611/78 registered before the Sub-Registrar, Tehsil, during the F.N. ended on 30-6-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date:13-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Syed Hussain, s/o Syed Imam Saheb, Telaprolu, Kancherlapalem (P.O.), Kattevaram Sivaru, Tenali Tq.

(Transferor)

¹e2) Shri Annabathuni Satyanarayana, s/o Sivaiah, Ithanagar, Tenali,

('fransferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th December 1978

Ref. No. Acq. File No. 856.—Whereas 1, N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

RS No. 28/3, 27/2 & 24/10, situnted at Tenali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Tenali on 16-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1612/78 registered before the Sub-Registrar, Tenali, during the F.N. ended on 30-6-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date:13-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th December 1978

Acq. File Ref. No. 7.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23-23-43 situated at Vijayawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 26-6-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Shrimati Cherukuri Bujjamma, W/o, Tarakaramargo C/o, Sri Y. V. Koteswara Rao, Signal Inspector, Railway Quarters; B. No. 67E, Purna Junction, Pamabhi Dist., Maharashtra.
 - (Transferor)
- (2) Shii Taduvai Yugananda Roo (2) Shit, T. Savitri, C/o. Mallikarjuna Cut Pieces Cloth Stores, Gudivadavari St., Vijayawada-1.
 - (Fransferce)
- (3) Andhra Fisherman Central Co-operative Society Ltd., (B.O.) Sivarao St., Vijayawada, [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document. No. 2921/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 30-6-1978.

N. K. NAGARAJAN.
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kukinada

Date: 13-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Rakinada, the 13th December 1978

Acq. File Ref. No. 858.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 52/1, 2 & 3 situated at Seetharampuram Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vishakhapatnam on 22-6-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

Makena Narsimha Patrudu,
 M. Chennayya Patrudu,
 Narasimhacharya Patrudu,
 Andhra University, Quarters, Vizag.

(Transferor)

(2) Shri Battepatti Vijaya Vardhana (2) B. Vishnu Vardhana, M/G. Mother Smt. B. Scethammamma Dabalu Village, Kothavalasa, Srungavarapukota Tq. (Transferer.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3817/78 registered before the Sub-Registrar. Visakhapatnam, during the F.N. ended on 30-6-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 13-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th December 1978

Ref. No. Acq. File 859.—Whereas I. N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

RS No. 23/2&1, 27/1, 26/5 & 28/7, situated at Chikinala, Near Manikoudta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kankipadu on 26-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. S/Shri Gadde Jayaramarao,
 - 2. G. Brahmanandarao,
 - 3. G. Sambasiyarao,
 - G. Steeniv en Rao, Chikinala Village, near Mandonda, Gannavaram Tq.
 - G. Venkata Krishna Rao, s/o Sudarsana Rao, Veerankilaku, Gannavarum Tq.

(Transferors)

(2) Smt. Cherukuri Bujjamma, w o Late Taraka Ramarao, Kodur, Gudiyada Tq.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 753/78 registered before the Sub-Registuer, Kankipadu, during the F.N. ended on 30-6-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Date: 13-12-1978

NOTICE UNDER SECION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP.TAX,

ACOUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th December 1978

Ref. No. Acq. File 860.—Whereas I, N. K, NAGARAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/- and bearing

No. 27/1 & 23/4 situated at Chikinala Village

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Kankipadu on 26-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Gadde Venkatakrishna Rao (2) Shri G. Venkata Punnamamba (3) Shri G. Sudarsana Rao M/G. Father Sri G. Venkatakrishna Rao, Veerankilaku, Gannavaram Tq.

(Transferor)

(2) Shrimati Cherukuri Bujjamma, W/o. Late Tarak Ramarao, Kodur, Gudiyada Tg.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 752/78 registered before the Sub-Registrar, Kankipadu, during the F.N. ended on 30-6-1978.

N. K. NAGARAJAN.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Kakinada

Date: 13-12-1978

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th December 1978

Ref. No. Acq. File 861.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

16-10-39, situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Vijayawada on 12-6-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—
23—506GI/78

(1) Shri Chattamanchi Vijaya Reddi (2) Ch. Vijay Kumar Reddi, No. 32, Benson Cross Road, Benson Town, Bangalore-560 046.

(Transferor)

(2) Shri Pulipati Venkateswara Rao 5/0. Shri Satyanarayana, Pingalaswamy Street, Purnanandampeta, Vijayawada-3.

(Transteree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document. No. 2699/78 registered before the Sub-Registror, Vijayawada, during the F.N. ended on 15-6-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Enspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Date: 13-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th December 1978

Ref. No. Acq. File 862.-Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

16-10-39 situated at Vijavawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijavawada on 12-6-1978, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Dr. Sri rangapalli Renuka Reddi W/o. Satyakumar Reddy (Now in Texas), GPA Holder Smt. C Sharada Devi. 6-2-953, Khairatabad, Hyderabad-

(Transferor)

(2) Shri Pulipati Venkateswara Rao, S/o, Satyanarayana, Pingalaswamy Street, Purnanandampeta, Vijayawada-

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2698-78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N ended on 15-6-1978.

N. K. NAGARAIAN,

Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kakinada

Date: 13-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th December 1978

Acq, File Ref. No. 863.—Whereas, I. N. E. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 16-10-39 situated at Vijayawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawado on 12-6-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Meera Guruswami W/o Mohan Guru Swamy, 6-2-953, Khairatabad, Hyderabad-500 004.
- (2) Shri Pulipati Venkateswara Rao, S/o, Satyanarayana, Pingalaswamy Street, Purnanandampeta, Vijayawada-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document. No. 2697/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 15-6-1978.

N. K. NAGARAIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 13-12-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th December 1978

Acq. File Rcf No. 864.—Whereas, I, N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

16-10-39 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer ut Vijayawada on 12-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Cattamanchi Sharada Devi, w/o. Late Sri Krishna Reddi, 6-2-953, Khairatabad, Hyderabad-500 004.

(Transferor)

 Shri Pulipati Venkateswara Rao, s/o. Satyanarayana, Pingalaswamy Street, Purnanandampeta, Vijayawada-3

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2696/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 15-6-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakınada.

Date: 13-12-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinda, the 14th December 1978

Acq. File Ref. No. 865 -- Whereas, I. N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

7-15-1 situated at Gandhinagar, Siikakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Srikakulam on 12-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. R. Tata, Development Officer, Ministry of Steel and Mines, Department of Steel, Udyog Bhavan, New Delh.

(Transferor)

2. Shri Yellapanthula Siyanandam, s'o. Rama Murty, 11-3-141 Chinabaratam St., Srikakulam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1820/78 registered before the Sub-Registrar, Srikakulam, during the F.N. ending on 15-6-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 14-12-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinda, the 14th December 1978

Acq. File Ref. No.—867.—Whereas, I, N, K, NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

439 situated at Gangolu Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Polavaram on 12-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bulusu Veerabhadramma, w/o Late Papayya, Sastry, GPA Holder Sri Hotha Venkata Surya Siva Ramsastry, Danavaipeta, Rajahmundry.

(Transferor)

 Shri Vaddiparthi Kantam, w/o. Venkata Ramana, Mangalavarapupeta, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 152/78 registered before the Sub-Registrar, Polavaram, during the F.N. ended on 15-6-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 14-12-1978.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Hyderabad, the 16th January 1979

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Acq. File Ref. No. 869.—Whereas I, B. V. SUBHA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

25-7-14 situated at Jayakrishnapuram, Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajahmundry on 23-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Shri Boppudi Rangarao, s o. Seetharamaiah, 2. B. Vikramaditya, 3. B. Chandrakiran and 4. B. Viveki alias Muralidhar, M'G. Father Sri B. Rngarao. Opp: Governor's Bungalow, Circuit Home, Visakhapatnani.

(Transferor)

(1) Tammana Ratnavati, w/o. Late Satyanarayana.
 (2) Tammana T. Narasimharao, s/o. Satyanarayana. Veerabhadrapuram, Korukonda Road. Rajahmundry.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inverested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2679 78 registered before the Sub-Registrar, Rajahmundry, during the fort-night ended on 30-6-1978.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (1 C). Kakinada.

Date: 16-1-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, he 12th January 1979

Acq. File Ref. No. 868.—Whereas, I. B. V. SUBBA RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

17-15-8 situated at GNT Road, Eluru

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru in June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Konda Raja Siyanand so. Late Sri Prabhakar Raju, 2 Smt. Konda Loka Seshamma, w/o. Late Sri Prabhakar Raju, Narasimharaopeta, Fluru, W.G. Dist.

(Transferor)

(1) Maganti Suryanarayana, s/o. Ghantaiah, 2. M. Seetharamaiah, s/o. Suryanarayana (3) M. Srinivasa Bhaskara Kumar. s/o. Suryanarayana, (4) M. Ghantavadhani, s/o. Suryanarayana, c/o. Bezwada Motor Stores, Bandar Road, Patamata, Vijayawada-520 006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document Nos. 1936/78 and 1937/78 registered before the Sub Registrar, Eluru, during the FN, ended on 15-6-1978.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (I/C), Kakinada.

Date: 12-1-1979.

Scal:

 Shri Ravinutula Ramarao, S/o. Venkata Subbarayudu, Alcot Gardens, Rajahmundry.
 (Trnsferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri Garikipati Venkata Krishna, Minor/Gualdian Father, Dr. G. Gopalakrishna Prakashnagar, Rajahmundry.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Kakinada, the 6th February 1979

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts.

Acq. File Ref. No. 878.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS Nos. 89 & 8/1 situated at Bommuru & Rajavolu

RS Nos. 89 & 8/1 situated at Bommuru & Rajavolu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 30-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2785/78 registered before the Sub Registrar, Rajahmundry during the fort-night ended on 30-6-1978.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

24-506 GL/78

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (I'C), Kakinada.

Date: 6-2-1979,

Scal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th February 1979

Acq. File Ref. No. 879.—Whereas, J, B. V. SUBBA RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

RS No. 74 situated at Bommuru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 30-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) Sri Ravinutula Venkata Subbarao, (2) Sri R. Venkata Krishna Rao, (3) Sri R. Venkata Narasimha Rao and (4) Sri R. Sreeniyasa Rao, Alcot Gardens, Rajahmundry.

(Transferor)

 Shri Garikipati Pakeeraiah C/o Dr. Gopalakrishna Prakashnagar, Rajahmundry.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2786/78 registered before the Sub Registrar, Rajahmundry during the fort-night ended on 30-6-1978.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range (I/C), Kakinada.

Date: 6-2-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, III 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 5th March 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/3-69/333.—Whereas I, D. P. GOYAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing

No. E-15, situated at New Delhi South Extension Part -II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on 26-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Curio House, 14, Sunder Nagar Market, New Delhi through its partners Shri C. L. Bharany S/o L. Radha Krishan Bhanany & Shri Ramji Bharany S/o C. L. Bhanany R/o S-9, Greater Kailash-I, New Delt. 18 Delhi-48.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Amrit Pal Kaur Kohli wd/o Shri Jang Bahadur Singh Kohli,
(2) Master Urmeet Singh,
(3) Master Manmeet Singh (both minors) sons of late Shri Jangbahadur Singh Kohli through their mother Smt. Amrit Pal Natural Guardian R/o A-3, Kailash Colony, New Delhi-48.

(Transferee)

(3) M/s. Goven Travels Prop. Dalmia Cement (Bharat) Ltd. and M/s Indian Institute of Mass Communication.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from he dute of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A five storeyed mansion built on a free hold plot of land bearing No. 15 Block No. E measuring 250 sq. yds, in New Delhi South Extension Part II Market and Bounded as

On the East: Plot No. E-14 On the West: Plot No. E-16 On the North: Road.

On the South: Road

D. P. GOYAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III, DELHI/NEW DELHI

Date: 5-3-1979

[PART III--SEC. 1

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 5th March 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/3-79/333.—Whereas, I, D. P. GOYAL.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 26,000/- and bearing

157-158, situated at Rameshwari Nehru Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-6-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Sadhu Ram s/o Shri Nait Ram R/o Q, Nos. 157-158, Rameshwari Nehru Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gian Chand S/o Shri Bhag Chand, R/o 157-158, Rameshwari Nehru Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Govt, built Qr. Nos. 157-158, Rameshwari Nehru Nagar, New Delhi, with the lease hold rights of the land under the said Qrs, and bounded as under:—

North : Gali

South: Service Lane. East: G.B.P.

West : Open

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
DELIII/NEW DELIII

Date: 5-3-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, III 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 5th March 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/3-79/335.--Whereas, 1, D.P. GOYAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. XV/4485 situated at Dal Mandi Paharganj, New Delbi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at New Delhi on 17-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-Date: 8-1-1979

(1) Shri Gurbux Singh S/o Shri Chanan Dass Arora, R/o. H. No. A-27, Phose II, Naraina Industrial Area. New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar S/o, Shti Bansi Lal, R/o, H. No. 2401, Tilak Street, Cht Paharganj, New Delbi. Chuna Mandi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquiistion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First Floor of House No. XV/4485 situated in area as known Dal Mandi. Paharganj, New Delhi comprising of an area of 180 sq. yds. and bounded as under :---

North: House bearing Mun. No. XV/4484. South: House No. XV/4487. East: Katra No. 4430, West: Gali,

D. P. GOYAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III. DELHI/NEW DELIII

Date: 5-3-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, III 4/I4A, ASAF ATT ROAD, NEW DELHI-110003

New Delhi, the 5th March 1979

Ref. No. JAC/Acq-III/3-69/336.—Whereas J, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. XV/4486, situated at Dal Mandi, Paharganj, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at New Delhi on 17-6-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohinder Singh S/o. Shri Chanan Dass Arora. R/o. House No. A-27, Phase-II. Naraina Industrial Area, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar S/o Shri Bansi Jal, R/o. H. No. 2474, Nalwa Street, Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The ground floor of House No. XV/4486 situated in the area known Dal Mandi Paharganj, New Delhi comprising of an area of 180 sq. yds. and bounded as under :--

East: House property No. 4430.

West: Gali (Street),

North: House Property No. 4484. South: House property No. 4487.

> D. P. GOYAL, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III. DELHI/NEW DEI.HI

Date: 5-3-1979

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, III 4/14A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 5th March 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/3-79 '334.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. C-5/1, situated at Safdarjang Development Area, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on 13-6-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shii Ram Tubbaya Malhette R/e 242, Chatak Kwor, Ajmers Gate, Delhi (Transferor)

(2) Shri Togindra Singh S\$o. Ram Singh Bapai and Mrs. Kirpal Kaur W/o Jogindra Singh both R/o F-1/11. Malviya Nagar, New Delhi through their attorney S. Jaswant Singh S/o S. Koh in Singh R/o E-1/11, Molviya Nagar, New Delhi.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One and a half storeyed dwelling house constructed on lease hold plot No. C-5/1, situated in the residential colony known as Safdarganj Development Area, New Delhi having an area of 550 sq. yds. situated on Delhi Mehrauli Road, New Delhi and bounded as under:—

Fast : Open.

West: Plot No. C-5/2. South: Service Lane.

North: Road.

D. P. GOYAL.
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Rame III.
DELDI/NEW DELHI

Date : 5-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 23rd February 1979

Ref. No. AR-I/4003-18/Aug. 78.—Whereas, I V. S. SESHADRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C.S. No. 768 of Mal & Cum, Hill Divn situated at Rajabali Patel Lane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Mrs. Roda Dhanjibhoy, (2) Fareeda Dhanjibhoy Ardeshir and (3) Meena Dhanjibhoy.

(Transferor)

(2) M/s Abhay Properties Pvt. Itd.

(Transferee)

(3) Mettur Berdsell Limited.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1524/78 (Bom) and registered on 25-8-1978 with the Sub-Registrar, Bombay.

V. S. SESHADRI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Bombay

Date: 23rd February, 1979

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1979 F.12/1/78-E.I(B)

New Delhi, the 17th March 1979

A combined competitive examination for recruitment to Grade IV of the Services mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHME-DABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUITACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI). HYDERABAD, IAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA). PATIALA, PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR AND TRIVANDRUM commencing on the 7th August, 1979 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 17th March. 1979.

THE CENTRES AND THE DATE OF THE COM-MENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTION-FD ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE IN-FORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure, page 15).

- 2. The services to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in Grade IV of the two Services are given below :-
 - (i) The Indian Economic Service
 - 25 (ii) The Indian Statistical Service

The above numbers are liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

- 3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of any one or both the Services mentioned in para 2 above. Once an application has been made, no change will ordinarily be allowed.
- If a candidate wishes to be admitted for both the Services. he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 below once only, and will not be required to pay separate fee for each of the Services for which he applies.
- N.B.—A Candidate will be considered only for the Service(s) for which he applies. A candidate who applies for both the Services should specify clearly in his application the order of his preference for the Services, so that having regard to his rank in the order of merit due considered and he given to his preference when making when deration can be given to his preference appointments.

No request for alteration in the preferences indicated by candidates in respect of Service, for which they desired to be considered, would be entertained unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the written examination.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary. Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commision's Office. This amount of Rs. 2.00 will In no case be refunded. no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1979. APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1979 WILL NOT BE ENTER FAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 30th April, 1979 (14th May, 1979 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadween from a date prior to 30th April, 1979 accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman and Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman and Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 30th April, 1979.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of condidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed resulting abroad should action the presentative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SELKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

- 7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burmst and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 8. A refund of Rs. 30.00 (Rs. 8.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If however, the application of a conditate seeking admission to the examination in terms of Note I below rule 6 is rejected on receipt of information that the has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the previsions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be intertained except as provided above, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATUPE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. AHLUWALIA, Deputy Secretary

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards, his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Person already in Government service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

- 3. A candidate *must* send the following documents with his application:—
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 6 and 7 of Notice and paras 5 and 6 below).
 - (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.
 - (iii) Attested/Certifled copy of Certifleate of Educational qualification.
 - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
 - (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
 - (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession, where applicable (See para 5 below).
 - (vii) Attedance Sheet (attached with the application form) duly filled.

NOTE—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii) (v) & (vi) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF NOVEMBER, 1979. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR THE VIVA VOCE ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF VIVA VOCE. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES

WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (1) to (vi) are given below and in paras 4, 5 and 6:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Uublic Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) Certificate of Age.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age of completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered the application may be rejected.

Note 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

Note 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(ii) Certificate of Educational Qualifications.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate, showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one usued by the

authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination, an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified in Rule 6 must be submitted in addition to the attested/certified copy of the University certificate.

Note—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than 30th October, 1979.

(iv) Two copies of Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under pacugraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application, and in any case they must reach. Commission's office [except as provided for in Note under paragraph 3(iii) above] within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumar	1"
son/daughter* of ——— of village/town	·
in District/Division* - of the	State/Union
Territory* belongs to the Tribe* which is recognised as a Scheduled Cas Tribe* under :—	
The dige.	

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*.

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950+

the Constitution, (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri/Shrimati/Kumari* and/o	т* —-
nis/her* family ordinarily reside(s) in village/town* of ———————————————————————————————————	be
State/Union Territory* of	
Signature	• •
**Designation	
(with seal of Office)	

Place			•		 -			•	 	•	•	
Date												

State/Union Territory*

*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/ Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stlpendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
 - †(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate)
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development officer (Lakshadweep).
- 5. (i) displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 5(b)(ii) or 5(b)(iii) and/or remission of fee under paragraph, 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India

during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 :-

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal, Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(b)(iv) or 5(b)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(b)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b)(vii) or 5(b)(viii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or of the lets have 1964 or on attested/certified copy of a certificate after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bonu fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June,
- (v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(b)(ix) or 5(b)(x) should produce, an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribed below from the Director General Rethe form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequent thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified the Rank No. - Shri -Services, in operations during hostilities with a foreign country in a disturbed area, and was released as a result of such disability.

Designation								
Date	_							

Signature.....

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 5(b)(xi) or 5(b)(xii) should produce, an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribed below, from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof

The form of certificate to be produced by the candidate.

– Shri -Certified that Rank No. ----

Signature	•	٠	٠	•	-	٠	•	٠	٠	•	•	•
Designation							•			٠		
Date .,								٠			٠	

- (vii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania of who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(b)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- (viii) A candidate claiming age concession under rule 5(c) should submit (i) an attested/certified copy of a certificate from the detaining authority under his seal stating that the candidate had been detained under the Maintenance of Internal Security Act or (ii) an attested/certified copy of a certificate from the Sub-Divisional Magistrate having jurisdiction in the area stating that the candidate had been arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder specifying the dates between which he was arrested or imprisoned and the dates between which he was arrested or imprisoned and certifying that the detention or arrest or imprisonment, as the case may be, was in pursuance of the candidate's politi-cal affiliations or activities or his association with the erstwhile banned organisations.
- 6. A candidate belonging to any of the entegories referred to in para 5(i), (ii) and (iv) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms).
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars, that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered flabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied $o\bar{n}$ a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. at the earliest possible date of the result of his application. It is not however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration. to consideration.
- 12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines Delhi (110054) and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash paypayment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block Beba Kharag Singh Marg. New Delhi (110001), (ii) Sale Counters of the Publication Branch, Udyog Bhavan, New Delhi, (110001) and office of the Union Public Service Commission, New Delhi-110011 and (iii) the Government of India Block Depot. 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets, are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

- 13. Communications regarding applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - 1. NAME OF FXAMINATION.
 - 2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - 3. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - 4. NAME OF CANDIDATE OF FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. Change in Addiess.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.